मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 12 | वर्ष : 28 | अंक : 354

जयपुर
महानगर टाइम्स
मिशन पत्रकारिता का प्रहरी

facebook YouTube twitter
देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

www.mahanagartimes.com | जयपुर, सोमवार, 17 नवम्बर, 2025 | जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

वी. श्रीनिवास बने राजस्थान के मुख्य सचिव, ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव के संकेत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी श्रीनिवास राजस्थान के नए मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। माना जा रहा है कि वी श्रीनिवास सोमवार या मंगलवार को मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण कर सकते हैं। आदेशों के मुताबिक नवनियुक्त मुख्य सचिव श्रीनिवास राजस्थान राज्य खान और खनिज निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और मुख्य आवासीय आयुक्त नई दिल्ली के पद का अतिरिक्त कार्यभार भी देखेंगे।

नई दिल्ली में साथी अधिकारियों से गले लगकर विदाई लेते राजस्थान के नवनियुक्त मुख्य सचिव वी श्रीनिवास।

प्रतिनियुक्ति से आकर मुख्य सचिव बनने वाले लगातार तीसरे अधिकारी

केंद्र से प्रतिनियुक्ति से लौटकर राजस्थान के मुख्य सचिव बनने वाले वी श्रीनिवास लगातार तीसरे अधिकारी हैं। इससे पहले भजनलाल सरकार के गठन के बाद सुधांश पंत दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर लौटकर राजस्थान के मुख्य सचिव बनाए गए थे। इससे पहले पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में भी उषा शर्मा को दिल्ली से बुलाकर राजस्थान का मुख्य सचिव बनाया गया था।

सुधांश पंत को केंद्रीय मंत्रालय में नई जिम्मेदारी

पूर्व मुख्य सचिव सुधांश पंत को अब केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में सचिव के पद पर जॉइन करना है। वे 30 नवंबर को नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इस बीच उन्हें कैबिनेट सचिवालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) बनाया गया है।

इससे पहले शुक्रवार शाम को ही केंद्र सरकार ने उन्हें राजस्थान के मूल कैडर के लिए कार्य मुक्त किया था। तबसे ही ऐसी प्रबल संभावनाएं बन गई थीं कि वी श्रीनिवास राजस्थान के नए मुख्य सचिव बन सकते हैं।

वरिष्ठता में थे दूसरे नंबर पर

वी श्रीनिवास लंबे समय से केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर थे। वे साल 2018 में ही केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे और अलग-अलग विभागों में प्रमुख पदों पर काम कर चुके थे। फिलहाल वे प्रशासनिक सुधार विभाग और पेंशनर्स विभाग में सचिव के पद पर तैनात थे। राजस्थान के निवर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत के अचानक दिल्ली लौटने के बाद गुरुवार को वी श्रीनिवास ने दिल्ली में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद ही अटकलों का दौर तेज हो गया था कि वी श्रीनिवास राजस्थान के मुख्य सचिव पद के सबसे प्रबल दावेदार हैं। इसके एक दिन बाद ही शुक्रवार को केंद्र सरकार ने उन्हें रिलीव कर दिया था।

इन प्रमुख पदों पर रहे

1989 बैच के अधिकारी वी श्रीनिवास सबसे पहले 1991 में भीलवाड़ा में सब डिविजनल ऑफिसर के पोस्ट पर तैनात हुए। इसके बाद में 1997 में पाली और जोधपुर के कलेक्टर रहे। साल 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वित्त मंत्री के प्राइवेट सेक्रेटरी रहे। राजस्थान में भी स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग और साइंस और टेक्नोलॉजी विभाग में सचिव रह चुके हैं। साल 2010 में केंद्र सरकार के टेक्सटाइल्स विभाग में संयुक्त सचिव और साल 2014 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में डिप्टी डायरेक्टर रह चुके हैं। साल 2017 में राजस्थान में टैक्स बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं और साल 2017 में ही राजस्व विभाग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सीनियरिटी और आगामी प्रशासनिक परिदृश्य

सीनियरिटी के अनुसार श्रीनिवास, सुबोध अग्रवाल के बाद सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। सुबोध अग्रवाल (1988 बैच) दिसंबर में रिटायर होंगे और इस समय आरएफसी अध्यक्ष के पद पर हैं। श्रीनिवास के बाद सचिवालय में उनसे सीनियर कोई अधिकारी नहीं बचेगा। 1989 बैच में श्रीनिवास के साथ शुभ्रा सिंह ही हैं, जो वर्तमान में रोडवेज चेयरमैन हैं और सचिवालय से बाहर हैं। 1990 बैच का कोई आईएएस सचिवालय में नहीं है, जबकि 1991 बैच में सुधांश पंत हैं। प्रशासनिक परंपरा के अनुसार मुख्य सचिव से सीनियर अधिकारी को सचिवालय में नहीं रखा जाता, लेकिन दिसंबर के बाद ऐसी स्थिति नहीं रहेगी।

पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में '...और यह जीवन समर्पित' ग्रंथ का विमोचन समारोह

स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से चलता है संघ : डॉ. भागवत

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक ने किया संबोधित
- राजस्थान के दिवंगत 24 संघ प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है यह पुस्तक

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि स्वयंसेवकों के भाव बल और जीवन बल से ही संघ चलता है। मानसिकता से हर स्वयंसेवक प्रचारक ही हो जाता है। संघ की यही जीवन शक्ति है। संघ यानी हम लोग स्वयंसेवक हैं। संघ यानी स्वयंसेवकों का जीवन और उनका भाव बल है। आज संघ बढ़ गया है। कार्य की दृष्टि से अनुकूलताएं और सुविधाएं भी बढ़ी हैं, परंतु इसमें बहुत सारे नुकसान भी हैं। हमें वैसा ही रहना है, जैसा हम विरोध और उपेक्षा के समय थे, उसी भाव बल से संघ आगे बढ़ेगा।

डॉ. मोहनराव भागवत रविवार को पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में ज्ञान गंगा प्रकाशन की ओर से आयोजित '...और यह जीवन समर्पित' ग्रंथ के विमोचन समारोह में बोल रहे थे। यह पुस्तक राजस्थान के दिवंगत 24 संघ प्रचारकों की जीवन गाथा का संकलन है।

संघ कार्य के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि संघ ऐसे ही समझ में नहीं आता है। इसे समझने के लिए प्रत्यक्ष अनुभूति की आवश्यकता होती है, जो संघ में प्रत्यक्ष आने के बाद ही प्राप्त हो सकती है। कई लोगों ने संघ की स्पर्धा में संघ जैसी शाखाएं चलाने का उपक्रम किया, लेकिन पंद्रह दिन से ज्यादा किसी की शाखा नहीं चली। हमारी सौ साल से चल रही है और बढ़ भी रही है, क्योंकि संघ स्वंयसेवकों के भाव बल और जीवन बल पर चलता है। डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ का काम चर्चा और समाज के स्नेह का विषय बना हुआ है। संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों ने क्या-क्या किया है, इसके डंके बज रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौ साल पहले कौन कल्पना कर सकता था कि ऐसे ही शाखा चलाकर राष्ट्र का कुछ होने वाला है? लोग तो कहते ही थे कि हवा में डंडे घुमा रहे हैं। ये क्या राष्ट्र की सुरक्षा करेंगे? लेकिन आज संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है और समाज में संघ की स्वीकार्यता बढ़ी है।

'कठिन रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती है पुस्तक'

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने प्रचारकों और वरिष्ठ स्वयंसेवकों के जीवन पर आधारित नए ग्रंथ '...और यह जीवन समर्पित' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक केवल गौरव की भावना नहीं जगाती, बल्कि कठिन रास्ते पर चलने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे इस परंपरा को ना केवल पढ़ें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। यदि उनके तेज का एक कण भी हमने अपने जीवन में धारण कर लिया तो हम भी समाज और राष्ट्र को आलोकित कर सकते हैं।

संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी पुस्तक की प्रस्तावना

कार्यक्रम के आरंभ में पुस्तक का परिचय और प्रस्तावना संपादक भागीरथ चौधरी ने रखी। आभार ज्ञान गंगा प्रकाशन समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरलीधर शर्मा ने प्रकट किया। वहीं समिति के उपाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा ने सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य महानुभव उपस्थित रहे।

('युवा शोधार्थी संवाद : शाश्वत मूल्य, नए आयाम' कार्यक्रम पृष्ठ 10 पर)

बालेसर के पास ट्रेलर-टेम्पो की भिड़ंत

रामदेवरा जा रहे 6 श्रद्धालुओं की मौत, 14 लोग घायल

महानगर टाइम्स संवाददाता

जोधपुर। जोधपुर से बालेसर के बीच रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। बालेसर थानाधिकारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि नेशनल हाईवे पर खारी बेरी गांव के पास सुबह करीब 5 बजे अनाज की बोरियों से भरे हुए ट्रेलर की भिड़ंत गुजरात से जोधपुर होते हुए रामदेवरा जा रहे श्रद्धालुओं से भरे टेंपो से हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों महिलाएं हैं, जिनके शव बालेसर अस्पताल में रखे हैं। बाकी अन्य घायलों को बालेसर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद मथुरादास माथुर अस्पताल भेजा गया, जिनमें से भी तीन ने दम तोड़ दिया।

टेंपो में सवार श्रद्धालु गुजरात के जिला बनासकांठा व धनसुरा के रहने वाले हैं, जो रामदेवरा जा रहे थे। टेंपो में 20 लोग सवार थे। इनमें तीन साल की नव्या, 40 वर्षीय भूपत सिंह और 60 वर्षीय काशिया बाई की मौत एमडीएम अस्पताल पहुंचने के दौरान हो गई। मौके पर ही मरने वाली तीन महिलाओं के शव बालेसर अस्पताल में रखे हैं। उनकी पहचान अभी होनी है।

घायलों का उपचार जारी

बालेसर से एमडीएम भेजे गए 17 घायलों में से तीन की मौत के बाद 14 घायलों को मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर विकास राजपुरोहित ने बताया कि घायलों में कुछ गंभीर भी हैं, जिनका उपचार चल रहा है। तीन के शव मोर्चरी में रखवाए हैं। घायलों में प्रिया (14), हिम्मत सिंह (62), अनिल (13), वीरा (8), अरख (65), अनुराधा (18), कालू सिंह (40), गवरी (10), निकिता (13), उमा (6), आशु बहन (65), अर्जुन (17), हर्षित (3), आसिफ (15) और कपिला (60) शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री ने जताया दुख

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि रामदेवरा धाम जा रहे वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से श्रद्धालुओं के देहावसान की सूचना ने दुखी कर दिया है। बालेसर क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। मैंने तत्काल जानकारी ली है और हरसंभव सहायता के दिशा-निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में ब्लास्ट हुई कार का मालिक गिरफ्तार

आतंकी उमर के साथ मिलकर रची थी ब्लास्ट की साजिश

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने रविवार को आतंकी उमर के साथी आमिर राशिद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इसने उमर के साथ मिलकर दिल्ली ब्लास्ट की साजिश रची थी। वह जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाला है। आई20 कार आमिर के नाम पर ही रजिस्टर्ड थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी डॉ. उमर नबी से जुड़े कुछ लोगों को पकड़ा है। जांच में पता चला कि डॉक्टरों वाला यह व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल पिछले साल से एक सुसाइड बॉम्बर ढूंढ़ रहा था और इसकी जिम्मेदारी उमर पर थी। हिरासत में लिए गए काजीगुंड के जसीर उर्फ दानिश ने बताया कि उसकी इस मॉड्यूल से पहली मुलाकात अक्टूबर 2023 में कुलगाम की एक मस्जिद में हुई थी। बाद में उसे फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास किराए के कमरे में रखा गया।

ग्वालियर में भीषण हादसा

हाईवे पर रेत से भरी ट्रॉली में घुसी कार, 5 लोगों की मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

ग्वालियर। ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच भीषण हादसा हो गया। एक फॉर्च्यूनर कार रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में 5 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि मालवा कॉलेज के मोड़ पर यह हादसा हुआ। चूंकि फॉर्च्यूनरइतनी रफ्तार में थी कि संभलने का भी मौका ही नहीं मिला और सीधी ट्रॉली में जा घुसी।

हादसे के समय कार के एयरबैग्स तो खुले, लेकिन रफ्तार की वजह से एयरबैग्स भी फट गए। घटना में मौके पर भी कार सवार पांचों युवकों की मौत हो गई। फॉर्च्यूनर में सवार युवक उत्तर प्रदेश के झांसी से ग्वालियर लौट रहे थे। वे झांसी में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। हादसे में आदित्य जादौन, राम पुरोहित, क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत, कौशल भदौरिया एवं अभिमन्यु सिंह की मौत हो गई।

---

17 शहरों का रात का पारा पहुंचा सिंगल डिजिट में

फतेहपुर की रात रही सबसे सर्द

हवाएं चलने से जयपुर के पारे में हल्की गिरावट

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। पहाड़ों से आ रही सर्द हवाओं ने राजस्थान में ठिठुरन बढ़ा दी है। प्रदेश के 17 शहरों का रात का तापमान सिंगल डिजिट में पहुंच गया। 5.2 डिग्री के साथ फतेहपुर की रात सबसे सर्द रही। आगामी दिनों में हवाओं के असर से न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। जयपुर में रविवार को दिनभर हल्की हवाएं चलीं। इससे जयपुर के पारे में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम 12 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार फतेहपुर के अलावा नागौर का न्यूनतम तापमान 5.3, सीकर का 5.8, दौसा का 6.4, लूणकरणसर का 6.8, करौली 7.6, बारां और चूरू का 7.9, जालोर का 8.1, चित्तौड़गढ़ का 8.2, पिलानी और डबोक का 8.5 भीलवाड़ा और अलवर का 9, झुंझुनूं और वनस्थली का 9.1 एवं जोधपुर का 9.9 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य में अगले कुछ दिन इसी तरह का मौसम रहने और प्रदेश के सुबह-शाम तेज सर्दी और हल्की शीतलहर का असर बरकरार रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फरीदाबाद के दौरे पर

उत्तर भारत के राज्यों से समन्वय पर बैठक आज

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उत्तर भारत के राज्यों के बीच आपसी समन्वय और नीतिगत मुद्दों पर चर्चा के लिए 17 नवंबर को होने वाली उत्तरी जोनल परिषद की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसके लिए वे फरीदाबाद पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री 17 नवंबर को सुबह 10:15 बजे बैठक होटल से सूरजकुंड रवाना होंगे। यहां सुबह 10:30 से दोपहर दो बजे तक उत्तरी जोनल परिषद की 32वीं बैठक होगी। इसमें आंतरिक सुरक्षा, सीमा-विवाद, पुलिस प्रशासन, जल बंटवारा, आपदा प्रबंधन और राज्यों के बीच समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक के बाद मुख्यमंत्री दोपहर 2:30 बजे सूरजकुंड से रवाना होंगे और अपराह्न 3:30 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां से शाम 4:25 बजे जयपुर हवाई अड्डा पहुंचेंगे।

ट्रांसफर गृह विभाग ने राजस्थान पुलिस सेवा में किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, नवपदोन्नत डीएसपी भी शामिल

142 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के तबादले और पदस्थापन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राज्य सरकार के गृह (ग्रुप-1) विभाग ने पुलिस सेवा में बड़ा फेरबदल करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) स्तर के 142 अधिकारियों के स्थानांतरण और पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं। इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नए तैनाती स्थलों पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इस फेरबदल में नवपदोन्नत डीएसपी भी शामिल हैं।

तबादला सूची के अनुसार दिनेश कुमार यादव को कामां, डीग का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। महेश मीना को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय पूर्व), पुलिस आयुक्तालय जयपुर में पदस्थापित किया है। प्रमोद कुमार शर्मा को अब एचसीएमयू अजमेर की जिम्मेदारी दी है, मुकेश कुमार सोनी को एसओजी उदयपुर भेजा गया है। बुद्धराज खटीक अब सहाड़ा, भीलवाड़ा के एएसपी होंगे। इनके अलावा रोशनलाल पटेल एएसपी उदयपुर विकास प्राधिकरण, सुरेंद्र कुमार कुमावत एएसपी त्वरित अनुसंधान सेल भीलवाड़ा, अदिति चौधरी को एएसपी त्वरित अनुसंधान सेल बूंदी पदस्थापित किया गया है। विमल सिंह एएसपी कुचामन और मोटाराम बेनीवाल को लीव रिजर्व कार्यालय महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण जयपुर भेजा गया है। इसी तरह जनेश सिंह तंवर एएसपी एचसीएमयू जयपुर, अरविंद विश्नोई एएसपी हनुमानगढ़, सौरभ कोठारी को सीआईडी एसएसबी जयपुर में पदस्थापित किया है। लोकेश मीणा को नीमकाथाना का एएसपी बनाया गया है। कन्हैयालाल मीणा डिप्टी कमांडेंट एमबीसी बांसवाड़ा होंगे, वहीं नेहा अग्रवाल को एएसपी सीआईडी सीबी जयपुर में पदस्थापित किया है। चिरंजीलाल मीना एएसपी सीआईडी एसएसबी जयपुर, स्वाति शर्मा को अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर उदयपुर एएसपी जिम्मेदारी दी गई है।

नवपदोन्नत अधिकारियों के पदस्थापन

नवपदोन्नत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों में राजेंद्र सिंह को पीटीएस, सिलोरा किशनगढ़, महेंद्र कुमार/रामकिशोर को त्वरित अनुसंधान सेल अलवर, राजेंद्र सिंह/मुंशी राम को एजीटीएफ जयपुर में पदस्थापित किया है। पुलिस कमांडो ट्रेनिंग स्कूल जोधपुर का एएसपी जोगेन्द्र सिंह को बनाया गया है। वृत्ताधिकारी गंगाशहर रहे पार्थ शर्मा को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) पुलिस आयुक्तालय जयपुर में भेजा गया है।

अतिरिक्त कार्यभार

राज्यहित में नवसृजित महिला बटालियनों के लिए अधिकारियों को उनके वर्तमान पद के साथ अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। डिप्टी कमांडेंट प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर के राजीव कुमार परिहार को डिप्टी कमांडेंट अमृता देवी महिला बटालियन बाड़मेर का अतिरिक्त कार्यभार दिया है। डिप्टी कमांडेंट, हाडीरानी महिला बटालियन अजमेर की प्रीति कांकाणी को डिप्टी कमांडेंट पदमिनी महिला बटालियन सीकर का अतिरिक्त कार्यभार दिया है। वहीं एएसपी (पुलिस अधीक्षक केंद्रीय भंडार, पुलिस मुख्यालय) जयपुर के यशपाल त्रिपाठी को डिप्टी कमांडेंट कालीबाई महिला बटालियन अलवर का अतिरिक्त कार्यभार दिया है।

गलियारा गपशप

अंता का अंत नहीं भाया

अंता वालों को भले ही भाया भाए हों, लेकिन कमल दल को तो यह अंत नहीं भाया। भाना चाहिए भी नहीं, हालांकि अंता ही नहीं पूरे बारां जिले की राजनीति कुछ अलग ही ढंग से चलती है। बारां को जानने वाले कहते हैं कि यहां आप जो देख रहे हैं, वह अंतिम सत्य नहीं है। यहां बहुत कुछ ऐसा होता है, जो दिखता नहीं है, लेकिन असल में होता वही है, इसलिए अंता का अंत सिर्फ वह नहीं है, जो दिख रहा है। इस अंत में कई अंत छिपे हैं अब यह चाहे किसी को भाए या ना भाए।

बीस बाद के पच्चीस दिन

अंता का अंत हो गया है और बिहार में बहार आ गई है। अब 20 नवंबर बाद के 25 दिन बहुत अहम बताए जा रहे हैं। सुनने में आ रहा है कि सरकार के तीसरे वर्ष की यात्रा नए कलेवर में शुरू होगी। शुरुआत ब्यूरोक्रसी के मुखिया से हो चुकी है। वैसे भी सरकार के मुखिया जी का दिल्ली दौरा आजकल कइयों के दिल दहला देता है। रही सही कसर सोशल मीडिया के वायुमंडल में तैरने वाले संदेश पूरी कर देते हैं। इस बार दिल्ली दौरा हुआ तो संदेश चला कि मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए गए हैं। देखते हैं... अब अगले दौरे पर क्या संदेश वायरल होता है।

नए निजाम में क्या बदलेगा कुछ

अफसरों के पूर्व मुखिया कुछ मामलों में बहुत सख्त थे, खासतौर पर सरकारी बैठकों का प्रोटोकॉल, ऑफिस की गरिमा, फाइलों का डिस्पोजल और समय की पाबंदी। ऑफिसों में उनकी छापेमारी, जींस-टी-शर्ट पर पाबंदी और सरकारी बैठकों में चने-भूंगड़े लोगों को याद रहेंगे, लेकिन जो नए मुखिया आ रहे हैं, वे तो चार साल से प्रशासनिक सुधार का जिम्मा ही संभाल रहे थे और वह भी दिल्ली में, यानी निजाम बदलने पर यदि कोई राहत की उम्मीद कर रहा हो तो शायद उसे छोड़ देनी चाहिए।

खुले में करेंगे तो कैसे चलेगा

एक गामा साहब अपने इलाके में जमीनों के काम में खूब चांदी काट रहे थे। थाना भी हाईवे और शहर के करीब है। बता रहे हैं कि एक दिन पुलिस का वाहन खड़ा करके एक प्लॉट पर बाउंड्री करवा रहे थे और पीड़ित की सुनवाई की नहीं। अब किसी ने सबूत सहित विजिलेंस और जयपुर पुलिस मुखिया से शिकायत कर दी है। देखो आगे क्या होता है।

क्या डैमेज कंट्रोल किया है

पहले तो एक पावरफुल अफसर के पर कतरे गए और बाद में एक आदेश निकालकर उनको खुश कर दिया गया। अब एक बार फिर पुलिस मुख्यालय से लेकर सभी अफसरों के मुंह पर एक ही बात कि आखिर हुआ क्या। डैमेज कंट्रोल किया गया या गिले-शिकवे दूर कर लिए गए और यदि सब कुछ ठीक हो गया है तो आगे अब क्या होगा।

गॉसिप का नल बहता रहता है यहां

जलदाय विभाग के गलियारों में इन दिनों पानी की पाइपलाइन से ज्यादा गपशप की लाइनें दबाव में चल रही हैं। कोई कहता–नया मीटरिंग सिस्टम आएगा तो कोई फुसफुसाकर बताता है कि पहले अफसरों के 'लीकेज' बंद हों। फाइलें भले धीरे सरकें, अफवाहें तेजी से बहती हैं- कौनसे इंजीनियर की पोस्टिंग बदलने वाली है, किसकी रिपोर्ट 'ओवरफ्लो' हो गई और किसके नल से अगले महीने प्रमोशन टपक सकता है। दफ्तर के हर मोड़ पर ऐसा लगता है मानो एक अदृश्य टैंकर 'फ्री गपशप सप्लाई' दे रहा हो।

चलती है तो चला ली

नगर निगम ने एक पूर्व नेता ने एक अधिकारी का बड़ा ओहदा बनाए रखने के लिए एडी से चोटी का जोर लगाया और सफल भी रहे। इससे ना सिर्फ यह साबित हुआ कि सरकार में नेताजी की अच्छी चलती है, बल्कि यह भी तय हो गया कि नेताजी अगले चुनाव के लिए अभी से जमीन मजबूत करने में जुटे हैं, इसीलिए कानून के कारण कुर्सी भले ही चली गई, लेकिन अधिकारी के जरिए दबदबा कायम रहेगा।

पुछल्ला

अंता जीते, बिहार हारे, अब द ग्रेंड ओल्ड पार्टी में असमंजस ये कि खुशी मनाएं या गम, क्योंकि बिहार दूर भले ही है, लेकिन पूर्व मुखियाजी के हाथ में कमान थी, इसलिए संबंध निकट का हो गया था। बताते हैं कि दिल्ली वालों ने ही संकट खत्म कर दिया। कहा गया है कि बिहार की हार के कारण अंता का जश्न सीमित रखें।

परकोटे में रेंगते वाहन, परेशान आमजन

सावों की रौनक और पर्यटकों का उमड़ा सैलाब, जाम से हांफने लगी 'शहर की धड़कन'

यातायात सुधार के लिए चलाए गए अभियान भी नहीं दिला पाए जाम से निजात

महानगर टाइम्स संवददाता

जयपुर। जयपुर का 'परकोटा', सिर्फ स्थापत्य का प्रतीक नहीं, बल्कि शहर की धड़कन है, लेकिन ट्रैफिक के बिगड़े मैजनमेंट के चलते इन दिनों यह धड़कन जैसे हांफने लगी है। सावों का सीजन अभी पूरी रौनक पर है, वहीं दूसरी तरफ साल का अंतिम समय भी है, जब देश-विदेश से पर्यटक शहर में आते हैं। हालात यह कि चाहे चौड़ा रास्ता हो, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया, किशनपोल, अजमेरी गेट या सवाई मानसिंह रोड, हर तरफ वाहन रेंगते दिख रहे हैं। यातायात पुलिस के तमाम आदेश, मुनादी, यातायात प्लानिंग सब कागजों पर चमकते हैं, पर सड़कों पर धूल खाते हुए बेअसर दिख रहे हैं।

परकोटे के बाजारों में सुबह 11 से रात 9 बजे तक हालात ऐसे होते हैं कि पैदल चलने वालों के लिए भी जगह नहीं बचती। मुख्य चौराहों पर वाहनों की कतारें कई सौ मीटर तक लग जाती हैं। एक बाइक को निकलने में पांच मिनट लगते हैं और कार को दस-बीस मिनट। स्थानीय लोग इस सीजन को जाम सीजन कहकर संबोधित करने लगे हैं। इन दिनों परकोटा में पर्यटकों की खासी संख्या भी बाजारों में पैदल भ्रमण करती दिख रही है। कोई हवामहल की तस्वीरें ले रहा है, कोई दुकान पर मोलभाव कर रहा है, लेकिन इनके बीच से रास्ता बनाते हुए ई-रिक्शा, ऑटो, निजी कारें, टैक्सी और दुकानदारों के माल ढोने वाले छोटे वाहन माहौल को और अव्यवस्थित कर देते हैं।

परकोटा में यातायात जाम की 5 बड़ी वजह

1 पेड पार्किंग व्यवस्था निष्प्रभावी

परकोटा के कई बाजारों में पेड पार्किंग बनाई गई, लेकिन लोग सड़क किनारे ही वाहन खड़ा कर देते हैं। दुकानदार भी अपने ग्राहकों को सुविधा देने के नाम पर दुकान के सामने गाड़ियां खड़ी करवाते हैं। यातायात पुलिस इन्हें हटाने में असफल दिखती है।

2 मालवाहक वाहनों का बिना रोकटोक प्रवेश

परकोटा में अघोषित लोडिंग-अनलोडिंग पूरे दिन होती रहती है। बड़े मालवाहक वाहन और कैंटर तक परकोटा की तंग गलियों में प्रवेश कर जाते हैं। इनसे रास्ता पूरी तरह ब्लॉक हो जाता है।

3 ई-रिक्शा: व्यवस्था के बिना बढ़ती भीड़

ई-रिक्शा शहर की आवश्यकता है, लेकिन इनकी संख्या और संचालन पर कोई नियंत्रण नहीं है। सड़क के बीच रोक देना, पर्यटकों को चढ़ाना-उतारना आम दृश्य है। इससे जाम की स्थिति और बढ़ जाती है।

4 पैदल यात्रियों के लिए कोई व्यवस्था नहीं

फुटपाथ दुकानदारों ने घेर रखे हैं। पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरना पड़ता है और वहीं वाहनों से उनकी टक्कर बचाने में पुलिस को पसीना आता है।

5 अस्थाई दुकानों और ठेलों पर नियंत्रण नहीं

कई प्रमुख मार्गों पर अस्थाई ठेलों ने सड़कें घेर रखी हैं। पुलिस हटाती है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही तस्वीर लौट आती है।

ट्रैफिक पुलिस की कोशिशें-ऊंट के मुंह में जीरा

परकोटा में यातायात सुधार के लिए पुलिस गश्त, चालान, बैरिकेडिंग, अस्थायी डायवर्जन सभी कुछ किया गया, लेकिन स्थिति जस की तस है। असल समस्या यह है कि परकोटा का ढांचा इतना पुराना और तंग है कि आधुनिक यातायात परिभाषाएं यहां स्वतः दम तोड़ देती हैं। ऊपर से मौसमी भीड़ और पर्यटक ट्रैफिक, दोनों मिलकर इसे और जटिल बना देते हैं। दुकानदार बताते हैं कि ग्राहक वाहन लेकर आते हैं और जाम में फंसकर लौट जाते हैं। वहीं आस-पास के रहवासी कहते हैं कि कहीं जाना हो तो आधा घंटा पहले निकलना पड़ता है। बच्चों की स्कूल बस भी समय पर नहीं पहुंचती। चांदपोल बाजार के एक व्यापारी ने बताया कि पुलिस सिर्फ चालान काटने में सक्रिय दिखती है, प्रबंधन में नहीं। वहीं एक पर्यटक ने कहा कि हवा महल की सड़क पर हम 20 मिनट फंसे रहे। कोई राह दिखाने वाला नहीं था। हालांकि उधर यातायात पुलिस का यह भी कहना है कि हमनें इन क्षेत्रों में रात्रिकालीन ट्रैफिक व्यवस्था के लिए अलग से टीम बनाई है, जिससे कुछ हद तक यातायात सुचारू हो सकेगा।

सड़क सुरक्षा अभियान का असर भी नहीं

हाल ही में हरमाड़ा में डंपर हादसे के बाद यातायात सुधार के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद 4 नवम्बर से पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान 18 नवम्बर तक चलेगा। यानि 2 दिन और शेष। बावजूद इसके परकोटा एरिया को बढ़ते जाम से मुक्ति नहीं मिल पाई है।

इनका कहना है....

सावों और पर्यटन सीजन में परकोटा क्षेत्र हमेशा अधिक दबाव में रहता है। इसके लिए हमने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। कई मार्गों को अस्थायी एकतरफा किया गया है और ट्रैफिक डायवर्जन भी लागू हैं। लोगों से भी सहयोग की अपेक्षा है। सड़क किनारे वाहन न खड़ा करें और पेड पार्किंग का उपयोग करें। हमारी टीमें लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं और जरूरत के अनुसार व्यवस्था में और सुधार किए जाएंगे।

सुमित मेहरड़ा डीसीपी ट्रैफिक, जयपुर

व्यापारियों ने स्पेशल पुलिस कमिश्नर से की ट्रैफिक सुधार की मांग

जयपुर व्यापार महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही स्पेशल पुलिस कमिश्नर राहुल प्रकाश से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा की। बैठक में अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर चर्चा हुई। व्यापारियों ने ई-रिक्शा की संख्या निर्धारित करने की बात कही। महामंत्री सुरेश सैनी ने बताया कि बाजारों में अवैध हटवाड़ा लगने से यातायात बाधित होता है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ने व्यापारियों को समस्याओं का जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। इसके अलावा साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार, जयपुर व्यापार महासंघ आईटी चेयरपर्सन निशिता सुरोलिया, जयपुर व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुभाष गोयल, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल कल जयपुर में

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में करेंगे मार्गदर्शन

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके भाजपा प्रदेश कार्यालय में 18 नवंबर को आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ करेंगे। प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने बताया कि बंसल सरदार 150 यूनिटी मार्च पदयात्रा संबंधी सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। गोठवाल ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से सरदार पटेल जयंती पर देशभर में चार प्रवाह गंगा, यमुना, नर्मदा और गोदावरी निकाली जाएंगी। 22 नवंबर को गंगा प्रवाह नई दिल्ली से शुरू होगी, जबकि 26 नवंबर को यमुना प्रवाह जयपुर से रवाना होगी, जो पुष्कर, जैतारण, जोधपुर, पाली, माउंट आबू होते हुए गुजरात के केवड़िया पहुंचेगी। दो दिवसीय पैदल मार्च के बाद इसका समापन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर होगा।

राजस्थान की सांस्कृतिक धड़कन बनकर उभरता घूमर महोत्सव

कार्यक्रम के लिए 4521 से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण, 500 आवेदन ऑफलाइन

19 नवम्बर को सात संभागों में एक साथ होगा आयोजन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान की लोक-संस्कृति की पहचान घूमर नृत्य अब नए आयाम गढ़ने जा रहा है। राज्य सरकार की मंशा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की पहल पर इस वर्ष पहली बार भव्य घूमर फेस्टिवल-2025 का आयोजन 19 नवंबर को प्रदेश के सातों संभागीय मुख्यालय जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर और भरतपुर में एक ही दिन, एक ही समय पर किया जाएगा। पर्यटन विभाग के अनुसार अब तक 4521 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं, जबकि 500 आवेदन ऑफलाइन प्राप्त हुए हैं, जो किसी भी लोकनृत्य आधारित कार्यक्रम के लिए अभूतपूर्व माना जा रहा है।

जोधपुर और जयपुर में सबसे अधिक गूंज

जिला-वार पंजीकरण में जोधपुर 1636 आवेदनों के साथ प्रदेश में शीर्ष पर रहा, जबकि जयपुर ने 1070 पंजीकरण के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। साथ ही अजमेर 557, भरतपुर 272, बीकानेर 635, कोटा 193, उदयपुर 158 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। आंकड़े बताते हैं कि घूमर के प्रति आकर्षण अब सिर्फ मारवाड़ या मेवाड़ तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान के जन-जीवन में गहराई तक रचा-बसा है।

युवा उमंग ने बढ़ाई चमक

आयु वर्ग के विश्लेषण में 18-25 वर्ष समूह सबसे आगे रहा, जिसमें 575 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। इसके बाद 26-35 आयु वर्ग में 769 प्रतिभागी दर्ज हुए। 50 से अधिक आयु के प्रतिभागियों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही, जिसने इस आयोजन को इंटर-जनरेशनल फेस्टिवल का स्वरूप दिया है, जहां परंपरा और नवपीढ़ी साथ कदमताल करती दिख रही है।

पंजीकरण के बढ़ते आंकड़ों ने इस बार पुरस्कार राशि पर भी सीधा असर डाला है। महोत्सव में पुरस्कार राशि दो श्रेणियों में तय की गई है। सबसे अधिक पंजीकरण जोधपुर (1,636) और जयपुर (1,070) में दर्ज हुए हैं। 1500 पंजीकरण श्रेणी में आने के कारण इन दोनों संभागों को उच्च प्राइज मनी प्रदान की जाएगी। अन्य संभागों–बीकानेर (635), अजमेर (557), भरतपुर (272), कोटा (193) और उदयपुर (158) में मानक राशि लागू होगी।

जयपुर नगर निगमों में स्टैंडिंग काउंसिल बदले, पूर्व नियुक्तियां निरस्त

निदेशालय स्थानीय निकाय ने जारी किया आदेश : हाईकोर्ट व सिविल कोर्ट के लिए नई पैनल सूची घोषित

महानगर टाइम्स संवददाता

जयपुर। राजस्थान सरकार के निदेशालय स्थानीय निकाय विभाग ने नगर निगम जयपुर हेरिटेज और ग्रेटर में नियुक्त सभी स्टैंडिंग काउंसिल और पैनल अधिवक्ताओं की पूर्व नियुक्ति निरस्त कर दी है।

विभाग की ओर से जारी आदेश में हाईकोर्ट तथा सिविल कोर्ट में नगर निगम की पैरवी के लिए नए अधिवक्ताओं की सूची जारी की गई है। आदेश के अनुसार, नगर निगम जयपुर के लिए उच्च न्यायालय में नियुक्ति के लिए छह अधिवक्ताओं को स्टैंडिंग काउंसिल बनाया गया है। वहीं सिविल न्यायालय में नगर निगम की ओर से पैरवी करने के लिए सात अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पूर्व में की गई सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से समाप्त मानी जाएंगी और नई सूची के अधिवक्ता ही नगर निगम जयपुर हेरिटेज तथा ग्रेटर की ओर से न्यायालयों में पैरवी करेंगे।

घूमंतु जाति उत्थान न्यास के बाल संस्कार केंद्र का शुभारम्भ

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। घूमंतु जाति उत्थान न्यास सांगानेर महानगर के तत्वावधान में बी-2 बाईपास सांगानेर स्थित घूमंतु बस्ती में रविवार को बाल संस्कार केंद्र का शुभारम्भ किया गया। बाल संस्कार केंद्र संयोजक बिजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि भारत माता के पूजन, गायत्री महामंत्र व विद्यारम्भ संस्कार के साथ बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण कर बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया गया। विद्यारम्भ संस्कार रेणु भट्ट ने सम्पन्न कराया। शर्मा ने बताया कि सांगानेर महानगर का यह छठा बाल संस्कार केंद्र प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर समाज सेवियों के सहयोग से बालक-बालिकाओं को स्वेटर वितरित भी किए गए। कार्यक्रम में नगरपालिका करौली के पूर्व सभापति राजाराम गुर्जर ने घूमंतु समुदाय के बच्चों व लोगों के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। प्रांत संयोजक महेन्द्र सिंह राजावत ने घूमंतु जाति के गौरवशाली इतिहास की परम्परा व उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर विभाग संघचालक डॉ. रामकरण, सह विभाग संघ दुष्ट दमन सिंह, महानगर संयोजक महेश नोगिया, नगर संयोजक अनिल शर्मा सहित बस्तीवासी उपस्थित रहे।

दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। अखिल भारतीय नाटाणी परिवार समिति द्वारा रविवार को गंगा माता मंदिर स्टेशन रोड पर दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल नाटाणी ने बताया कि इस अवसर पर खंडेलवाल वैश्य समाज की कुलदेवी गंगा माता तथा नाटाणी परिवार की कुलदेवी जीण माता का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके बाद अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाकर समाज के सदस्यों ने देवी स्वरूपों का आशीर्वाद लिया। राष्ट्रीय महामंत्री गोविंद नाटाणी ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा सुरक्षित यातायात के लिए शपथ भी दिलाई गई। यह शपथ अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश तुंगा वाले ने दिलाई। समिति ने इसे सामाजिक जागरूकता से जोड़ते हुए विशेष पहल बताया। कार्यक्रम में जयपुर शहर के जनप्रतिनिधियों, समाज के वरिष्ठजनों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शिरकत की। समिति संयोजक रामगोपाल नाटाणी, उपाध्यक्ष मुरारीलाल नाटाणी, संयुक्त मंत्री कपिल नाटाणी और कोषाध्यक्ष अंकित नाटाणी ने आगंतुकों का स्वागत किया।

धाकड़ समाज समिति की नई कार्यकारिणी ने शपथ ली, शिक्षा एवं संगठन को दी प्राथमिकता

छात्रावास निर्माण इसी कार्यकाल में होगा पूरा: नागर

महानगर संवाददाता

जयपुर। श्री धाकड़ समाज समिति, जयपुर की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह रविवार को प्रताप नगर स्थित कुंभा मार्ग पर आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर रहे। अध्यक्षता श्री धाकड़ महासभा (भारतवर्ष)के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व संसदीय सचिव नरेन्द्र नागर ने की। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष बच्चूसिंह धाकड़, कोषाध्यक्ष शनिदेव धाकड़ सहित अन्य पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता, शिक्षा और विकास को नई दिशा देने का संकल्प लिया। इस मौके पर 11 सदस्यीय गठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

समाज की वर्षों पुरानी मांग जयपुर में धाकड़ समाज छात्रावास को लेकर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मंच से महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि छात्रावास निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और सरकार इसे पूर्ण गंभीरता के साथ आगे बढ़ा रही है। नागर ने कहा कि धाकड़ समाज का छात्रावास इसी कार्यकाल में पूरा कर दिया जाएगा। यह सुविधा ग्रामीण और दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए बड़ा सहारा बनेगी और उनके शिक्षा के अवसरों को व्यापक करेगी।

उन्होंने युवाओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और तकनीकी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा कहा कि समाज के संगठित प्रयास से युवाओं को नई दिशा और नए अवसर मिलेंगे।

एकजुट रहेंगे तो कोई लक्ष्य कठिन नहीं: नागर

समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र नागर ने समाज की एकता को सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के भरतपुर, हाड़ौती, चित्तौड़गढ़ सहित कई जिलों में धाकड़ समाज की संख्या अधिक है, लेकिन विभाजन और असंगठितता प्रगति में बाधक बनते हैं।

उन्होंने कहा कि जब समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं। शिक्षा, सेवा और सहयोग हमारी वास्तविक ताकत हैं। उन्होंने नई कार्यकारिणी को पारदर्शिता और निष्ठा से काम करने की प्रेरणा दी।

छात्रावास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: बच्चू सिंह

पदभार ग्रहण करते हुए अध्यक्ष बच्चू सिंह धाकड़ ने कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाज के प्रति एक गंभीर जिम्मेदारी भी है। उन्होंने घोषणा की कि जयपुर में धाकड़ समाज का छात्रावास निर्माण उनकी पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि हम शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए सरकार, जेडीए और संबंधित विभागों के साथ औपचारिक प्रक्रिया शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही जयपुर के धाकड़ समाज का आपके क्षेत्रों में वोट नहीं है, लेकिन आज से पूरा जयपुर समाज आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। जहां आप समाज और राजनीति में आगे बढ़ेंगे, वहां जयपुर के धाकड़ आपकी ताकत और आपकी आवाज बनकर साथ चलेंगे।

युवाओं को सक्रिय भूमिका की आवश्यकता

समिति के पूर्व अध्यक्ष महेश धाकड़ ने कहा कि समाज की तरक्की आपसी विश्वास और सहयोग से ही संभव है। उन्होंने युवाओं से समाज की समस्याओं को समझकर समाधान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने अपने कार्यकाल का पूरा लेखा-जोखा पूरे समाज के सामने रखा।

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।
Facebook YouTube X

अधिकारी पर लगाया परेशान करने और सस्पेंड करने की धमकी का आरोप

ट्रेन के आगे छलांग लगाकर बीएलओ ने किया सुसाइड

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर में बीएलओ ने अधिकारी से परेशान होकर ट्रेन के आगे छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची बिंदायका थाना पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। जिसमें अधिकारी द्वारा काम का दबाव बनाकर परेशान करने और सस्पेंड करने की धमकी का आरोप लगाया गया। बिंदायका थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मामला बिंदायका फाटक के पास रविवार सुबह 4.30 से 5 बजे के बीच का है। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, कालवाड़ के धर्मपुरा निवासी मुकेश कुमार जांगिड़ ने आत्महत्या की है। वह राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल नारीकाबास में टीचर के पद पर कार्यरत थे। इसके साथ ही झोटवाड़ा विधानसभा के धर्मपुरा भाग संख्या-175 में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पद पर भी तैनात थे।

दरअसल, रविवार सुबह करीब 4:30 बजे मुकेश कुमार घर से बाइक लेकर निकले थे। बाइक को बिंदायका फाटक के पास खड़ी कर रेलवे ट्रैक पर चले गए। इस दौरान उन्होंने ट्रेन को आते देखकर उसके सामने छलांग लगा दी। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

एसआईआर योजना के कार्यों से हो चुके थे परेशान

पुलिस ने जब मृतक की जेब को टटोला तो उसमें सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट में लिखा था कि राज्य सरकार की एसआईआर योजना के चलते उसके कार्यों से परेशान हो चुका हूं। एसआईआर इंचार्ज सीताराम बुनकर पर आरोप लगाए है। आरोप में कहा कि इंचार्ज लगातार काम का दबाव बना रहा था और सस्पेंड करने की धमकी दे रहा था।

सरकारी टीचर के पास बीएलओ का भी था कार्यभार

मृतक मुकेश के छोटे भाई गजानंद ने बताया कि मुकेश के दो बेटी और एक बेटा है। भाई मुकेश बीएलओ ड्यूटी के चलते हर रोज घर से सुबह 4:30 बजे ही निकल जाते थे। उनके पास भंभौरी और शिम्भुपुरा बीएलओ का कार्यभार था। रविवार सुबह करीब 5:10 बजे पुलिसवालों ने फोन करके मुकेश के एक्सीडेंट होने की सूचना दी। बिंदायका फाटक पहुंचने पर मुकेश की लाश पड़ी मिली। तलाशी के दौरान मुकेश की एक जेब में चाबियां, 500 रुपए का नोट और तीन-चार पर्चियां मिली थी।

जयपुर में डंपर ने कार को मारी टक्कर, बाल-बाल बचा परिवार

जयपुर। जयपुर के सोडाला इलाके में शनिवार रात एक डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार परिवार बाल-बाल बच गया। डंपर के साइड दबने से एक साइड से कार डेमेज हो गई। एक्सीडेंट थाना (साउथ) पुलिस ने डम्पर को अपनी निगरानी में खड़ा करवाया है। एक्सीडेंट थाना (साउथ) के हेड कांस्टेबल हरिनारायण ने बताया कि सोडाला चौराहे पर रात करीब 11:15 बजे हादसा हुआ था। सिविल लाइन का रहने वाला एक परिवार वैशाली नगर अपने परिचित से मिलने गया था। रात को परिवार के मेंबर कार में बैठकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य में लगा डम्पर डस्टर भरकर सोडाला की ओर जा रहा था। सोडाला चौराहे के पास साइड दबने के चलते डंपर ने कार को टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर से कार का एक साइड पूरी तरह से डेमेज हो गई। हादसे में कार में सवार परिवार मेंबर बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। एक्सीडेंट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डंपर को अपनी निगरानी में खड़ा करवाया। पुलिस ने करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद ब्लॉक हुए ट्रैफिक को चालू करवाया। पुलिस का कहना है कि लोगों ने अफवाह फैलाई कि डंपर ने एक कार को टक्कर मार दी। उसके बाद 20 मीटर तक अपने साथ घसीटते हुए ले गया। हादसे में किसी के भी चोट नहीं आई है।

हाईवे पर चलती कार में लगी आग, चालक जिंदा जला

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़-उदयपुर हाईवे पर रविवार की रात चलती ईको गाड़ी में भीषण आग लग गई। इससे गाड़ी ड्राइव कर रहा ठेकेदार जिंदा जल गया। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने कंट्रोल रूप को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक उसमें बैठा व्यक्ति जिंदा जल चुका था।

घर से कर रहा था मादक पदार्थों की बिक्री, 10 लाख की ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

फतेहपुर (सीकर)। जिले की फतेहपुर कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने घर से ही मादक पदार्थों की बिक्री करने वाले आरोपी को धर-दबोचा है। आरोपी के घर से करीब 10 लाख का मादक पदार्थ भी जब्त किया गया है। मादक पदार्थों में गांजा, अफीम और डोडा पोस्त शामिल है। अवैध नशे का कारोबार करने वाले आरोपी को माल सहित गिरफ्तार किया गया है।

कोतवाल महेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि सूचना मिली थी कि कस्बे में एक व्यक्ति द्वारा अपने घर से अवैध मादक पदार्थों की बिक्री की जा रही है। जिस पर कार्रवाई करते हुए टीम का गठन किया गया। सूचना सही पाये जाने पर दबिश दी गई। जिसमें फतेहपुर के वार्ड नंबर 52 के लक्ष्मीनाथनगर निवासी सुरेश माटोलिया पुत्र भंवरलाल माटोलिया को मकान से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 11.550 किलोग्राम गांजा, 1.013 किलोग्राम अफीम व 39.320 किलोग्राम डोडा पोस्त जब्त किया गया। कोतवाल महेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि मुलजिम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी से यह भी पूछताछ की जा रही है उक्त मादक पदार्थ वह कहां से खरीद रहा था। उसके अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी ली जा रही है।

पारिवारिक विवाद बना हत्या का कारण

धारदार हथियार से चचेरे भाई का रेता गला, युवक की मौके पर ही मौत

महानगर टाइम्स संवाददाता

अजमेर। अजमेर जिले के किशनगढ़ के बांदरसिंदरी क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई एक बर्बर घटना ने पूरे गांव को दहशत और सदमे में डाल दिया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ पारिवारिक विवाद इतना भड़क गया कि दो चचेरे भाइयों के बीच चल रहा तनाव आखिरकार खूनी रूप ले बैठा। आरोप है कि इसी आवेश में आकर एक युवक ने अपने ही चचेरे भाई की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजपाल मीणा पुत्र भागचंद मीणा निवासी बांदरसिंदरी के रूप में हुई है। राजपाल खेती-किसानी करता था और अपने परिवार का मुख्य सहारा था। बताया जा रहा है कि काफी समय से राजपाल और उसके चचेरे भाइयों के बीच जमीन और पारिवारिक विवाद चला आ रहा था। यह विवाद सिर्फ भाइयों तक सीमित नहीं था, बल्कि दोनों पक्षों की महिलाएं 'जो आपस में बहनें हैं' भी इसी तनाव का हिस्सा थीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि शनिवार रात घर के भीतर ही दोनों भाइयों के बीच चर्चा तीखी तकरार में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान आरोपी रामवतार मीणा, जो मृतक का चचेरा भाई है, आपा खो बैठा और रसोई से धारदार हथियार लेकर राजपाल पर हमला कर दिया।

उसने सबसे घातक वार राजपाल की गर्दन पर किया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और परिवार के सदस्य दौड़े, लेकिन तब तक स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। परिजनों ने तुरंत किशनगढ़ के राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद राजपाल को मृत घोषित कर दिया।

तनाव के बीच पुलिस बल तैनात

राजपाल मीणा की मौत से उसके परिवार में गहरा शोक छा गया है। मृतक के परिवार में उसकी डेढ़ साल की बेटी, दो भाई और एक बहन हैं। इस अचानक हुई घटना से पूरा परिवार सदमे में है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह घटना पारिवारिक विवाद का परिणाम प्रतीत होती है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त गश्त बढ़ा दी है। एचएचओ ने बताया कि करीब साल भर पहले जमीन को लेकर भी झगड़ा हुआ था लेकिन आरोपी व मृतक के मामा ने समझा बूझकर मामला शांत करवा दिया था।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही थानाप्रभारी दयाराम चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। आरोपी रामअवतार मीणा को गिरफ्तार कर लिया गया।

जैसलमेर से पाकिस्तान जाने की फिराक में था

बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पकड़ा संदिग्ध युवक

महानगर टाइम्स संवाददाता

जैसलमेर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार-बीएसएफ की 38वीं बटालियन की पेट्रोलिंग टीम ने 192 आरडी नहरी क्षेत्र के पास घूम रहे एक युवक को संदिग्ध हरकतों के चलते रोका और पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि पकड़ा गया युवक पाकिस्तान जाने की फिराक में था, जिसकी पहचान पंकज कश्यप, निवासी शाजापुर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। हालांकि बीएसएफ ने उसे आगे की कार्रवाई के लिए पीटीएम थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध युवक की सोमवार को जेआईसी में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा विस्तृत पूछताछ की जाएगी। इलाके की संवेदनशीलता को देखते हुए विभिन्न खुफिया और सुरक्षा

एजेंसियां भी इस पूछताछ में शामिल होंगी।

सरहद पर सीमा सुरक्षा बल मुस्तैद

जैसलमेर जैसी संवेदनशील सीमा पर इस तरह के मामलों को लेकर सुरक्षा बलों ने गश्त और भी बढ़ा दी है। सीमा क्षेत्र में किसी भी अज्ञात व्यक्ति की आवाजाही पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ जवान हर समय सतर्क हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को लेकर तुरंत कार्रवाई करने में सक्षम हैं।

अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़

युवाओं को म्यांमार में साइबर ठगों के हवाले करने वाला एजेंट गिरफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

झुंझुनूं। कोतवाली पुलिस ने एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसने बैंकॉक में अच्छी सैलरी वाली नौकरी का लालच देकर एक स्थानीय युवक को म्यांमार के जंगलों में चल रहे साइबर अपराध सिंडिकेट के हवाले कर दिया। कोतवाली पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी महेश कुमार को गिरफ्तार किया है, जो स्वयं आठवीं कक्षा पास है और टैंपो चलाता है।

पुलिस थाना कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित युवक का संपर्क लगभग 3 माह पहले आरोपी महेश कुमार पुत्र ग्यारसीलाल मेघवाल, निवासी मण्ड्रेला रोड झुंझुनूं से हुआ था। महेश ने उसे थाईलैंड में प्रति माह 80,000 रुपए वेतन वाली आकर्षक नौकरी दिलाने का वादा किया। इस 'डील' के तहत, पीड़ित ने आरोपी महेश कुमार को 30,000 गूगल-पे और 1,70,000 नकद, कुल 2 लाख की राशि दी।

आरोपी ने युवक को थाईलैंड भेज दिया, जहां महेश के एजेंटों ने उसे रिसीव किया। चौंकाने वाली बात यह है कि एजेंटों ने युवक को थाईलैंड में नौकरी दिलाने के बजाय, उसे जंगलों के रास्ते से अवैध रूप से म्यांमार पहुंचा दिया। म्यांमार में पहाड़ों के बीच युवक को बंधक बनाया गया। वहां कई अन्य देशों के लड़के भी थे। पीड़ित को अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी (ऑनलाइन स्कैम) करने के लिए मजबूर किया गया। उन्हें रोज़ाना तीन लोगों को ठगने का लक्ष्य दिया जाता था। ठगी का टारगेट पूरा न कर पाने पर महेश के एजेंटों द्वारा उनके साथ मारपीट और प्रताड़ना की जाती थी। उन्हें इस काम के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया।

साहसिक पलायन और गिरफ्तारी

कुछ समय बाद, बंधक बनाने वाले मौका पाकर उन्हें छोड़कर भाग गए। इस अवसर का लाभ उठाकर पीड़ित युवक म्यांमार से भागकर थाईलैंड आर्मी के पास पहुंचने में सफल रहा। थाईलैंड आर्मी की मदद से उसे सुरक्षित भारत वापस भेजा गया। भारत लौटने पर पीड़ित ने तुरंत महेश कुमार और उसके एजेंटों के खिलाफ 2 लाख की धोखाधड़ी और विदेश में बंधक बनाकर साइबर अपराध में धकेलने की गंभीर धाराओं के तहत पुलिस थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी गोपाल सिंह ढाका के मार्गदर्शन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार नील के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने आरोपी महेश कुमार पुत्र ग्यारसीलाल मेघवाल, निवासी वार्ड नंबर 54 मण्ड्रेला रोड, गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी महेश कुमार मात्र आठवीं कक्षा तक पढ़ा है और टैंपो चलाता है।

सड़क किनारे खेल रहे बच्चे को स्कॉर्पियो ने कुचला, मौत

जोधपुर(महानगर टाइम्स संवाददाता)। शहर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे खेल रहे बच्चे को कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्कार्पियो चालक गाड़ी को भगा कर ले गया। गाड़ी के नंबर प्लेट भी हटा दिए, लेकिन पुलिस की नाकाबंदी में वह पकड़ा गया। पुलिस ने सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। आरोपी चालक पुलिस हिरासत में है। बच्चे का शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। कुड़ी भगतासनी थाना अधिकारी हमीर सिंह भाटी ने बताया कि रविवार सुबह केके कॉलोनी में रहने वाले मूलतः बिहार के बक्सर निवासी लालू कुमार का 3 वर्षीय बेटा प्रिंस सड़क पर खेल रहा था। इस दौरान वहां से निकल रही स्कॉर्पियो के नीचे आ गया। स्कॉर्पियो उसके ऊपर से निकलने से उसकी मौत हो गई। उसके शव को एम्स भेजा गया। परिजनों के आग्रह पर बिना पोस्टमार्टम के शव दे दिया गया।

नम्बर प्लेट हटाई, नाकाबंदी में पकड़ा

घटना के समय स्कॉर्पियो में तीन लोग सवार थे। घटना का पता चलने के बाद चालक ने अपनी गाड़ी की नंबर प्लेट, जो जयपुर जिले की थी, उसे हटा दिया। लेकिन पुलिस को जबतक घटना का सीसीटीवी मिल गया। जिसके आधार पर नाकाबंदी में सामने आई बिना नंबर प्लेट की गाड़ी को रुकवाया गया।

दादा की शिकायत पर मामला दर्ज

मां ने 9 महीने की मासूम की गला घोंटकर हत्या

महानगर टाइम्स संवाददाता

अलवर। खैरथल-तिजारा जिले के किशनगढ़बास थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी 9 महीने की मासूम बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बच्ची के दादा की रिपोर्ट पर आरोपी मां के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। किशनगढ़बास थाना के एसएचओ जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार रात करीब 9:30 बजे सूचना मिली कि मूसाखेड़ा गांव में 9 महीने की बालिका की संदिग्ध

हालत में मौत हो गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बच्ची को किशनगढ़बास सीएचसी ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मूसाखेड़ा निवासी आजाद खान ने अपनी पुत्रवधू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि रात करीब 9:30 बजे अपने बेटे के कमरे से संदिग्ध आवाजें सुनकर दरवाजा खोला। वहां देखा कि उनकी बहू अपनी बेटी का गला दबा रही थी। आजाद खान ने तुरंत बच्ची को छुड़ाया और सांस देकर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक मासूम की मौत हो चुकी थी। घटना का पता चलते ही महिला के पीहर वाले मौके पर पहुंचे। शव ले जाने को लेकर ससुराल और पीहर पक्ष में विवाद हो गया। दोनों पक्ष शव साथ ले जाने पर अड़ गए। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले जाकर समझाइश की। अंत में एसएचओ ने शव दादा आजाद खान को सौंप दिया।

दो पक्षों में भूमि विवाद को लेकर हिंसक झड़प

पुलिस पर लाठी-सरियों से हमला, चार घायल

महानगर टाइम्स संवाददाता

बूंदी। हिंडौली उपखंड क्षेत्र के बड़ा नया गांव में रविवार को दो समुदायों के बीच चल रहे पुराने भूमि विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। हालात इतने बिगड़ गए कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम भी ग्रामीणों के गुस्से की शिकार बन गई। बताया जा रहा है कि हमला इतना अचानक और उग्र था कि कई पुलिसकर्मी लाठी-सरियों के वार से जान बचाने के लिए खेतों की ओर भागने को मजबूर हो गए।

थाना प्रभारी सहदेव सिंह मीणा ने बताया कि हमला इतनी तेजी से हुआ कि पुलिसकर्मियों को बचने का मौका तक नहीं मिला। पुलिस टीम स्थिति को शांत कराने

पहुंची थी, लेकिन अचानक भीड़ पुलिस पर ही टूट पड़ी। कुछ जवान जान बचाने के लिए भागे, नहीं तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। हमले के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर हमलावरों की तलाश की जा रही है। डीएसपी ने बताया कि कई संदिग्धों को चिन्हित कर लिया गया है और जल्द गिरफ्तारी की कार्रवाई होने की संभावना है। पुलिस स्वयं पर हुए हमले को लेकर भी मुकदमा दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही हिंडोली पुलिस उपाधीक्षक अजीत मेघवंशी और थाना प्रभारी सहदेव सिंह मीणा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। डीएसपी मेघवंशी ने प्रारंभिक जांच के बाद बताया कि मामला स्पष्ट रूप से भूमि विवाद का है और पुलिस सिर्फ दोनों पक्षों में बढ़ते तनाव को शांत कराने गई थी, लेकिन भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और पुलिस दल पर टूट पड़ी। थाना प्रभारी सहदेव मीणा ने बताया कि इस हमले में तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें एएसआई मणिराज, कांस्टेबल किशन, धर्मराज और चालक दिनेश शामिल हैं। सभी घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल हिंडोली अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़

डीएसपी अजीत मेघवंशी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन का विवाद पिछले कई महीनों से गहराता जा रहा था और कई बार ग्राम स्तर पर समझाइश के प्रयास भी किए गए थे। लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पाई। रविवार को दोनों समुदायों का आमना-सामना हुआ और बात मारपीट तक पहुंच गई, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। हमला इतना तीव्र था कि पलों में माहौल नियंत्रण से बाहर हो गया। हमलावर हाथों में लाठियां, सरिए और अन्य हथियार लिए हुए थे। उन्होंने न केवल पुलिस पर लाठी-सरियों से वार किए, बल्कि पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़ की।

कुआं वाले बालाजी मंदिर का 15वां वार्षिक उत्सव मनाया

संगीतमय सुंदरकांड पाठ, महाआरती के हुए आयोजन

नवलगढ़/मुकुंदगढ़ (महानगर टाइम्स संवाददाता)। भींचरी रोड स्थित कुआंवाले बालाजी मंदिर का 15वें वार्षिक उत्सव पर रविवार शाम भक्तों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। शाम को महाआरती की गई। रात्रि को अनेक भजन कलाकारों एवं भक्तों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर बाबा को रिझाया। सोमवार सुबह बाबा के वार्षिक उत्सव पर बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद लगाकर महाआरती की जाएगी तथा भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। जन्मोत्सव पर मंदिर को सतरंगी रोशनी व फूलों से सजाया गया। इस मौके पर श्यामसुंदर टीबड़ेवाला, पानादेवी, राजेश, संगीता, अमित, पारुल, मुकुंद, सिद्धार्थ, कृष टीबड़ेवाला, रामस्वरूप, संजय, पंकज, सुरेश, गौतम आशु, चिराग, महेंद्र, गिरधारी, हेमंत सैनी आदि भक्त एवं कार्यकर्ता तथा धर्म प्रेमी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता एवं नशा मुक्ति का संदेश लेकर बाड़मेर पहुंची बीएसएफ की मोटरसाइकिल रैली

जय हिंद के नारों से किया राइडर्स का उत्साहवर्धन

महानगर टाइम्स संवाददाता

बाड़मेर। राष्ट्रीय एकता एवं नशा मुक्ति का संदेश लेकर जम्मू से रवाना हुई बीएसएफ की मोटरसाइकिल रैली रविवार को बाड़मेर पहुंची। बीएसएफ बाड़मेर सेक्टर मुख्यालय उप महानिरीक्षक कृष्णमोहन प्रसाद ने ध्वजारोहण कर रैली का स्वागत किया। स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों एवं बीएसएफ जवानों ने तालियों की गड़गड़ाहट और जय हिंद के नारों से राइडर्स का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर बीएसएफ बाड़मेर सेक्टर मुख्यालय उप महानिरीक्षक कृष्णमोहन प्रसाद ने कहा कि बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित मोटर साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाना और युवाओं को सीमा सुरक्षा बल में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ न केवल सीमाओं की रक्षा करता है, बल्कि राष्ट्र की एकता और युवा शक्ति को प्रेरित करने का कार्य भी करता है। उन्होंने राइडर्स का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दी। मोटरसाइकिल रैली में बीएसएफ की 60 राइडर्स की टीम में चार महिला राइडर्स भी शामिल हैं। रैली 19 नवंबर को भुज पहुंचेगी। जम्मू से 9 नवंबर को रवाना हुई यह रैली अब तक 1,165 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है। रैली का नेतृत्व सहायक कमांडेंट सागर पाटिल कर रहे हैं, जबकि उप कमांडेंट भुवन सिंह इसका समग्र पर्यवेक्षण कर रहे हैं। अब तक 60 राइडर्स की यह टीम पंजाब के गुरदासपुर, फिरोजपुर और राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर, पोकरण होते हुए बाड़मेर पहुंची है। बाड़मेर में आयोजित समारोह के दौरान बीएसएफ की गौरवशाली यात्रा पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। बच्चों ने राइडर्स से सीधा संवाद किया और उनकी साहस गाथाएं सुनीं। कार्यक्रम में सेवानिवृत कमांडेंट जोरसिंह, बाड़मेर के गणमान्य नागरिक, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और सैकड़ों सीमा प्रहरी उपस्थित रहे। बीएसएफ गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महिला सशक्तीकरण का जीवंत प्रतीक

रैली में शामिल महिला राइडर्स बीएसएफ की प्रसिद्ध सीमा भवानी मोटरसाइकिल टीम की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं। 2016 में गठित यह महिला डेयरडेविल टीम दिसंबर 2022 में सात लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी है। इन बहादुर महिलाओं की उपस्थिति न केवल सीमा पर ड्यूटी, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी उनकी समर्पित भूमिका को रेखांकित करती है। वहीं 1988 से सक्रिय पुरुष राइडर्स जांबाज टीम के सदस्य शामिल हैं, जिसके नाम 36 सवारों का मानव पिरामिड और 12 फीट 9 इंच ऊंची सीढ़ी पर दो सवारों की सबसे लंबी सवारी का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

आज बाड़मेर से करेगी प्रस्थान

मोटर साइकिल रैली 17 नवंबर को बाड़मेर से चोहटन, धनाउ, बाखासर, मावसरी, चंदनगढ़, लोधरानी, भरदावे मार्ग से गुजरते हुए सुईगाम (गुजरात) के लिए प्रस्थान करेगी। यह रैली 11 दिनों में 1727 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर 19 नवंबर को भुज गुजरात में संपन्न होगी। उल्लेखनीय है कि सीमा सुरक्षा बल, विश्व का सबसे बड़ा सीमा रक्षक बल है, जो पाकिस्तान और बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा कर रहा है। यह बल 1 दिसंबर को राष्ट्र की सेवा मे अपने विशिष्ट और गौरवशाली 60 वर्ष पूरे करेगा।

राष्ट्रपति नई दिल्ली में प्रथम जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार प्रदान करेंगी: वर्षा जल संग्रहण और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बाड़मेर जिले का होगा सम्मान

बाड़मेर जिले में 'कैच द रेन' के तहत वृहद स्तर पर हुआ टांका निर्माण

महानगर टाइम्स संवाददाता

बाड़मेर। 'कैच द रेन' के तहत वर्षा जल संग्रहण और जन भागीदारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बाड़मेर जिले को प्रथम जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत बाड़मेर जिले को 2 करोड़ रुपए की राशि पुरस्कार के बतौर प्रदान की जाएगी। बाड़मेर जिला कलेक्टर टीना डाबी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार प्राप्त करेंगी।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2025 के तहत प्रथम जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पुरस्कार से बाड़मेर जिले को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 18 नवंबर को प्रदान करेंगी। यह जल शक्ति अभियान 'वर्षा जल संचयन' (कैच द रेन) के तहत जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) के अंतर्गत प्रमुख समुदाय-संचालित कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि बाड़मेर जिले में बारिश के पानी को सहेजने के लिए वृहद स्तर पर टांकों का निर्माण कराया गया है। अब तक बारिश का पानी व्यर्थ बह जाता था। बाड़मेर जिले इस अभिनव पहल से स्थानीय लोगों को 3-4 माह के लिए बारिश का मीठा पानी उपलब्ध होने लगा है। इस अभिनव पहल के तहत जल संचयन और जन भागीदारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रथम श्रेणी में चयनित बाड़मेर जिले को 2 करोड़ रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

महायज्ञ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पूर्णाहुति व भंडारा आज

60 हजार लोग ग्रहण करेंगे भोजन प्रसादी

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीमाधोपुर। कस्बे की ग्राम पंचायत आसपुरा स्थित रामदास महाराज की धूणी धाम पर गोपालदास महाराज के सान्निध्य में चल रहे नव दिवसीय 108 कुंडात्मक श्री गोपाल महायज्ञ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

यज्ञ संयोजक हरिदास महाराज ने बताया कि रविवार को 30 हजार से अधिक लोगों ने यज्ञ भगवान के दर्शन कर परिक्रमा की। यज्ञाचार्य चिरंजीव शास्त्री ने बताया कि 108 कुंडों पर 251 यजमानों ने अब तक कुल 49 हजार आहुतियां प्रदान की है। महायज्ञ की पूर्णाहुति सोमवार दोपहर 12.15 बजे होगी। इसके बाद ब्राह्मण व संत महात्माओं को दक्षिणा देकर विदा किया जाएगा।

1000 से अधिक संत महात्माओं ने शिरकत की

महायज्ञ में दो दिन से संत महात्माओं का आगमन का दौर जारी रहा। शनिवार को सातों मंडलों के एक हजार से अधिक संत महात्माओं ने शिरकत की। वहीं रविवार को दाऊ धाम टोडा के बलदेव दास, जीनमाता मंदिर के पुजारी घनश्याम दास, त्रिवेणी धाम के संत रामचरणदास महाराज, गुजरात के डाकोर धाम से श्रीनिवासदास महाराज, ओमकारदास महाराज सहित एक हजार से अधिक संत महात्माओं ने यज्ञ के दर्शन किए। हरिदास महाराज, महरौली के संत शत्रुघ्न दास, किशनदास दिवराला, नांगल अस्लत धाम के महाराज सेढूदास महाराज ने संत महात्माओं का शॉल, दुपट्टा व विदाई देकर सम्मान किया। प्रकाश गुर्जर एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। रविवार को जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्रसिंह ने शिरकत की। खंडेला विधायक सुभाष मील व बलराम यादव अजीतगढ़, नरेश भिंडा श्रीमाधोपुर ने कुंड पर आहुतियां दी।

सीसीटीवी कैमरे व पुलिस जाब्ते से निगरानी

महायज्ञ में सोमवार को पूर्णाहुति के बाद 60 हजार लोगों के भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। हरिदास महाराज ने बताया कि भंडारे के लिए पांच अतिरिक्त पांडाल लगाए गए हैं। 100 हलवाइयों की टीम भोजन बनाने में जुटी है।

व्यवस्था के लिए 400 स्वयं सेवक अतिरिक्त तैनात किए गए हैं। चार जगह अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था की गई है, जिनकी बागडोर 40 लोगों की टीम संभाल रही है। संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था पर निगरानी के लिए 25 जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कानून व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा। पानी के 20 टैंकर की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। ड्रोन से पुष्प वर्षा की जाएगी।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर हुए आयोजन

गंगापुर सिटी में निकाली पदयात्रा, किया पौधरोपण

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व युवाओं तथा सामाजिक संगठनों ने निभाई सहभागिता

महानगर टाइम्स संवाददाता

सवाई माधोपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार माय भारत इनिशिएटिव के अंतर्गत तथा जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को अग्रवाल कॉलेज से ट्रक यूनियन, कैलाश टॉकीज, मेन मार्केट होते हुए पुरानी अनाज मंडी तक सरदारॠ150 यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया गया।

पदयात्रा को कार्यक्रम के राज्य संयोजक खण्डार विधायक जितेंद्र गोठवाल एवं जिला कलेक्टर कानाराम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पदयात्रा से पूर्व सभी युवा प्रतिभागियों को मेरा युवा भारत की टी शर्ट का वितरण किया। इसके बाद एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत अग्रवाल कॉलेज मैदान में पौधरोपण किया गया।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ पदयात्रा की शुरुआत हुई। इस पदयात्रा में प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भागीदारी निभाई। युवाओं ने जोश में भारत माता, सरदार पटेल एवं देशभक्ति के नारे लगाए। इस दौरान युवा भारत माता एवं सरदार पटेल के गणवेश में भी नजर आए।

इस अवसर पर गायत्री पब्लिक स्कूल की बालिकाओं ने गणपति बप्पा मोरिया एवं सरस्वती वंदना से अपनी प्रस्तुति दी। इसके पश्चात् क्रिएटिव पब्लिक, स्कूल विवेकानंद स्कूल की बालिकाओं ने देश भक्ति गीतों पर प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों में देशभक्ति भावनाओं से जोश भर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जितेंद्र गोठवाल ने भारत सरकार द्वारा 6 अक्टूबर से 6 दिसंबर तक चलाए जा रहे सरदारॠ150 कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सरदार पटेल द्वारा उनके जीवन में किए गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। गोठवाल ने सभी को आत्मनिर्भर भारत एवं जिला कलेक्टर ने नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने सभी को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना सहयोग देने का अनुरोध किया। सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा, उपखण्ड अधिकारी बृजेन्द्र मीना, उपखंड अधिकारी वजीरपुर सुधा रानी, जिला युवा अधिकारी हर्षित खंडेलवाल, प्रधान गंगापुर सिटी मंजू गुर्जर, प्रधान बामनवास शशिकला, प्रधान बौंली कृष्ण पोसवाल सहित अन्य जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सीकर में महिला संवर्ग संगोष्ठी शिक्षा में पंच परिवर्तन की गूंज

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय), जिला सीकर की पिपराली एवं सीकर नगर उपशाखा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को महिला संवर्ग संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किरण सैनी (प्रधानाचार्य, डाइट, सीकर) ने की। मुख्य वक्ता संतोष फोगावट ने ऐतिहासिक संदर्भों के आधार पर स्वतंत्रता सेनानी रानी अब्बक्का के अदम्य साहस और संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रानी अब्बक्का न सिर्फ एक वीरांगना थीं, बल्कि महिला सशक्तीकरण की अमर प्रतीक भी हैं। फोगावट ने वर्तमान समाज में महिलाओं की भूमिका, उनके सामने आने वाली चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों पर चर्चा करते हुए शिक्षिकाओं को नेतृत्व, आत्मविकास और सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। किरण सैनी ने पंच परिवर्तन की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए कहा कि शिक्षा प्रणाली में वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब शिक्षक स्वयं संवेदनशील, जागरूक और परिवर्तन के लिए तत्पर हों। उन्होंने महिला शिक्षकों को विद्यालयों और समाज में प्रेरक भूमिका निभाने का आह्वान किया। संचालन सीकर नगर महिला मंत्री मंजू जाट ने किया।

रामकथा में प्रभु श्री राम के बाल्यकाल का किया चित्रण

महानगर टाइम्स संवाददाता

नवलगढ़। मुकुंदगढ़ शहर में स्थित श्री ठड्डे वाले बालाजी मंदिर परिसर में चल रही रामकथा के चौथे दिन रविवार को प्रभु श्री राम के बाल्यकाल का चित्रण किया गया। कथा पंडाल में महिलाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। मंदिर पुजारी सुभाष शर्मा ने बताया कि कथा वाचक धर्मदास महाराज ने श्री राम कथा में प्रभु श्री राम की बाल्य लीलाओं को अमृतमय वाणी में सुनाया, जिसमें विश्वामित्र का अयोध्या में आना, यज्ञों की रक्षा के लिए राजा दशरथ से राम व लक्ष्मण को मांगने का प्रसंग सुनाया। सोमवार को कथा के पांचवे दिन सीता स्वयंवर का मुख्य प्रसंग होगा। इस मौके पर डॉ. सुभाष सोनी, शिवकुमार सोनी फतेहपुर, मुरलीमनोहर चौबदार नवलगढ़, गोविंद शर्मा, आत्माराम जोशी, रामस्वरूप बियाला, संतोष शर्मा, रवि भार्गव, कृष्ण कुमावत, प्रवीण सोनी, नरेंद्र योगी, नेमीचंद भार्गव, नरेंद्र कुमावत, रामस्वरूप जोशी, जयनारायण चेजारा, उमाशंकर शर्मा, सुशील चेजारा सहित सैकड़ों भक्त मौजूद रहे।

'बिना इमरजेंसी गेट और नॉर्म्स के नहीं चलने देंगे गाड़ियां'

डिप्टी सीएम बैरवा बोले- हादसे दुखद, हर व्यक्ति की जान जरूरी

महानगर टाइम्स संवाददाता

भरतपुर। प्रदेश में हो रहे हादसों पर उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने खेद जताया है। रविवार को सड़क मार्ग से ग्वालियर जाने के दौरान यहां सारस चौराहे पर उन्होंने कहा कि जिस तरह से जो घटनाएं हुई, वो दुखद थी, लेकिन हम कार्रवाई कर रहे हैं और किसी को बख्श नहीं रहे हैं। जो बिना इमरजेंसी गेट और बिना नॉर्म्स के गाड़ी चल रही हैं, उनको नहीं चलने दे रहे हैं। ट्रांसपोर्टर्स के साथ भी मेरी मीटिंग हुई है। उन्हें भी कह दिया है कि हमारे लिए हर व्यक्ति की जान जरूरी है। उसकी रक्षा करना और सुरक्षा करना हमारा दायित्व है। इसे उन्होंने भी माना और अब वे सब भी गाड़ियों में जरूरी परिवर्तन कर रहे हैं।

बैरवा का रविवार को यहां सड़क मार्ग से जयपुर से ग्वालियर जाने के दौरान सारस चौराहे पर जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि बिना नॉर्म्स के कोई गाड़ी नहीं चलने दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर कार्रवाई कर रहे हैं और किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं: धौलपुर में आरटीओ विभाग द्वारा की जा रही अवैध वसूली पर उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि आरटीओ विभाग जब नियमानुसार नहीं चलने वाले वाहनों को रोके तो कहा जाता है कि ऐसा हो गया।

नहीं रोके तो हादसे होते हैं। ऐसे में विभाग नियमों के अनुसार कार्रवाई कर रहा है।

शादी में शामिल होने जा रहे थे डिप्टी सीएम: उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वे ग्वालियर में भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बेटी की शादी में शामिल होने जा रहे हैं। भरतपुर में स्वागत के बाद वे सीधे ग्वालियर के लिए रवाना हो गए।

शिवसिंहपुरा में सुवा देवी की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर व निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

171 यूनिट रक्त एकत्रित, 200 लोगों को दिया परामर्श

महानगर टाइम्स संवाददाता

सीकर। सुवा देवी स्मृति संस्थान के तत्वावधान में सुवा देवी की पुण्यतिथि पर रविवार को पंचायत भवन गोगामेड़ी प्रांगण शिवसिंहपुरा में रक्तदान शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारम्भ पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक महरिया, रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारी ईश्वरसिंह राठौड़, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजीत शर्मा, दयाल सिंह रोरू, सुधीर महरिया स्मृति संस्थान एवं रक्त मोटीवेटर बी एल मील, भीम सेना संस्थापक अनिल तिरदिया, श्री कल्याण मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ब्लड बैंक लैब अधीक्षक सत्येंद्र कुड़ी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुकुल खीचड़ सरपंच महावीर सैनी, पूर्व सरपंच इंद्रजीत फगेड़िया, पूर्व पंचायत समिति सदस्य जीवण सिंह फगेड़िया ने सुवा देवी के चित्र पर पुष्पांजलि कर किया।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया ने कहा कि सुवा देवी की स्मृति में इस तरह के नेक कार्यों के आयोजन से उनकी स्मृति लोगों के बीच में हमेशा रहेगी। परिवार के सदस्यों ने मिलकर कबीलाई संस्कृति की सामूहिकता के साथ स्मृतियों को संजोने का जो पुनीत कार्य किया है, वो समाज में एक मिसाल है। परिजनों की स्मृति में रक्तदान शिविर तथा चिकित्सा शिविर आयोजित करना अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक कार्य है, जो समाज को नई दिशा प्रदान करने का कार्य करेगा। सुधीर महरिया स्मृति संस्थान निदेशक एवं रक्त मोटीवेटर बी एल मील ने बताया कि रक्तदान शिविर में 171 रक्त यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

सुआ देवी स्मृति संस्थान के सन्नी शिवसिंहपुरा ने बताया कि निशुल्क चिकित्सा शिविर में इएनटी स्पेशलिस्ट डॉ. उमेश धायल, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विजय मंगवा, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. वासुदेव सैनी, पीएससी दौलतपुरा चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. कविता, जनरल फिजिशियन डॉ. रामनिवास बिजारणिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. हैदर अली ने मरीजों का उपचार किया। शिविर में 200 से अधिक लोगों की निशुल्क जांच, दवाइयां एवं परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में संदीप बोयल, पवन घोडेला, फियाज खान, ऋषभ शर्मा, रामस्वरूप सैनी, चंद्रप्रकाश बिजारणिया, महेंद्र जांगिड़, विकास शिवसिंहपुरा, भंवरसिंह शेखावत ने सहयोग दिया।

पथ प्रैजेंट 'मास्टरशेफ जैसलमेर 2025'

12 फाइनलिस्ट का चयन, 20 को सोनार दुर्ग में होगा ग्रैंड फिनाले

जैसलमेर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। स्वर्णनगरी में पथ संस्थान द्वारा आयोजित मास्टरशेफ जैसलमेर 2025 का पहला चरण उत्साह और रोमांच के साथ सम्पन्न हुआ। होटल एलीट कैसल में हुए इस अनोखे कुकिंग कॉन्टेस्ट में कुल 22 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जहां घरेलू कुक से लेकर प्रोफेशनल शेफ्स तक ने अपने-अपने हुनर से जजों को प्रभावित किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच जज पैनल द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले 12 प्रतिभागियों का चयन अंतिम राउंड के लिए किया गया है। जज के रूप में मिस्टर डेजर्ट धीरज पुरोहित, करिश्मा सिंह व सेफ मेघा व्यास शामिल रहे। अब इस प्रतियोगिता का सबसे महत्वपूर्ण चरण 'ग्रैंड फिनाले' 20 नवंबर को द लिविंग फोर्ट 'सोनार दुर्ग' के प्रथम द्वार के अंदर आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक लोकेशन पर प्रतिभागियों के लिए एक विशेष लाइव किचन सेटअप तैयार किया जाएगा, जहां उन्हें राजस्थान के पारंपरिक स्वादों को फ्यूजन ट्विस्ट के साथ तैयार करना होगा, जिसके लिए उन्हें निर्धारित समय दिया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने किया जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का उद्घाटन

पहली बार दिखेगा जयपुर के मंदिरों का पुराना स्वरूप

■ 20 नवंबर तक आईटीसी राजपूताना में होगा आयोजन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजधानी जयपुर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का चौथा सीजन रविवार को आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में शुरू हुआ। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी, आईएएस मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन और फर्स्ट इंडिया सीईओ मैनेजिंग डायरेक्टर पवन अरोड़ा, आईटीसी राजपूताना जीएम दीपेंद्र राणा ने इसका उद्घाटन किया। यह एग्जीबिशन 20 नवंबर तक चलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने एग्जीबिशन में फोटो और पेंटिंग की तारीफ की और सभी पार्टिसिपेट को बधाई दी। सभी लोग विरासत को संजोए और खूबसूरती को बनाए रखें। उन्होंने जयपुर स्थापना दिवस पर सभी लोगों से आग्रह किया कि वे एग्जीबिशन को देखें। इस दौरान दीयाकुमारी ने पूर्व महाराजा भवानी सिंह की पुरानी तस्वीरें देख सराहना की। अतिथियों में जेडी माहेश्वरी, राघव गोयल, मोहित टेलर, दीपक गुप्ता, टीटू तनवानी, राहुल सिंघी, पीआरओ शशि किरण, अनूप श्रीवास्तव, जगदीप सिंह, विजय शर्मा का स्वागत एग्जीबिशन क्यूरेटर अदिति अग्रवाल ने किया।

सभी तक पहुंचाना है जयपुर का कल्चर : कुमावत

फेस्टिवल की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि जयपुर स्थापना दिवस पर जयपुर के कल्चर को सभी तक पहुंचाना और दिखाना ही इस एग्जीबिशन का उद्देश्य है। यहां की विरासत देश-विदेश में जानी जाती है, इसलिए आज के यूथ और आम लोगों को जयपुर को खूबसूरत सुंदर तस्वीरों के जरिए दिखाया जाए और यहां के पर्यटन को प्रमोट किया जाए। उपमुख्यमंत्री का स्वागत रेणुका कुमावत ने किया। एग्जीबिशन में पहली बार मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पुराने स्वरूप के साथ खोले के हनुमानजी, गोविंद देव मंदिर, ताड़केश्वर मंदिर, जयपुर शहर की पुरानी चौपड़ का स्वरूप लोगों को देखने को मिलेगा। यहां 100 से अधिक फोटोग्राफर व आर्टिस्ट भाग ले रहे हे। इस एग्जीबिशन को देखने के लिए सभी की एंट्री निशुल्क है। यहां हर दिन सभी विजिटर्स को गिफ्ट कूपन दिए जाएंगे।

प्रदर्शनी में शहरवासी पुराने और नए जयपुर की तस्वीरों को निहार सकेंगे। तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, शहर की पुरानी गलियों के साथ ही कल्चर की बेहद खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेंगी। यहां एक ही मंच के माध्यम से फोटोग्राफर्स को अपनी कला का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। एग्जीबिशन में सिर्फ जयपुर की ही तस्वीरों को डिस्प्ले किया जाएगा, जिसमें पुराने दौर की ब्लैक एंड वाइट तस्वीरें भी शामिल होंगी।

शपथ कार्यक्रम

राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति अभियान के तहत रन फॉर हेल्थ का आयोजन

'बजरंग दल ने ठाना है, भारत को नशामुक्त बनाना है'

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। देश के युवाओं में तेजी से बढ़ती नशे की प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। इस चुनौती से निपटने के लिए राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति अभियान की योजना तय हुई है। इस विशेष अभियान को विहिप के युवा संगठन बजरंग दल द्वारा प्रमुख रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

इस अभियान द्वारा प्रथम चरण में विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता कार्यक्रम, खेलकूद के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संस्कार सप्ताह के अंतर्गत बजरंग दल जयपुर प्रांत द्वारा 16 नवंबर को 4 किमी मैराथन रन फॉर हेल्थ अमर जवान ज्योति से शुरू की गई। विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भगवा झंडी दिखा कर रन का शुभारंभ किया। इसका मार्ग विधानसभा, ग्रेटर निगम कार्यालय, रामबाग सर्किल से होते हुए अमर जवान ज्योति पर समाप्त हुआ।

दौड़ में संघ के वरिष्ठ प्रचारक जुगल किशोर, बजरंग दल राष्ट्रीय सह संयोजक किशन प्रजापत, क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम, आईपीएस सुशील कुमार एवं अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। बजरंग दल के राष्ट्रीय सह संयोजक किशन प्रजापत ने उद्घोष के साथ युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक संकल्प यात्रा है, वहीं स्वस्थ, नशामुक्त और संस्कारित भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए युवाओं से किसी भी तरीके के नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने की शपथ भी दिलाई गई।

विश्व हिंदू परिषद राजस्थान क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम ने भी सभी युवाओं एवं परिवारों से आह्वान किया कि अपने बच्चों में भारतीय परंपरागत अपनी संस्कृति एवं संस्कारों का संचार करें तथा विदेशी ताकतों द्वारा पनपाए जा रहे नशे के जाल से मुक्त रहें। कार्यक्रम में काफी अधिक संख्या में सर्व समाज के बंधुओं एवं विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी देकर हिंदू समाज में एकता और समरसता का संदेश दिया।

पिंकसिटी जयपुर में पर्यावरण चेतना के लिए हुई 'ग्रीन हार्टफुलनेस रन'

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। 'हार्टफुलनेस' मेडिटेशन की ओर से गुलाबी नगरी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए रविवार को चित्रकूट स्टेडियम, वैशाली नगर में 'ग्रीन हार्टफुलनेस रन' का आयोजन किया गया।

हार्टफुलनेस संस्थान के जोनल कॉर्डिनेटर तरुण तोषनीवाल ने बताया कि दौड़ की तीनों श्रेणियां 1 किलोमीटर, 2.5 किलोमीटर और 5 किलोमीटर में बड़ी संख्या में 5 वर्ष से लेकर 85 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने जोश और उत्साह से भाग लिया। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। संस्था ने अब तक देश में अलग-अलग जगह पर लाखों पेड़ नियमित रखरखाव के साथ लगाकर सघन वन लगाए। टैगोर पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर, खंडेलवाल वैश्य कॉलेज, मेडिकल कॉलेज तथा अनेक संस्थाओं की प्रतिभागिता के साथ शहर की नामचीन हस्तियों विष्णु कांत (आईजी पुलिस), देवेंद्र पुरोहित (न्यूरो सर्जन), सौरभ तांबी (एयू बैंक), दुर्गेश खंडेलवाल (आरएसएस महानगर प्रमुख) आदि के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। दौड़ के बाद सभी ने हार्टफुलनेस ध्यान का आनंद प्राप्त किया।

'हार्टफुलनेस' एक गैर लाभकारी अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जो 190 से अधिक देशों में ध्यान का निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करती है। संस्था का मुख्यालय कान्हा शांति वनम (हैदराबाद) में स्थित है। इसकी शाखा जयपुर में अजमेर रोड रामचंद्रपुरा में स्थित है। 119 शहरों में एक साथ होने वाली दौड़ का साक्षी जयपुर के वैशाली स्थित चित्रकूट स्टेडियम भी रहा है। यह दौड़ ना केवल शरीर के स्वास्थ्य के लिए है, अपितु पृथ्वी के पर्यावरण में 'हार्टफुलनेस' की ओर से एक सामूहिक प्रयास है।

भादरा के जयपुर निवासी सैकड़ों लोग हुए शामिल

भादरा नागरिक विकास समिति ने मनाया दीपावली स्नेह-मिलन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। भादरा नागरिक विकास समिति जयपुर की ओर से एक होटल में स्नेह-मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भादरा के जयपुर निवासी सैकड़ों लोग शामिल हुए। समिति अध्यक्ष बलवंत गिदड़ा ने बताया की कार्यक्रम में अबकी बार दूसरा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड वरिष्ठ समाजसेवी सांवरमल महिपाल को दिया गया तथा समिति के युवा रक्तदाताओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समिति पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई गई। वहीं सदस्यों को एक पौधा प्रदान कर स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया गया और भोजन की थाली में जूठा भोजन नहीं छोड़ने की शपथ ली अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रत्नलाल भार्गव ने सबका स्वागत किया एवं समिति सचिव कमलेश कपिल ने कार्यक्रम का संयोजन एवं प्रबंधन किया। सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रताप सेवदा, सीएम बंसल, जयकिसन कस्वां, रामवतार स्वामी, दीपक शर्मा, भंवरू खां, महेंद्र प्रताप पूनियां, हवासिंह लाखलान, विद्याधर व्यापार मंडल अध्यक्ष शिव कुमार गोयल, मंचासीन अतिथि रहे। सह सचिव डॉ. चंदन सहारण ने आभार जताया। कार्यक्रम को जगतपाल गिल, मदनलाल बंसल, एड. सिकंदर खां नसवान, शंकर जोशी, सुनील भंडारी, एड. शैलेन्द्र सैनी, उम्मेद सिंह राजपुरोहित, छोटू खां मुजाहिद, शिव कुमार गांधी, रमेश चंद आर्य आदि ने संबोधित किया।

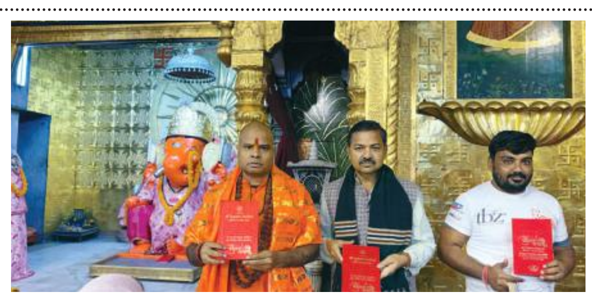

हर परिवार तक पहुंचे श्री हनुमान चालीसा पुस्तक वितरण अभियान का शुभारंभ

■ श्री गणेश जी महाराज को दिया निमंत्रण

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। हर परिवार तक पहुंचे श्री हनुमान चालीसा' अर्थ सहित पुस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। रविवार को मोती डूंगरी गणेश जी मंदिर में महंत कैलाश शर्मा ने पूजा-अर्चना कर पुस्तक वितरण अभियान का शुभारंभ किया। संत अमरनाथ महाराज ने बताया कि बहुत से भक्त हनुमान चालीसा तो पढ़ते हैं, लेकिन उसका अर्थ नहीं जानते। विशेष रूप से बच्चों के लिए अर्थ समझना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे चालीसा को सिर्फ पढ़ें नहीं, समझें भी। इसी उद्देश्य से स्कूलों में हनुमान चालीसा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण में एक लाख आठ हज़ार परिवारों को सचित्र अर्थ सहित श्री हनुमान चालीसा पुस्तिका निःशुल्क भेंट की जाएगी। श्री भंदे के बालाजी धाम, श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति के संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक संत अमरनाथ महाराज के नेतृत्व में चल रहे सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ अभियान के अंतर्गत शुरुआत हुई। इस दौरान भागचंद वर्मा, महेंद्र कुमावत, बिरदी चंद कुमावत, रविन्द्र खंगारोत, बबलू सैनी सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

नियमित ओपीडी की उपलब्ध होंगी सेवाएं

महात्मा गांधी अस्पताल का बल्दवा क्लिनिक सेंटर मोती डूंगरी पर शुरू

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। महात्मा गांधी अस्पताल, जयपुर ने शहरवासियों को अपनी विश्वसनीय, बेहतर और शहर के बीच सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोती डूंगरी गणेशजी मंदिर परिसर में अपना नया महात्मा गांधी अस्पताल बल्दवा क्लिनिक सेंटर शुरू कर दिया है। इसका उद्घाटन रविवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर महंत पंडित कैलाश शर्मा ने किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी के संस्थापक डॉ. एमएल स्वर्णकार, चेयरमैन डॉ. विकास चंद्र स्वर्णकार, डॉ. शोभित स्वर्णकार, प्रिंसिपल डॉ. एनडी सोनी, डॉ सुधीर सचदेव, योगेंद्र वर्मा, डॉ. मनु सोनी सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक और गणमान्य लोग तथा परिवारजन उपस्थित रहे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह नया सेंटर राजापार्क, तिलक नगर, मोती डूंगरी, गुरुनानकपुरा सहित आसपास के क्षेत्रों के निवासियों तथा मंदिर दर्शनार्थियों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहा है। नए क्लिनिक सेंटर में जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, दंत रोग और फिजियोथेरेपी की नियमित ओपीडी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही यहां ईसीजी, ट्रेडमिल, सभी प्रकार के लैब टेस्ट, एक्स-रे और सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं भी किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेवाएं प्रतिदिन प्रातः 9 से शाम आठ बजे तक संचालित की जा रही हैं।

उत्पन्न एकादशी पर तुलसी शालिग्राम विवाह का आयोजन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। उत्पन्न एकादशी के मौके पर शहर के गोपालपुरी गोविंदपुरा सिरसी रोड में तुलसी शालिग्राम विवाह वैदिक रीति रिवाज से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मां दुर्गा, शिव मंदिर से भगवान शालिग्राम जी की बारात धूमधाम से निकाली गई। बारात में बाराती और महिलाएं नृत्य करते हुए विवाह स्थल पहुंचे। जहां तुलसी और भगवान शालिग्राम के प्रतीकात्मक विवाह में जयमाला, सप्तपदी, सिंदूरदान, कन्यादान जैसे सभी पारंपरिक विवाह संस्कार पंडित योगेश शास्त्री के सान्निध्य में पूरे विधि-विधान से किए गए। नारायण लाल शर्मा एवं अलका शर्मा की ओर से आयोजित तुलसी शालिग्राम विवाह के अवसर पर मंदिर और घर में शंखध्वनि, भजन-कीर्तन और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। विवाह से पहले सांकड़ी विनायक, पीला चावल, चाक भात के आयोजन भी हुए। विवाह संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

आयोजन | **समाज में स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति जैसे संदेशों का प्रसार रहा उद्देश्य**

प्रेरणाथॉन 2025 का सफलतापूर्वक समापन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जिला प्रशासन, विभिन्न सामाजिक संगठनों और हजारों प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहयोग से प्रेरणाथॉन 2025 का आयोजन रविवार सुबह हरीओम टावर, गोनेर रोड से अक्षय पात्र, जगतपुरा तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रेरणापथ सोशल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता, नशा मुक्ति, ट्रैफिक सेफ्टी, महिला सशक्तिकरण एवं युवा प्रेरणा जैसे महत्वपूर्ण संदेशों का प्रसार करना था। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षण संस्थानों, खेल संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और शहर के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बनाया।

प्रदेश संयोजक सूर्यकांत शर्मा ने बताता कि प्रेरणाथॉन के दौरान मार्ग में प्रतिभागियों के लिए ऊर्जा पेय, मेडिकल सहायता, वॉलिंटियर सपोर्ट तथा सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए तथा प्रेरक संदेशों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम संयोजक भगवत सिंह राजावत ने सभी सहयोगी संस्थानों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं शहरवासियों का आभार जताया और आशा व्यक्त की है कि आगे भी समाजहित के ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों में सभी का सहयोग मिलता रहेगा। कार्यक्रम में युवा लेखक एवं विचारक एनके शर्मा, राजस्थान विधि महाविद्यालय की उप निदेशक आरती शर्मा, डॉ. नमिता खंडेलवाल, सीए प्रतिज्ञा नंदवाना, सामाजिक कार्यकर्ता रैना भारद्वाज व सैकड़ों गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

शिक्षाविद के नाम पर मार्ग का नामकरण करने पर सौम्या गुर्जर का जताया आभार

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। माहेश्वरी समाज जयपुर के गौरव व प्रतिष्ठित शिक्षाविद पूर्व प्रिंसिपल व समाज संरक्षक स्व. रामदास राठी के नाम पर स्कूल के पास वाली गली के नामकरण की मंजूरी देने पर ग्रेटर जयपुर निगम की निवर्तमान महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर का आभार जताया गया। इस मौके पर रामदास राठी मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी किशन राठी, समाज सचिव रोहित परवाल, ज्वैलर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी राजू मंगोड़ीवाला एवं जयंत बाहेती स्वतंत्र लेखक मौजूद रहे। सचिव रोहित परवाल ने कहा कि हमारे समाज के संरक्षक व स्कूल के किसी पूर्व प्रिंसिपल की दी गई उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह मार्ग का नाम मिला है। यह संपूर्ण माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित करने वाला सम्मान है।

महागठबंधन के लिए महासंकट की घड़ी

करारी शिकस्त के बाद भविष्य पर भी सवालिया निशान

महागठबंधन पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में सत्ता की दौड़ में राजग से एक फीसदी से भी कम वोटों और 15 सीटों से पिछड़ गया था तो हार का ठीकरा कांग्रेस के सिर फोड़ा गया था। तब 70 सीटों पर लड़ी कांग्रेस 19 ही जीत पाई थी। वाम दलों का प्रदर्शन भी उससे बेहतर रहा। कांग्रेस इस बार और भी कमजोर कड़ी साबित हुई। राजद और कांग्रेस में अंत तक औपचारिक सीट बंटवारा नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप दस से भी ज्यादा सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, पर महागठबंधन और राजग के बीच मत फीसदी एवं सीटों में भारी अंतर बताता है कि अतीत से सबक सीखने के बजाए और अधिक गलतियां की गईं। गठबंधन राजनीति में दलगत हितों के बीच ही संतुलन और समन्वय की राह निकालनी पड़ती है। चूंकि शह-मात की तमाम अटकलों के बीच भी राजग यह काम कर पाया, इसलिए 'सत्ता विरोधी' भाव के बजाय 'सत्ता समर्थक' चुनावी लहर दिखी। पिछले चुनाव में मामूली अंतर से सत्ता की दौड़ में पिछड़ने के बाद महागठबंधन को जमीनी राजनीति में जो काम करना चाहिए था, उसके बजाए वह आपसी खींचतान में ही लगा रहा। इसे बेहतर सामाजिक समीकरण से ही पाटा जा सकता था, लेकिन इस दिशा में कुछ खास नहीं किया जा सका।

मात्र 15 सीटें पाने वाले मुकेश सहनी को जिस तरह उप मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया गया, उससे महागठबंधन को चुनावी नुकसान ही हुआ। 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस के नेता और समर्थक तो बिदके ही, कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने वाले मुसलमान और दलित भी निराश हुए। 143 सीटों पर लड़े राजद ने जिस तरह 52 यानी लगभग 36 प्रतिशत यादव उम्मीवार उतारे, उससे अन्य ओबीसी जातियों, खासकर ईबीसी में नकारात्मक संदेश गया। मुख्यतः यादव-मुस्लिम जनाधारवाला राजद अन्य वर्गों को ज्यादा टिकट देकर अपना और महागठबंधन का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर सकता था। अपने गठबंधन और सीट बंटवारे से राजग सर्वसमाज के प्रतिनिधित्व का संदेश देने में सफल रहा, लेकिन महागठबंधन ऐसा नहीं कर पाया। तेजस्वी जंगलराज के बोझ से मुक्त नहीं हो पाए और उसकी पुनरावृत्ति का डर दिखा कर राजग एक बार फिर बाजी मार ले गया। राजग के मंच से लालू परिवार को महाभ्रष्ट परिवार भी कहा गया, क्योंकि लगभग पूरा परिवार ही भ्रष्टाचार के मामलों में कानूनी शिकंजे में है। बेशक चुनाव में कई मुद्दे काम करते हैं, लेकिन कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार ऐसे मुद्दे हैं, जिनसे जनता सीधे प्रभावित होती है। इसलिए इन मुद्दों पर मतदाता आम तौर पर समझौता नहीं करते। उप मुख्यमंत्री रहे तेजस्वी यादव ने महागठबंधन सरकार के दौरान दी गई नौकरियों का श्रेय लेते हुए मान लिया कि वे युवाओं की पसंद बन जाएंगे, पर स्वाभाविक ही मुख्यमंत्री को उस श्रेय से वंचित नहीं कर पाए। कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल के आजमाए हुए 'गारंटी कार्ड' पर जोर देना चाहती थी, लेकिन तेजस्वी 'राग-नौकरी' अलापते रहे। राज्य-दर-राज्य रेवड़ियां चुनावी राजनीति में निर्णायक साबित हो रही हैं। नीतीश ने भी ठीक चुनाव से पहले सवा करोड़ से भी अधिक महिलाओं के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपए ट्रांसफर करने समेत कई लोकलुभावन घोषणाएं कीं। लोकलुभावन वायदे तो तेजस्वी ने भी किए, लेकिन बाजी बेहतर ट्रैक रिकार्ड वाले नीतीश के हाथ रही। लोगों ने 'बन सकने वाली' सरकार के बजाए वर्तमान सरकार पर भरोसा करना बेहतर समझा। फिर तेजस्वी आखिर तक नहीं बता पाए कि अपने वायदे पूरे करने के लिए उनका ब्लूप्रिंट क्या है। राजग की तर्ज पर तेजस्वी ने महागठबंधन का विस्तार तो किया, लेकिन एकजुट तस्वीर पेश करने में विफल रहे। उन्होंने महागठबंधन के घोषणापत्र को 'तेजस्वी प्रण' का नाम देकर खुद को प्रोजेक्ट करने की कवायद ज्यादा की। वे महागठबंधन का स्वाभाविक मुख्यमंत्री चेहरा थे, लेकिन इस पर कांग्रेस की सहमति में विलंब का नकारात्मक असर पड़ा। दरअसल महागठबंधन के दो बड़े दलः राजद और कांग्रेस चुनाव प्रचार में एक साथ दिखने के बजाए परस्पर प्रतिस्पर्धा करते ज्यादा नजर आए। राहुल गांधी ने जनाधार बढ़ाने के लिए ईबीसी पर फोकस करते हुए दस सूत्रीय एजेंडा घोषित किया था, पर तेजस्वी के घोषणा पत्र में उसे ज्यादा महत्व नहीं मिला। सीट बंटवारे से लेकर घोषणापत्र और चुनावी मुद्दों तक महागठबंधन इस बार दिग्भ्रमित दिखा। बिहार अचानक गरीब राज्य नहीं बना। पलायन भी नीतीश राज में शुरू नहीं हुआ। आज भी जंगलराज चुनावी मुद्दा बनने से साफ है कि पिछले 20 साल में हालात बेहतर हुए हैं। इसके बावजूद ये गंभीर चुनावी मुद्दे बन सकते थे, लेकिन महागठबंधन की ओर से राहुल गांधी ने भी इनके बजाए 'वोट चोरी' को मुद्दा बनाया। वोट अधिकार यात्रा निकालने के बाद लगभग दो महीने तक बिहार में उनकी अनुपस्थिति ने भी सवाल खड़े किए। विधानसभा चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि जनता की अदालत ने वोट चोरी के आरोप को खारिज कर दिया। 20 साल के नीतीश राज के बाद भी महागठबंधन को मिली करारी हार उसके मनोबल पर आघात के साथ उसके भविष्य पर भी सवालिया निशान लगाने वाली है। पिछली बार सबसे बड़ा दल बनकर उभरा राजद इस बार आधे से भी कम रह गया तो मुख्यतः दलित जनाधार वाली लोजपा (आर) कांग्रेस से भी बड़ा दल बन गई। स्पष्ट है कि महागठबंधन के लिए यह महासंकट की घड़ी है।

> **राहुल गांधी ने जनाधार बढ़ाने के लिए ईबीसी पर फोकस करते हुए दस सूत्रीय एजेंडा घोषित किया था, पर तेजस्वी के घोषणा पत्र में उसे ज्यादा महत्व नहीं मिला। सीट बंटवारे से लेकर घोषणापत्र और चुनावी मुद्दों तक महागठबंधन इस बार दिग्भ्रमित दिखा। बिहार अचानक गरीब राज्य नहीं बना। पलायन भी नीतीश राज में शुरू नहीं हुआ। आज भी जंगलराज चुनावी मुद्दा बनने से साफ है कि पिछले 20 साल में हालात बेहतर हुए हैं। इसके बावजूद ये गंभीर चुनावी मुद्दे बन सकते थे, लेकिन महागठबंधन की ओर से राहुल गांधी ने भी इनके बजाय 'वोट चोरी' को मुद्दा बनाया। वोट अधिकार यात्रा निकालने के बाद लगभग दो महीने तक बिहार में उनकी अनुपस्थिति ने भी सवाल खड़े किए।**

राजग की प्रचंड जीत से डबल इंजन की सरकार से लोगों को बंधी उम्मीद

संजय गुप्त

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जो अप्रत्याशित जीत हुई, उसने बिहार की यह छवि तोड़ने का काम किया कि यहां के मतदाता जाति और मजहब के आधार पर वोट करते हैं। यदि बिहार के नतीजों में सत्ता विरोधी प्रभाव नहीं दिखा तो इसका प्रमुख कारण यह रहा कि यहां के मतदाताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादों पर अधिक भरोसा किया। जहां राजद की ओर से महिलाओं को तीस हजार रुपए सालाना और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी का वादा था, वहीं भाजपा-जदयू के नेतृत्व वाले राजग ने महिलाओं को दस हजार रुपए देने का वादा तो किया ही, उस पर अमल भी शुरू करके यह संदेश दिया कि वह जो कह रहा है, उसे पूरा करने को प्रतिबद्ध है। महागठबंधन का वादा अधिक लुभावना तो था, लेकिन वह पूरा किए जाने लायक नहीं दिख रहा था। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना कैसे संभव है? राजनीति में लोक-लुभावन वादे से अधिक यह महत्व रखता है कि उसे कर कौन रहा है और वह पूरा करने लायक है या नहीं? इस मामले में बिहार की जनता ने नीतीश और मोदी पर अधिक भरोसा किया तो उनके पिछले रिकार्ड के कारण। यह भी स्पष्ट है कि डबल इंजन सरकार के नारे ने बिहार में असर दिखाया।

जदयू के लिए भाजपा किस तरह एक ताकत और सहारा बनी, इसका प्रमाण यह है कि वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। दूसरी ओर राजद के लिए कांग्रेस बोझ साबित हुई। उसे मात्र छह सीटें मिलीं। यदि भाजपा जदयू की ताकत बनी तो प्रधानमंत्री मोदी की सशक्त नेता की छवि और उनकी सरकार के कामकाज के कारण। राजग की जीत में मोदी की लोकप्रियता एक बड़ा कारण रही। बिहार की जनता यह देख रही थी कि जहां मोदी के चलते भाजपा देश भर में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करती जा रही है, वहीं कांग्रेस खोती जा रही है। राहुल गांधी ने जहां वोट चोरी का मुद्दा उठाकर बिहार के लोगों को बरगलाने की नाकाम कोशिश की, वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषणों से राज्य के लोगों की नब्ज पर हाथ रखा। जब प्रधानमंत्री ने जंगलराज की चर्चा की तो कांग्रेस उस पर सफाई देती दिखी। जंगलराज की चर्चा से राजद को इसलिए भी नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उसके कई समर्थकों ने यह दिखाया कि यदि महागठबंधन सत्ता में आया तो कानून एवं व्यवस्था को चुनौती दी जाएगी। राजद की जो छवि लालू यादव के समय बनी, उससे वह अब भी मुक्त नहीं हो सकी है। यह छवि उसके लिए फिर से परेशानी का सबब बनी। तेजस्वी यादव से उम्मीद थी कि वह बीस साल पुरानी राजद की छवि को तोड़कर एक सार्थक और समन्वय वाली राजनीति की तरफ आगे बढ़ेंगे, पर वे ऐसा कर नहीं सके। वे अपने समर्थकों को संयमित आचरण के लिए भी समझा नहीं सके। इसी का उल्लेख करते हुए मोदी ने आगाह किया कि कट्टा वाली सरकार की वापसी नहीं होनी चाहिए। राजग की बड़ी जीत में जहां प्रधानमंत्री मोदी की सशक्त नेता की छवि काम आई, वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कुशल प्रशासक और बेदाग नेता की छवि भी एक बड़ा आधार बनी। नीतीश ने मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को अपने पक्ष में गोलबंद किया है। इसमें सबसे प्रभावी वर्ग है महिलाओं का। मोदी की तरह नीतीश भी महिलाओं को अपने पक्ष में लाने के लिए सक्रिय हैं।

अपने शासनकाल के प्रारंभ में उन्होंने स्कूली लड़कियों को साइकिल देकर महिला मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया, फिर उन्हें स्थानीय निकायों के साथ नौकरी में आरक्षण देने के साथ उनके हित में अन्य कई फैसले किए। इनमें एक बड़ा फैसला शराबबंदी का रहा। शराबबंदी भले ही प्रभावी ढंग से लागू न हो सकी हो, लेकिन महिलाएं उसे अपने हित में मानती हैं। बिहार में सड़कों का जो जाल बिछा है और बिजली, पानी की सुविधा बढ़ने के साथ कानून एवं व्यवस्था में जो सुधार हुआ है, उसका श्रेय नीतीश कुमार को जाता है।

जदयू-भाजपा ने यह जो दिखाया कि नीतीश पहले से अधिक सक्षम और प्रभावी सरकार दे सकते हैं, उसके कारण ही राजग को प्रचंड जीत मिली। राजग के मुकाबले महागठबंधन ने जिन मुद्दों को चुनावी मुद्दा बनाया, उन्होंने सुर्खियां तो बटोरीं, लेकिन जनता ने उन्हें महत्व नहीं दिया। ऐसा ही एक मुद्दा था वोट चोरी का। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को वोट चोरी करार दिया गया। इसे लेकर राहुल एवं तेजस्वी ने वोटर अधिकार यात्रा निकाली और यह संदेश देने की कोशिश की कि चुनाव आयोग गलत काम कर रहा है। एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी गई, पर विपक्ष को वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। कांग्रेस और राजद ने जिस मुद्दे को खूब उछाला, उसकी चुनाव आते-आते हवा निकल गई, क्योंकि बिहार के लोग समझ गए कि एसआईआर एक जरूरी प्रक्रिया है।

बिहार में राजग की विजय केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की कैमेस्ट्री का ही नतीजा नहीं, वह इस गठबंधन के सभी घटकों के बीच बेहतर सामंजस्य का भी परिणाम है। राजग के मुकाबले महागठबंधन अनबन और अविश्वास से ग्रस्त दिखा। इसका एक प्रमाण यह रहा कि 11 सीटों पर उसके प्रत्याशी आमने-सामने थे। इसकी तुलना में राजग ने सीट बंटवारे से लेकर चुनाव प्रचार में तालमेल दिखाया। इसी कारण भाजपा, जदयू के साथ-साथ चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा के दलों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। पिछली बार जदयू इसलिए कमजोर साबित हुआ था, क्योंकि चिराग पासवान ने नीतीश को निशाने पर लेते हुए अलग चुनाव लड़ा था। चूंकि राजग ने प्रचंड जीत हासिल की है, इसलिए बिहार के लोगों की नीतीश सरकार से उम्मीदें कहीं अधिक बढ़ गई हैं। बिहार अभी भी एक पिछड़ा हुआ राज्य है और यहां बहुत कुछ करना बाकी है।

इतनी बड़ी जीत के साथ जो सरकार बनेगी, उसे लोगों की बढ़ी हुई अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह ठीक है कि धीरे-धीरे बिहार सही रास्ते पर आ गया है, लेकिन उसे पिछड़े राज्य की छवि से मुक्त होने की आवश्यकता है। बिहार के लोगों में जो मेधा है, उसका कोई सानी नहीं, पर उद्योग-धंधों के अभाव से राज्य पिछड़ गया है। अब यहां की डबल इंजन की सरकार से उम्मीद है कि वह बिहार को तेजी से विकास की ओर ले जाए।

ध्वस्त हो आतंकवाद का इको सिस्टम

सुधीर कुमार शर्मा

दिल्ली में लालकिले के पास कार में विस्फोट एक बड़ा सबक है। इसमें विस्फोट करने वाले अनपढ़ नहीं हैं। बेरोजगार नहीं हैं। विकास से दूर लोग नहीं हैं। इसमें पढ़े-लिखे, रोजगार पाये हुये और विकास की मुख्यधारा में शामिल लोग शामिल दिख रहे हैं। इस घटना में में डॉक्टर और प्रोफेसर जैसे बौद्धिक शामिल हैं। मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके या करते हुए आतंकी बनना पसंद करने वालों की मानसिकता को समझने के संदर्भ में एक बात तो स्पष्ट है। ये लोग समाज के प्रताड़ित लोग नहीं हैं।

ये कमजोर या दबे कुचले नहीं हैं। उम्र में युवा भी नहीं हैं। किसी के बहकावे या लालच के कारण इस राह पर जाने वाली थ्योरी इन पर लागू नहीं होती है। ये लोग चाहते तो एक बेहतर और सुंदर जिंदगी जी सकते थे। समाज में प्रतिष्ठा होने के कारण ये अपने वर्ग में प्रेरणास्त्रोत रहे होंगे। तो फिर क्यों इन लोगों ने आतंक का मार्ग चुना? जितना महत्वपूर्ण यह प्रश्न है, उतना ही आवश्यक है आतंकवादियों के समर्थन करने वाले इको सिस्टम को समझना।

इस इको सिस्टम द्वारा अक्सर कहा जाता है कि आतंक का कोई मजहब नहीं होता है। यह कहकर यह इको सिस्टम बड़ी समस्या को हल्का करने का प्रयास करता है। हमें अब अपनी समझ में स्पष्टता लानी होगी। मजहब की आड़ में आतंकवाद को नकारा नहीं जा सकता है। धार्मिक शिक्षाओं के आधार पर जेहाद करना, गजवा ए हिंद को ज़मीन पर उतारने का ख्वाब देखना, जैसे अनेक तथ्य हैं जो मजहबी शिक्षा से जुड़े हैं। दुनिया में जितने भी आतंकवादी संगठन हैं वह मजहबी मान्यताओं से लैस होकर जेहाद कर रहे हैं। इनमे पढ़े लिखे लोग शामिल हैं। ओसामा भी इंजीनियर था। दिल्ली ब्लास्ट में शामिल लोग भी उच्च शिक्षित लोग हैं। न ओसामा आर्थिक रूप से अक्षम था, न ही दिल्ली ब्लास्ट के गुनहगार अशिक्षित लोग हैं।

पिछले एक दशक में भारत में सीमा पार से आने वाले आतंकवाद पर रोक लगी है। पाकिस्तान के द्वारा भारत के अंदर की जाने वाली घुसपैठ सफल न होने के कारण अब भारत के अंदर रहने वाले इको सिस्टम का मॉड्यूल एक्टिव हुआ है। पहले जो लोग स्लीपर सेल की तरह बौद्धिक आतंकवाद को छद्म रूप से सहयोग करते थे वह अब खुलकर सामने आ गए हैं। लालकिले के पास कार विस्फोट में शामिल दिखने वाले चेहरे तस्वीर का सिर्फ एक पक्ष है। इसमे कई अन्य अदृश्य सहयोगी शामिल हैं। एक बार फिर घटना के तार पाकिस्तान से जुड़ते दिख रहे हैं। आईएसआई लगातार लश्कर ए तोएबा एवं इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविन्स जैसे समूहों को एकजुट करने का प्रयास कर रही है। सीमा पर युद्ध में मिली हताशा के बाद आतंकी संगठनों को एकजुट करने का उनका उद्देश्य स्पष्ट है। भारत में आतंकी गतिविधियों को पुनर्जीवित करना। जम्मू कश्मीर में अशांति फैलाना। जम्मू कश्मीर के कुछ असंतुष्ट लोगों के द्वारा भारत में

अपने मॉड्यूल को मजबूत और स्थापित करना।

लालकिले की घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि खतरा बाहर से कम अब अंदर से ज्यादा है। हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठाकर यह इको सिस्टम विभाजन का प्रयास कर रहा है। यह लड़ाई सिर्फ सुरक्षा बलों, पुलिस, इंटेलिजेंस तक सीमित नहीं है। इसके लिए हर नागरिक को अपना योगदान देना होगा। राष्ट्रप्रथम को धर्म से आगे रखने वाले लोग समाधान दे सकते हैं। कट्टरपंथी विचारधारा छोटे स्तर पर सिर्फ मदरसों तक सीमित नहीं है, कट्टरपंथ अब विश्वविद्यालयों, अस्पतालों जैसे प्रमुख स्थानों तक अपनी गहरी पैठ बना चुका है। सेकुलर शब्द और संविधान की आड़ लेकर यह इको सिस्टम कट्टरपंथ का जेहादी मॉड्यूल चला रहा है।

इस मॉड्यूल को ऐसे समझिए। एक वर्ग घटना करता है। दूसरा, इसे भटके हुए लोगों का समूह बताता है। तीसरा, आतंक का कोई मजहब नहीं होता है, कहकर विषय से ध्यान भटकाने का प्रयास करता है। चौथा, सेकुलर शब्द की आड़ में पीड़ितों के लिए केंडल मार्च निकालता है। पांचवां, अमन और शांति के लिए व्याख्यान शुरू कर देता है। छठा, सरकार की गुप्तचर एजेंसियों की असफलता बताकर सरकार के असंतुष्टों को खाद पानी देता है। सातवां, मीडिया को सबका जिम्मेदार बताना शुरू कर देता है। आठवां, इन हादसों को कहीं हो रहे चुनाव से जोड़कर दिखाता है। नवां, आरएसएस को कोसने लगता है। इसी तरह जोड़कर देखें तो दस, ग्यारह, बारह, यह फेहरिस्त लंबी होती जाएगी। खास बात यह है कि कोई भी मजहबी कट्टरता की मूल वजह पर बात नहीं करता। ऐसे लोगों को फिलस्तीन की चिंता रहती है किन्तु भारत के बहुसंख्यक इन्हें यहूदी जैसे दिखते हैं। बांग्लादेश का तख्तापलट इन्हें अपने मुफीद लगता है किन्तु भारत का लोकतंत्र खतरे में दिखता है। इस इको सिस्टम के समर्थक नेपाल की तरह आगजनी और हिंसा को भारत में चाहते रहे हैं।

किसान आंदोलन की आड़ में इस इकोसिस्टम ने बहुत खेल किया। 26 जनवरी, 2021 को किसानों के समर्थन के नाम पर यह लोग लालकिले तक घुस गए थे। संसद इनका अगला निशाना था। पूर्व में भारत की संसद पर आतंकवादियों ने हमला किया था। इस इको सिस्टम से जुड़े लोगों ने अफजल गुरु के समर्थन में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। रात में उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हुई थी। भारत की संसद पर हमला करना इस बात का सबूत है कि ऐसा करने वाले और उनका समर्थन करने वालों का भारत के लोकतंत्र के प्रति सम्मान भाव नहीं है। 26 जनवरी, 21 को लालकिला निशाने पर था। इस बार भी लालकिले के आसपास विस्फोट संयोग है या प्रयोग है, इस पर अभी स्पष्ट नहीं कह सकते हैं। कार विस्फोट को दिल्ली तक सीमित करके देखने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए कड़ी सतर्कता एवं सुरक्षा की आवश्यकता है। एक गहन छानबीन अभियान चलाने की आवश्यकता है। देश के अंदर विरोध के नाम पर देश को कमजोर करने वाले लोगों को चिन्हित करना होगा। उनकी जड़ों पर प्रहार करना होगा। कूटनीतिक स्तर पर अपना पक्ष वैश्विक स्तर पर और मजबूती से रखना होगा। दायित्व समूहिक है। इसलिए समाधान भी सामूहिकता से निकलेगा। इन सबके साथ ही हमें यह बात समझनी होगी कि 'एव्री पुलिसमैन इज ह्यूमन इन यूनिफोर्म, एंड एव्री ह्यूमन इज पुलिसमैन विदाउट यूनिफोर्म।'

राशिफल

आज दिनांक 17 नवम्बर, 2025, सोमवार, विक्रम संवत् 2082, मार्गशीर्ष माह कृष्ण पक्ष त्रयोदशी, चित्रा नक्षत्र, गरिजा करण, प्रीति योग, राहुकालः सुबह 8:07 से 9:28 बजे, सूर्योदय सुबह 6:46 बजे, सूर्यास्त सायं 5:37 बजे, चंद्रोदय रात 4:03 बजे, चंद्रास्त अपराह्न 3:43 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:50 बजे से 12:33 बजे, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:10 से 5:58 बजे तक, चंद्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

मेष: आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर में नए मौके मिल सकते हैं। कोई बड़ा फैसला लेने से पहले परिवार से सलाह जरूर लें। धन की स्थिति मजबूत रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। आज धैर्य रखने की जरूरत है। काम में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन शाम तक स्थिति सुधर जाएगी।

वृषभ: आज का दिन आपके लिए लकी साबित हो सकता है। बिजनेस में तरक्की के संकेत हैं। जीवनसाथी के साथ मनमुटाव दूर होंगे। छात्रों के लिए समय अनुकूल है। सेहत का ध्यान रखें, जंक फूड से बचें। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

मिथुन: आज का दिन मिलाजुला रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों से मदद मिलेगी। धन की स्थिति अच्छी बनी रहेगी, लेकिन खर्च भी ज्यादा होंगे। दोस्तों के साथ समय बिताने से मन खुश रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी खास जगह पर जाना हो सकता है। प्रत्येक काम में आपको लाभ होगा।

कर्क: किसी करीबी से अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम बनेगा।

सिंह: आज धैर्य रखने की जरूरत है। काम में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन शाम तक स्थिति सुधर जाएगी। आज आप पारिवारिक तथा सामाजिक बातों में व्यस्त रहने वाले हैं। मित्रों से मुलाकात होगी। अपने प्रिय मित्र के साथ दिन का ज्यादा समय गुजारेंगे। मित्रों की जरूरतों पर धन खर्च करना होगा।

कन्या: आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। काम में सफलता मिलेगी। प्यार के मामलों में कोई खुशखबरी मिल सकती है। सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। धन लाभ के प्रबल योग हैं। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से तारीफ मिलेगी।

तुला: आज आप नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। बिजनेस में लाभ होगा। नौकरी में भी तरक्की के संकेत हैं। किसी पुराने विवाद का समाधान निकल सकता है। सेहत का ख्याल रखें, थकान महसूस हो सकती है।

वृश्चिक: आज का दिन सामान्य रहेगा। मानसिक तनाव रह सकता है, लेकिन शाम तक राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा से लाभ हो सकता है। खानपान में संतुलन बनाए रखें। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत सामान्य रहेगी लेकिन ठंडे पानी से बचें।

धनु: आज का दिन शानदार रहेगा। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलेगा। प्रेम जीवन में मधुरता आएगी। परिवार में किसी खुशी का माहौल बनेगा। सेहत अच्छी रहेगी। काम की गति थोड़ी धीमी रहेगी, लेकिन काम का असर गहरा होगा।

मकर: आज आपको मिलेजुले फल मिलेंगे। निवेश सोच-समझकर करें। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं लेकिन धैर्य रखें। कोई पुराना विवाद सुलझ सकता है। क्रिएटिव फील्ड वालों के लिए दिन खास रहेगा।

कुंभ: आज आप इंट्यूशन से काम लेंगे और सही निर्णय लेंगे। काम की गति थोड़ी धीमी रहेगी, लेकिन काम का असर गहरा होगा। क्रिएटिव फील्ड वालों के लिए दिन खास रहेगा। कारोबार में कोई बड़ा सौदा सोच-समझकर करें भाग्य साथ देगा।

मीन: अपने काम को लेकर काफी तेजी में होंगे। आपका मूड थोड़ा गंभीर रहेगा लेकिन घर का माहौल आपको रिलैक्स कर सकता है। कोई बुजुर्ग आपको कुछ खास सलाह दे सकता है जो लंबे समय तक काम आने वाली है। किसी दोस्त का फोन आ सकता है जिसमें बातें पुरानी, अहसास नए रहेंगे।

शिवाजी को गुरु का संदेश

प्रेरक प्रसंग

जब छत्रपति शिवाजी को यह पता चला कि समर्थ रामदास ने महाराष्ट्र के ग्यारह स्थानों में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की है और वहां हनुमान जयंती उत्सव मनाया जाने लगा है, तो उन्हें उनके दर्शन की उत्कृष्ट अभिलाषा हुई। वे उनसे मिलने के लिए चाफल, माजगांव होते हुए शिगवाड़ी आए। वहां समर्थ रामदास जी एक बाग में वृक्ष के नीचे 'दासबोध' लिखने में मग्न थे।

शिवाजी ने उन्हें दंडवत प्रणाम किया और उनसे अनुग्रह के लिए विनती की। समर्थ ने उन्हें त्रयोदशाक्षरी मंत्र देकर अनुग्रह किया और 'आत्मानाम' विषय पर गुरुपदेश दिया (यह 'लघुबोध' नाम से प्रसिद्ध है और 'दासबोध' में समाविष्ट है।) फिर उन्हें श्रीफल, एक अंजलि मिट्टी, दो अंजलियां लीद एवं चार अंजलियां भरकर कंकड़ दिए।

जब शिवाजी ने उनके सान्निध्य में रहकर लोगों की सेवा करने की इच्छा व्यक्त की, तो संत बोले- 'तुम क्षत्रिय हो, राज्यरक्षण और प्रजापालन तुम्हारा धर्म है। यह रघुपति की इच्छा दिखाई देती है।' और उन्होंने 'राजधर्म' एवं 'क्षात्रधर्म' पर उपदेश दिया।

शिवाजी जब प्रतापगढ़ वापस आए और उन्होंने जीजामाता को सारी बात बताई, तो उन्होंने पूछा- 'श्रीफल, मिट्टी, कंकड़ और लीद का प्रसाद देने का क्या प्रयोजन है?'

शिवाजी ने बताया- 'श्रीफल मेरे कल्याण का प्रतीक है, मिट्टी देने का उद्देश्य पृथ्वी पर मेरा आधिपत्य होने से है, कंकड़ देकर यह कामना व्यक्त हो गई है कि अनेक दुर्ग अपने कब्जे में कर पाऊं और लीद अस्तबल का प्रतीक है, अर्थात् उनकी इच्छा है कि असंख्य अश्वाधिपति मेरे अधीन रहें।'

इस प्रकार राजधर्म को समझकर शिवाजी ने अपनी शक्ति का विस्तार किया और न्याय नीति की स्थापना की।

सुडोकु 2093

		6	4					
					5		3	
				2		7		1
		9					6	8
4			8					
		3					2	
5	1					8		
	2			4				
			7	8			9	

संकेत: आड़े, खड़े व 3 गुणा 3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सुडोकु 2092 का हल

8	9	7	3	4	1	2	5	6
4	3	2	8	5	6	9	1	7
1	5	6	7	9	2	3	8	4
5	6	1	2	3	8	7	4	9
7	2	9	4	6	5	8	3	1
3	8	4	9	1	7	5	6	2
9	1	3	5	2	4	6	7	8
6	7	5	1	8	9	4	2	3
2	4	8	6	7	3	1	9	5

धनुष ने जीता एयर राइफल का स्वर्ण, मुर्तजा को रजत

डेफलिंपिक्स में भारत की शानदार शुरुआत

विशेष संवाददाता

टोक्यो। भारत के युवा निशानेबाज धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे डेफलिंपिक्स में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोल दिया। 23 वर्षीय धनुष ने फाइनल में 252.2 अंक बनाते हुए डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। भारत के ही मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दक्षिण कोरिया के बैक स्यूंघाक को 223.6 अंक के साथ कांस्य मिला।

क्वालिफिकेशन में भी बनाया रिकॉर्ड

धनुष ने क्वालिफिकेशन राउंड में 630.6 अंक बनाकर डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड कायम किया। मुर्तजा 626.3 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फाइनल में धनुष ने न सिर्फ डेफलिंपिक्स रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि डेफ फाइनल वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। यह उनके कॅरियर का दूसरा पुरुष 10 मीटर एयर राइफल डेफलिंपिक्स स्वर्ण है। 2022 के कैक्सियास डू सुल डेफलिंपिक्स में उन्होंने व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम दोनों में स्वर्ण जीते थे।

मिश्रित टीम में नजरें चौथे स्वर्ण पर

धनुष अब सोमवार को महित संधू के साथ 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम इवेंट में उतरेंगे, जहां उनका लक्ष्य अपने कॅरियर का चौथा डेफलिंपिक्स स्वर्ण हासिल करना होगा।

महिला वर्ग में महित संधू को रजत

महिला 10 मीटर एयर राइफल में भारत की महित संधू (20 वर्ष) ने 250.5 अंक के साथ रजत पदक जीता। भारत की कोमल वाघमारे (228.3) को कांस्य मिला, जबकि यूक्रेन की लिडकोवा वायोलेटा ने 252.4 अंक के विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता।

धनुष की मां ने कही यह बात

धनुष की मां आशा श्रीकांत ने कहा, 'धनुष काफी आत्मविश्वास में था। उसकी रैंकिंग पिछले साल से थोड़ी उतार-चढ़ाव में थी, लेकिन यह प्रदर्शन उसके लिए बहुत प्रेरणादायक है।' उन्होंने बताया कि धनुष पहले राष्ट्रीय स्तर पर नंबर-1 पर भी पहुंच चुके हैं। बचपन से श्रवण बाधित धनुष के दो बार कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी हुई, पहली एक साल की उम्र में और दूसरी नौ साल की उम्र में। उन्होंने आगे कहा, 'वह मशीन के सहारे सुनता है। वह कुछ ही शब्द बोल पाता है और ज्यादातर इशारों के जरिए समझाता है।'

भारत ने तीन दिन में गंवाया कोलकाता टेस्ट

दूसरी पारी में 93 रन पर सिमटी भारतीय टीम, 30 रन से जीती अफ्रीका

साउथ अफ्रीका से घर में 15 साल बाद मिली हार

हार्मर बने काल, 8 विकेट ले तोड़ी बल्लेबाजों की कमर

महानगर टाइम्स संवाददाता

कोलकाता। साउथ अफ्रीका की टीम ने भारत को पहले टेस्ट मैच में 30 रन से हरा दिया है। 124 रन का टारगेट का पीछा करते हुए भारतीय टीम 93 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका की टीम ने इस मैच में जीत हासिल कर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में साइमनहार्मर ने कुल 8 विकेट लिए और भारतीय बैटर्स को अपना शिकार बनाया।

कप्तान शुभमन गिल चोटिल होने की वजह से दूसरी पारी में बैटिंग करने नहीं आए। वहीं, भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों पर 31 रन की पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। साउथ अफ्रीका की जीत के रियल हीरो साइमनहार्मर रहे, जिन्होंने कुल 8 विकेट चटकाए।

कप्तान के तौर पर बावुमा की चमक बरकरार

इस मैच में दक्षिण अफ्रीका जीत दर्ज कर सकी, तो उसका सबसे बड़ा कारण कप्तान बावुमा हैं। भारतीय टीम ने पहली पारी के आधार पर बढ़त ली थी और फिर दूसरी पारी में गेंदबाजों ने मेहमान टीम को सस्ते में रोक दिया था, लेकिन बावुमा टिके रहे और उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाया, जिससे टीम भारत के सामने 120+ रन का लक्ष्य रखने में सफल रही। कप्तान के तौर पर वह अब तक अपराजेय चल रहे हैं। उन्होंने 11 टेस्ट मैच में टीम की कमान संभाली है, जिसमें से 10 में टीम को जीत मिली है।

साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारत ने 30 रन की बढ़त हासिल करते हुए 189 रन बनाए थे। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की टीम 153 रन पर ढेर हो गई थी। टेम्बा बावुमा ने 55 रन की नाबाद पारी खेली थी। सिर्फ टेम्बा ही कोलकाता टेस्ट में अर्धशतक जड़ सकें।

2010 के बाद भारतीय जमीन पर द.अफ्रीका ने जीता टेस्ट: दक्षिण अफ्रीका के लिए इस टेस्ट मैच में जीत हासिल करना विशेष है। उसने इस मैच से पहले आखिरी बार भारतीय जमीन पर फरवरी 2010 में टेस्ट मैच जीता था। उस वक्त टीम ने भारत को पारी और छह रनों से हराया था। इसके बाद उसने भारत के खिलाफ भारत में आठ टेस्ट मैच खेले, जिसमें से भारतीय टीम ने सात मैच जीते, जबकि एक ड्रॉ रहा, लेकिन बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका ने इस तिलिस्म को तोड़ा और 15 वर्षों का सूखा समाप्त करने में सफल रही।

ईडन गार्डेंस में मुश्किल है चेज

ईडेन गार्डेंस में टेस्ट में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीमें कम ही सफल होती हैं। ईडेन गार्डेंस में सबसे सफल लक्ष्य का बात करें तो 2004 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 117 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। इसके बाद इस मैदान पर कभी 100 से अधिक रनों का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है। भारत के पास इस मैच में इस मैदान पर टेस्ट मैच का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का मौका था, लेकिन टीम इसमें सफल नहीं हो सकी।

खराब शॉट खेलकर आउट हुए अक्षर

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने एक रन के स्कोर पर यशस्वी और केएल राहुल दोनों के विकेट गंवा दिए थे। भारत को वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल ने संभालने की कोशिश की, लेकिन यह साझेदारी भी ज्यादा देर नहीं चली। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन वाशिंगटन सुंदर ने बनाए, जो 31 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने केशव महाराज पर लगातार चौके-छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाने की कोशिश भी की, लेकिन खराब शॉट खेलकर वह पवेलियन लौट गए। अक्षर को आउट करने के बाद केशव ने मोहम्मद सिराज को आउट कर भारत की पारी ढेर कर दी। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने 18, ध्रुव जुरेल ने 13, ऋषभ पंत ने 2, केएल राहुल ने 1 और कुलदीप यादव ने 1 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह खाता खोले बिना नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका के लिए सिमोन हार्मर ने चार विकेट लिए, जबकि मार्को यानसेन और केशव महाराज ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, एडेन मार्कराम को एक विकेट मिला।

> यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसका हमें इंतजार था। इसमें कोई भी कमी नहीं थी और न ही ऐसा था कि ये खेलने लायक नहीं है।
>
> *गौतम गंभीर, भारतीय टीम के मुख्य कोच*

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट टेबल में भारत का नुकसान

कोलकाता टेस्ट मैच में मिली हार के साथ टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्टचैंपियनशिप के चौथे संस्करण की प्वाइंट्स टेबल में भी भारी नुकसान हुआ है, जिसमें वह अब सीधे चौथे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं उसके कुल अब 54.17 अंक प्रतिशत हैं। टीम इंडिया ने अभी तक डब्ल्यूटीसी के इस चक्र में कुल 8 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से चार में जहां उन्होंने जीत हासिल की है, वहीं तीन में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी तरफ साउथ अफ्रीकी टीम को लेकर बात की जाए तो उनको कोलकाता टेस्ट में मिली जीत से काफी फायदा हुआ है, जिसमें वह चौथे पायदान से सीधे अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

इंडिया-ए ने साउथ अफ्रीका-ए को लगातार दूसरा वनडे हराया

9 विकेट से जीत दर्ज की, गायकवाड़ ने 68 रन बनाए, निशांत को 4 विकेट

महानगर टाइम्स संवाददाता

राजकोट। इंडिया-ए ने साउथ अफ्रीका-ए को लगातार दूसरा अनऑफिशियल वनडे हरा दिया। राजकोट स्टेडियम में भारत ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहला वनडे भारत ने 4 विकेट से जीता था। रविवार को साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। लेफ्ट आर्म स्पिनर निशांत के 4 विकेट ने अफ्रीकी टीम को 150 रन भी नहीं बनाने दिया। टीम 30.3 ओवर में 132 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रिवाल्डो मूनसामी ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। 133 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 27.5 ओवर में टारगेट चेज कर लिया। ओपनर ऋतुराज गायकवाड ने लगातार दूसरे मैच में 50+ स्कोर बनाया। उन्होंने पहले वनडे में 117 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की तरफ से लुथो सीपामला ने एक विकेट लिए।

ग्लोबल

लंदन की नदी में भारतीय के पैर धोने से विवाद

सोशल मीडिया यूजर बोले- गंगा-यमुना काफी नहीं, टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो

विशेष संवाददाता

लंदन। लंदन की मशहूर टेम्स नदी में एक भारतीय युवक के पैर धोने से विवाद छिड़ गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि उसने नदी में नहाने की भी कोशिश की थी। टेम्स नदी लंदन की पहचान मानी जाती है और इसके किनारे संसद भवन, लंदन आई और टावर ब्रिज जैसी मशहूर जगहें हैं। जब यह वीडियो इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सामने आया, तो लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि गंगा-यमुना काफी नहीं थीं, अब टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो।

एक अन्य ने लिखा कि इंडियन आदमी टेम्स में पैर धो रहा है, लोग नाराज हैं। ये कैसी हरकतें हैं?

लोगों ने पूछा- आखिर इसमें दिक्कत क्या है: कई सोशल मीडिया यूजर्स ने युवक के सपोर्ट में भी ट्वीट किए हैं। एक यूजर ने लिखा कि पैर धोने में आखिर समस्या क्या है। सम्मान के साथ पूछ रहा हूं, इसमें दिक्कत क्या है?

एक यूजर ने पूछा- क्या पानी में पैर डालना गैरकानूनी है? एक यूजर ने लिखा कि नदी का रंग ही बता रहा है कि इसमें कुछ भी धोना ठीक नहीं। दूसरे ने मजाक में कहा- भाई, पैर मत धोओ, लोग यही पानी पीते हैं।

लंदन के बीच से गुजरती है टेम्स: टेम्स नदी लंदन शहर के बीच से गुजरती है और सदियों से शहर के विकास, व्यापार और परिवहन का मुख्य आधार रही है। रोमन साम्राज्य के समय से ही यह नदी महत्वपूर्ण रही है। लंदन शहर की स्थापना भी इसी नदी के किनारे हुई थी। टेम्स नदी पर लंदन ब्रिज, टॉवर ब्रिज, वेस्टमिंस्टर पैलेस, लंदन आई और टेम्स बैरियर जैसे फेमस ब्रिज हैं। नदी के किनारे कला, संगीत, थियेटर और त्योहारों से जुड़ी कई एक्टिविटी होती हैं। टेम्स पर की जाने वाली क्रूज यात्राएं लंदन के प्रमुख आकर्षणों में से हैं।

नदी में फैले प्रदूषण पर भी चर्चा शुरू: इस विवाद के बीच, नदी की सफाई और प्रदूषण पर भी चर्चा शुरू हो गई। 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेम्स नदी के कई हिस्सों में ई.कोली बैक्टीरिया और सीवेज के प्रदूषण की मात्रा काफी बढ़ गई है। जांच में यह भी पाया गया कि नदी में गीले वाइप्स और प्लास्टिक का कचरा जमा होकर वेट वाइप आइलैंड्स जैसी बड़ी ढेरियां बन चुकी हैं। ऐसा ही एक बड़ा ढेर हेमरस्मिथ ब्रिज के पास मिला है।

ब्रिटेन में 80% भारतीयों को भेदभाव झेलना पड़ा

भारतीय समुदाय को दुनिया भर में पिछले कुछ सालों से लगातार नस्लीय भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल लंदन के मेयर सादिक खान ने दीपावली की बधाई देते हुए वीडियो शेयर किया था, इस पर भारतीयों को निशाना बनाते हुए कई नस्लीय कमेंट किय गए थे। ब्रिटिश संसद में 2021 में पेश एक प्रस्ताव में कहा गया था कि ब्रिटेन में 80% भारतीयों को अपने भारतीय होने के कारण भेदभाव झेलना पड़ता है, जिसमें हिंदूफोबिया सबसे ज्यादा पाया गया।

भारतीय के खिलाफ सोशल मीडिया पर भी नफरत बढ़ी

साल 2025 की शुरुआत से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीयों के खिलाफ नस्लीय भेदभाव और नफरत में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

- अमेरिका के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गनाइज हेट की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से सितंबर 2025 के बीच कुल 680 हाई-इंगेजमेंट पोस्ट की गई, जिन्हें मिलाकर 281 मिलियन व्यूज मिले। इनमें 70% से ज्यादा में भारतीयों के खिलाफ जॉब थीफ, इन्वेडर और डिपोर्ट करो जैसे पोस्ट किए गए।
- 12 अगस्त 2025 को फ्लोरिडा में एक सिख ट्रक ड्राइवर के कारण हुए दुर्घटना में 3 लोगों की मौत हुई। इस घटना को कई खातों ने बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और भारतीयों व सिखों के खिलाफ नफरत फैलाने का जरिया बनाया। सिर्फ इस घटना से जुड़े 74 पोस्टों को 94.9 मिलियन व्यूज मिले।

भारत के 'विकास मॉडल' की दुनियाभर में चर्चा

जलवायु परिवर्तन-गरीबी सहित कई चुनौतियों से निपटने के कारण हो रही तारीफ

संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के कार्यवाहक प्रशासक एवं संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव हाओलियांग शू ने कहा है कि भारत ने यह प्रदर्शित किया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। वह अपनी सफलता की कहानियों को एक अधिक समतापूर्ण विश्व के लिए वैश्विक सबक में बदलने में मदद कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विकास गाथा केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन के उपयोग के बारे में भी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विकास के उद्देश्य प्राप्त हों और इसके लाभ से कोई भी वंचित न रहे।

एक साक्षात्कार में हाओलियांग शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक खाका प्रस्तुत करती है।

उन्होंने कहा कि भारत ऐसा 'विकास पथ' तैयार कर रहा है, जो आर्थिक रूप से सुदृढ़ और जलवायु-उत्तरदायी दोनों हो।

हाओलियांग शू डिजिटल परिवर्तन और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए, तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आए थे।

वैश्विक चुनौतियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यूएनडीपी के नवीनतम मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और पिछले दो वर्षों से यह लगभग स्थिर है। साथ ही, उन्होंने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के विकास माडल की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हम विकास के उद्देश्यों, सभी स्रोतों से विकास वित्तपोषण और जवाबदेह एवं समावेशी संस्थागत क्षमता को और भी बेहतर ढंग से प्रभावी करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।'

उन्होंने विशेष रूप से भारत के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत का उल्लेख किया और कहा कि ये कार्यक्रम आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ते हैं।

दक्षिण चीन सागर में चीनी सेना का शक्ति प्रदर्शन

बीजिंग

चीनी सेना ने रविवार को फिलीपींस से कहा कि वह दक्षिण चीन सागर में उकसावे वाली घटनाएं और तनाव को और बढ़ाना तुरंत बंद करे। साथ ही सेना ने रविवार को विवादित दक्षिण चीन सागर में बमवर्षक विमानों की टुकड़ी के साथ गश्त की। इसे फिलीपींस के लिए चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उसकी नौसेना ने अमेरिका और जापान के साथ संयुक्त गश्त की थी। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से का दावा करता है। उसका फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के साथ समुद्री विवाद है।

चीनी सेना के दक्षिणी थिएटर कमान ने कहा कि उसने फिलीपींस के संयुक्त गश्त के बीच बांबर फॉर्मेशन पेट्रोल किया है। यह पहली बार है, जब उसने इस तरह के कदम की घोषणा की है। चीन की यह गश्त जापान के साथ अचानक बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि के बीच हुई है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा था कि एक विध्वंसक सहित तीन चीनी जहाज ओसुमी स्ट्रेट से होते हुए प्रशांत महासागर में जाने से पहले क्यूशू द्वीप पर कागोशिमा के दक्षिण से गुजरे थे।

जापान में अपने छात्रों के लिए चीन ने जारी किया अलर्ट

जानकारी के अनुसार, बीजिंग ने रविवार को अपने छात्रों से जापान में पढ़ाई पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। बीजिंग ने देश में अस्थिर सुरक्षा माहौल का हवाला देते हुए यह बात कही। यह टिप्पणी जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची द्वारा हाल ही में संसद में ताइवान पर दिए गए बयान के बाद आई है, जिसकी चीन ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे लापरवाह बयानबाजी बताया है।

अमेरिका परमाणु अभ्यास: निष्क्रिय बम से दो माह पहले ही किया परीक्षण

वॉशिंगटन

अमेरिका ने परमाणु बमों की श्रृंखला के परीक्षण की जानकारी दी है। हालांकि, जिन बमों के साथ इस अभ्यास को अंजाम दिया गया, वे निष्क्रिय थे। अमेरिकी ऊर्जा विभाग की सैंडिया राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं ने बताया कि अमेरिका ने अपने स्टील्थ एफ-35ए लड़ाकू विमान से परिवहन किए जा सकने वाले बी61-12 परमाणु गुरुत्व बम के महत्वपूर्ण उड़ान परीक्षणों की श्रृंखला को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। प्रयोगशाला की तरफ से जारी रिपोर्ट्स के अनुसार, यह परीक्षण 19 अगस्त से 21 अगस्त तक नेवादा के टोनोपा परीक्षण रेंज में यूटा के हिल एयर फोर्स बेस के सहयोग से किया गया। परीक्षणों में बी61-12 की निष्क्रिय इकाइयों को एफ-35ए विमान से सफलतापूर्वक छोड़ा गया।

ब्रिटेन में स्थाई निवास के लिए करना पड़ सकता है 20 साल तक इंतजार

लंदन

ब्रिटेन अपनी शरण प्रणाली में आधुनिक समय का सबसे बड़ा बदलाव करने जा रहा है। नई लेबर सरकार ने साफ कर दिया है कि अब शरण पाने वाले लोगों को स्थाई निवास जल्दी नहीं मिलेगा। पहले जहां पांच साल बाद स्थायी निवास का रास्ता खुल जाता था, अब यह इंतजार बढ़कर 20 साल तक जा सकता है।

क्या बदलने वाला है?: ब्रिटेन की नई योजना के मुताबिक, शरण का दर्जा अब अस्थायी होगा। हर ढाई साल में यह दर्जा दोबारा जांचा जाएगा। अगर इस दौरान शरणार्थी के अपने देश में हालात सुरक्षित हो जाते हैं, तो उसे वापस भेज दिया जाएगा। कानूनी रास्तों से आने वाले लोगों के लिए भी स्थायी निवास का इंतजार पांच से बढ़कर 10 साल किया जाएगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा, 'हमारा सिस्टम नियंत्रण से बाहर है। यह समुदायों पर भारी दबाव डाल रहा है। इसे ठीक करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि ब्रिटेन में एक न्यायपूर्ण शरण व्यवस्था बनी रहे।'

खुद को संभाल सकते हैं, फिर भी सरकारी मदद क्यों?: सरकार उन लोगों की आवास और वित्तीय सहायता भी बंद करेगी, जिन्हें काम करने का अधिकार है और जो खुद खर्च उठा सकते हैं, लेकिन फिर भी सरकारी सहायता ले रहे हैं। महमूद के अनुसार, 'अगर ब्रिटेन नागरिक नियमों का पालन करते हैं, तो दूसरे लोगों के लिए अलग नियम क्यों हों?'

क्यों कर रही है सरकार ये बदलाव?

लेबर सरकार का कहना है, पिछले चार साल में चार लाख लोगों ने ब्रिटेन में शरण मांगी। इनमें से एक लाख से ज्यादा लोग आज टैक्सदाताओं के पैसे से आवास और अन्य सुविधाएं पा रहे हैं। कई शहरों और कस्बों में इसका असर साफ दिख रहा है। असंतोष बढ़ रहा है और राजनीतिक तनाव भी। शबाना महमूद ने कहा, 'गैर-कानूनी प्रवासन हमारे समाज को बांट रहा है। यह एक नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इसे ठीक करें।'

विपक्ष की राय और मानवाधिकार संगठनों की चिंता

कई कंजरवेटिव नेताओं ने इसे 'सही दिशा में कदम' बताया। कुछ ने इसे 'काफी सख्त नहीं' कहा। लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने भी सरकार के प्रयासों को स्वीकार किया और कहा कि 'अव्यवस्था को संभालना जरूरी है।' ब्रिटेन की शरणार्थी परिषद ने इन नीतियों की आलोचना की। उनका कहना है, लोग जान बचाने के लिए भागते हैं, वे 'असाइलम शॉपिंग' नहीं करते। ज्यादातर लोग ब्रिटेन इसलिए आते हैं क्योंकि उनके परिवार यहां रहते हैं या उन्हें अंग्रेजी भाषा की बुनियादी समझ है। इतनी लंबी अनिश्चितता शरणार्थियों की मानसिक स्थिति और भविष्य पर भारी असर डाल सकती है।

facebook YouTube Twitter
देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में मेवात के 4 संदिग्धों को राहत, 3 दिन की पूछताछ के बाद रिहा

महानगर टाइम्स संवाददाता

नूंह। दिल्ली के लाल किले के नजदीक 10 नवंबर को हुए भयानक कार ब्लास्ट मामले में मेवात क्षेत्र से जुड़े चार संदिग्धों को बड़ी राहत मिली है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और दिल्ली पुलिस ने तीन दिन की कड़ी पूछताछ के बाद इन्हें रिहा कर दिया। हालांकि, जांच का दायरा मेवात में और फैल गया है, जहां लावारिस मोबाइल फोन और सीसीटीवी फुटेज से नए सुराग मिले हैं। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और 20 से अधिक घायल हुए।

मिली जानकारी के मुताबिक हिरासत में लिए गए चारों डॉक्टर रेहान निवासी नूंह, फिरोजपुर झिरका के अहमदबास निवासी मोहम्मद, डॉक्टर मुस्तकीम निवासी सुनहेड़ा और खाद विक्रेता दिनेश सिंगला उर्फ डब्बू निवासी पिनगवा पर मुख्य आरोपी कथित आतंकी डॉक्टर उमर नबी से संपर्क, विस्फोटक सामग्री की खरीद-फरोख्त और चैटिंग के जरिए संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इन चारों के तार अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़े बताए जा रहे थे। इसी यूनिवर्सिटी में उमर ने एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। पूछताछ में कोई ठोस सबूत या डिजिटल फुटप्रिंट ना मिलने के कारण इन्हें छोड़ दिया गया। परिजनों ने रिहाई की पुष्टि की, लेकिन परिवार अभी मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हिरासत के दौरान इन संदिग्धों ने पूर्ण सहयोग किया और अपना पक्ष मजबूती से रखा। फिर भी, एनआईए इनकी निगरानी जारी रखेगी। गौरतलब है कि 10 नवंबर की शाम करीब 6:50 बजे दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 1 के पास एक हुंडई कार में जबरदस्त विस्फोट हुआ। इस हादसे में 13 लोग मारे गए जिनमें कार में सवार तीन लोग भी थे, जबकि 20 से अधिक घायल हुए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है। दिल्ली पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम की धारा व एक्सप्लोसिव सब्सटेंस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। मुख्य आरोपी डॉक्टर उमर नबी अल फलाह यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र ने कार को खुद ही चलाया था। माना जा रहा है कि कार में अधिकारियों ने अमोनियम नाइट्रेट-आधारित विस्फोटक सामग्री को लादा गया था, जो विस्फोटक बनाने के लिए मेवात की खाद दुकानों से खरीदा गया। जांच एजेंसियों के दावे के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि उमर ने ब्लास्ट से पहले फरीदाबाद से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे वाया मेवात के रास्ते को अपनाया, जहां वो रोडसाइड ढाबे पर रुका और कार में ही रात बिताई।

पाकिस्तान से जुड़े हथियार-ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़ 5 गिरफ्तार, 6 पिस्तौल और 1.1 किलो हेरोइन जब्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से संचालित एक खतरनाक हथियार और मादक पदार्थ नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। खुफिया जानकारी के आधार पर अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच आरोपियों को धर दबोचा। उनके कब्जे से छह अत्याधुनिक पिस्तौल (पांच।30 बोर और एक ग्लॉक 9 मिमी) तथा 1 किलो 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कार्रवाई की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि आरोपी सोशल मीडिया और ड्रोन के जरिए पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे और पंजाब में हथियारों-ड्रग्स की तस्करी व वितरण का समन्वय करते थे। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत छेहरटा और कैंटोनमेंट थानों में एफआईआर दर्ज की है। पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए गहन जांच जारी है। यह कार्रवाई अमृतसर के सीमावर्ती इलाकों में हुई, जहां पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स की खेपें आती रही हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पंजाब के विभिन्न हिस्सों में नेटवर्क चला रहे थे। वे व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर पाकिस्तानी संचालकों से कोड वर्ड्स में बात करते थे। ड्रोन से सामान सीमा पार फेंका जाता था, जिसे लोकल एजेंट उठाते थे। हेरोइन की यह खेप अफगानिस्तान से पाकिस्तान होते हुए भारत लाई गई थी। हथियार ऑस्ट्रिया और अमेरिका मूल के हैं, जो आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो सकते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर के निवासियों के रूप में हुई है। मुख्य सरगना एक पूर्व तस्कर बताया जा रहा है, जो जेल से छूटने के बाद फिर सक्रिय हो गया। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन, सिम कार्ड और ड्रोन पार्ट्स भी जब्त किए।

डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस भारत-पाक सीमा पर तस्करी रोकने और जन सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ महीनों में ड्रोन आधारित तस्करी के 50 से अधिक मामले सामने आए हैं, जिनमें 100 से ज्यादा ड्रोन जब्त हुए।

मुंबई के नेवल डॉक पर आतंकवादी हमले की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

महानगर टाइम्स संवाददाता

मुंबई। मुंबई के नेवल डॉक पर रविवार को आतंकवादी हमले की धमकीभरा कॉल आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को आंध्र प्रदेश का बताया, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की तह तक जाने की कोशिश में जुटी हैं। पुलिस के मुताबिक, जहांगीर शेख नाम के एक शख्स ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल किया। उसने बताया कि वह आंध्र प्रदेश से बात कर रहा है और उसे किसी दूसरे आदमी ने नेवल डॉक पर होने वाले आतंकवादी हमले के बारे में बताकर सतर्क रहने को कहा था। जैसे ही फोन आया, पुलिस ने बिना देर किए प्रोटोकॉल के हिसाब से जांच शुरू कर दी, लेकिन अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति पुलिस को नहीं मिली है। इसी बीच मुंबई पुलिस ने फोन करने वाले जहांगीर शेख को हिरासत में ले लिया है। शुरुआती पूछताछ में उसने बताया कि वह फोन करते समय शराब के नशे में था। संभव है कि उसने नशे में बिना सोचे-समझे इतनी बड़ी बात बोल दी हो, हालांकि पुलिस अभी जांच कर रही है ताकि पक्का हो सके कि यह सिर्फ नशे में की गई हरकत थी या इसके पीछे कोई बड़ी बात छिपी है।

असम सरकार का सख्त एक्शन, दिल्ली ब्लास्ट के समर्थन में पोस्ट करने वाले 21 लोग गिरफ्तार

महानगर टाइम्स संवाददाता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली में हुए आतंकवादी हमलों के समर्थन में ऑनलाइन गतिविधियों में शामिल 21 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की घोषणा की है। गिरफ्तार किए गए लोग असम के विभिन्न जिलों से हैं, जिनमें दरांग, गोलपाड़ा, नलबाड़ी, चिरांग, कामरूप, बोंगाईगांव, हैलाकांडी, लखीमपुर, बारपेटा, होजाई, दक्षिण सलमारा, बजाली और धुबरी शामिल हैं। असम पुलिस ने सोशल मीडिया पर राष्ट्र-विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। मुख्यमंत्री सरमा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'असम पुलिस ने एक और राष्ट्र-विरोधी को गिरफ्तार किया है, जिससे कुल संख्या 21 हो गई है। हम दिल्ली आतंकी हमले के पीछे छिपे आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन समर्थन व्यक्त करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

सीएम फडणवीस ने एकनाथ शिंदे को दिया तगड़ा झटका

बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक के चेयरमैन बने उद्धव ठाकरे

महानगर टाइम्स संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एनडीए की सहयोगी पार्टी शिवसेना को करारा झटका दिया है। सीएम फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक का चेयरमैन चुना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक के चेयरमैन पद से उद्धव ठाकरे को हटाने की मांग कर रही थी।

बालासाहेब ठाकरे ने 1966 में शिवसेना की स्थापना की थी। इसके बाद पार्टी पूरे राज्य में फैल गई। हालांकि, 2022 में एकनाथ शिंदे ने मूल शिवसेना से बगावत कर दी। इसके कारण शिवसेना दो धड़ों में बंट गई। शिवसेना के दोनों गुट अभी लड़ रहे हैं। इस बीच, मुंबई के शिवाजी पार्क में शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का राष्ट्रीय स्मारक है। शिवसेना नेता रामदास कदम ने उद्धव ठाकरे को इस स्मारक के चेयरमैन पद से हटाने की मांग की थी। इस बीच, इस राष्ट्रीय स्मारक को लेकर एक अहम खबर सामने आ रही है। उद्धव ठाकरे को इस

स्मारक का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह आदेश मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाले सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किया गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, उद्धव ठाकरे को बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक का चेयरमैन नियुक्त किया गया है, जबकि सुभाष देसाई को सचिव और आदित्य ठाकरे को सदस्य नियुक्त किया गया है।

बालासाहेब ठाकरे की स्मृति को संजोए रखने के लिए, मुंबई में भव्य स्मारक बनाने के लिए दादर के शिवाजी पार्क स्थित 'मेयर बंगले' स्थल का चयन किया गया है। इस स्मारक के लिए एक सरकारी सार्वजनिक न्यास की स्थापना की गई है। जिसके अनुसार, 27 सितंबर, 2016 को एक सरकारी निर्णय द्वारा उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में एक सार्वजनिक न्यास और संस्था की स्थापना की गई। उद्धव ठाकरे ने 2019 में बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक सार्वजनिक न्यास के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। न्यास के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन और नियम एवं विनियमों के ए। क्रमांक 14 के प्रावधानों के अनुसार, न्यास के चेयरमैन और अन्य सदस्यों की प्रथम नियुक्ति की 3 वर्ष की अवधि समाप्त हो गई है। पदेन सदस्यों को छोड़कर, चेयरमैन और सदस्यों के पदों को भरने के संबंध में आदेश 13 मार्च, 2020 को जारी किया गया था। ट्रस्ट के चेयरमैन और पदेन सदस्यों को छोड़कर अन्य सदस्यों का 5 वर्ष का कार्यकाल 11 मार्च, 2025 को समाप्त हो गया। सुभाष राजाराम देसाई ने मुंबई पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत 'बालासाहेब ठाकरे राष्ट्रीय स्मारक' नामक एक सार्वजनिक ट्रस्ट की स्थापना की है और यह संस्था सहकारी समिति पंजीकरण अधिनियम, 1960 के तहत पंजीकृत है। इसलिए, राज्य सरकार ने चेयरमैन और अन्य सदस्यों का चयन किया है।

शिवसेना (यूबीटी) ने फैसले का स्वागत किया

पूर्व महापौर और शिवसेना (यूबीटी) की उपनेता किशोरी पेडनेकर ने कहा कि नए सरकारी आदेश से साफ हो गया है कि राज्य सरकार ने शिवसेना नेता कदम की मांग को खारिज कर दिया है। 'हम सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। हम खुश हैं।' पेडनेकर ने कहा कि उद्धव ठाकरे बालासाहेब के बेटे हैं। आदित्य ठाकरे उनके पोते हैं। इसलिए कोई कुछ भी कहे, यही हमारी असली शिवसेना है। अंततः सरकार द्वारा लिया गया निर्णय बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार में एक सभ्य विचारक हैं। अंततः, हमारे और उनके बीच चाहे कितने भी वैचारिक मतभेद हों, वह एक सभ्य नेता हैं।' उद्धव ठाकरे के स्मारक के चेयरमैन पद से हटाने की शिवसेना नेता रामदास कदम की मांग पर किशोरी पेडनेकर ने कहा, 'वे अमानवीय और एहसान फरामोश लोग हैं उनके बारे में हम क्या कह सकते हैं?' पेडनेकर ने कहा कि बालासाहेब के रहते उन्हें कोई अपने करीब नहीं ला पाया था। ठाकरे ने उन्हें बड़ा बनाया। उन्हें मंत्री पद दिया। हालांकि, अब वे एहसान फरामोश हो गए हैं।

नौसेना की ताकत में होगा इजाफा

24 नवंबर को सेवा में शामिल होगा पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत 'माहे'

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पनडुब्बी-रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत 'माहे' 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह एक शैलो-वॉटर क्राफ्ट है। यानी यह युद्धपोत समुद्र की बजाय तटीय जल क्षेत्र या नदी मुहाने जैसे उथले पानी वाले क्षेत्रों के लिए डिजाइन किया गया है। यह टॉरपीडो, कई भूमिका वाली पनडुब्बी-रोधी मिसाइल, उन्नत रडार और सोनार से सुसज्जित है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए युद्धपोत बना रहा है, जिनमें यह पहला है, जिसका नाम माहे है। यह नाम पुडुचेरी के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर माहे के नाम पर रखा गया है और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रतीक है। नौसेना प्रवक्ता ने कहा, ताकत, छिपकर काम करने की क्षमता और गतिशीलता के साथ यह जहाज पनडुब्बियों का शिकार करने, तटीय गश्त करने और भारत के अहम समुद्री मार्गों की सुरक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया है। टॉरपीडो और पनडुब्बी रोधी रॉकेट से सुसज्जित माहे-श्रेणी का पहला जहाज 23 अक्टूबर को नौसेना को सौंपा गया था।

नौसेना प्रवक्ता ने कहा कि 24 नवंबर को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में 'माहे' को शामिल करने के साथ ही नौसेना की देशी जहाज निर्माण की यात्रा में एक और मील का पत्थर छूने वाला है। उन्होंने कहा, 'माहे' आत्मनिर्भर भारत पहल में नौसैनिक जहाज डिजाइन और निर्माण की अत्याधुनिक तकनीक का प्रतिनिधित्व करता है। छोटा होने के बावजूद यह जहाज शक्तिशाली है और तेजी, सटीकता का प्रतीक है। 80 फीसदी से अधिक देशी सामग्री के साथ माहे-श्रेणी भारत की युद्धपोत डिजाइन, निर्माण और एकीकरण में बढ़ती महारत को दर्शाता है। मलाबार तट के ऐतिहासिक तटीय शहर के नाम पर रखे गए इस जहाज के प्रतीक चिह्न में 'उरुमी', केरल की मार्शल आर्ट 'कलारिप्पायट्टू' की तलवार दिखाई देती है, जो तेजी, सटीकता और मारक क्षमता का प्रतीक है।

डंपर-सूमो की टक्कर में 4 लोगों की मौत, चारों ओर मची चीख पुकार

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शनिवार रात को एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक 10 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। यह हादसा रात करीब 10:30 बजे तब हुआ जब एक डंपर और सूमो यात्री वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

पूरा परिवार शोक में डूबा: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस घटना से महवारा इलाके में मातम पसर गया है। मृतकों की पहचान महवारा निवासी 10 वर्षीय जैनब के रूप में हुई है। इस हादसे में उसके पिता निसार अहमद राथर और दो अन्य रिश्तेदार बशीर अहमद राथर और खातून की भी जान चली गई है। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

सात घायल, कई अस्पताल में भर्ती: इस दुर्घटना में सात लोग घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं दो घायलों का इलाज बडगाम ज़िला अस्पताल में चल रहा है।

पंजाब: संघ नेता के पोते की दिन-दहाड़े गोली मारकर हत्या, लोगों में आक्रोश

महानगर टाइम्स संवाददाता

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में आरएसएस नेता के पोते की दिन-दहाड़े बाजार में गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी के

मुताबिक, आरएसएस के वरिष्ठ नेता दीनानाथ के पोते नवीन कुमार जब अपनी दुकान की ओर जा रहे थे, तभी दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। एक गोली उनके सिर में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़े। जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, तो वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृत युवक के पिता बलदेव कृष्ण अरोड़ा ने बताया कि 'वे दुकान पर बैठे थे तभी उनका बेटा कहने लगा कि वह बच्चों को पार्क में ले जा रहा है। कुछ देर बाद लड़के दौड़ते हुए दुकान पर आए और बताया कि किसी ने उनके बेटे नवीन को गोली मार दी है।' भीड़-भाड़ वाले बाजार में गोलियां चलते ही फिरोजपुर में दहशत का माहौल फैल गया। लोग अपनी दुकानें बंद करके चले गए। जिस जगह पर गोली मारी गई वह शहर के बिल्कुल बीचो-बीच स्थित है। इस घटना को लेकर दुकानदारों में भारी रोष देखा गया। उन्होंने मौके पर सरकार और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा नेता राजेश मेहता ने कहा कि हत्या की इस घटना से दहशत का माहौल बन गया है।

अटारी-वाघा बॉर्डर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव

शाम 4:30 से 5 बजे तक होगी, सर्दियों के दौरान लागू रहेगा नया टाइम टेबल

महानगर टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। सीमा सुरक्षा बल ने अटारी-वाघा बॉर्डर पर रोजाना होने वाली प्रसिद्ध बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया है। बढ़ती ठंड और दिन छोटे होने की सूरत में दिन की रोशनी और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लागू किया गया है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि नए नियम के अनुसार-सेरेमनी 4:30 बजे शुरू होगी और 5 बजे समाप्त होगी।पहले इसका समय 5 से 5:30 बजे तक था। इस बदलाव का उद्देश्य यह है कि सर्द मौसम में शाम जल्दी ढलने और तापमान तेजी से गिरने के कारण पर्यटक बिना किसी परेशानी के बेहतर माहौल में इस ऐतिहासिक सेरेमनी का आनंद ले सकें।

पर्यटकों को मिलेगी अधिक सुविधा

अमृतसर और वाघा बॉर्डर के बीच प्रतिदिन हजारों लोग रिट्रीट सेरेमनी देखने पहुंचते हैं। ठंडी हवाओं और कम तापमान के बीच देर शाम की सेरेमनी में कई बुजुर्गों व बच्चों को दिक्कत होती थी। नए समय के तहत अंधेरा होने व ठंड बढ़ने से पहले सेरेमनी पूरी हो जाएगी। अंधेरे से पहले लोगों को वापस शहर लौटने में आसानी रहेगी। ऐसे में उनकी सुरक्षा व्यवस्था यकीनी बन पाएगी। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, सर्दियों के दौरान यह नया समय फिलहाल लागू रहेगा। अगर मौसम में और परिवर्तन होता है, तो समय में आगे भी बदलाव किया जा सकता है। यह सेरेमनी भारत और पाकिस्तान की सीमा पर रोजाना होने वाला एक प्रतिष्ठित सैन्य आयोजन है, जहां दोनों देशों के जवान दमदार मार्च, झंडा उतारने की प्रक्रिया और अनुशासन का अद्भुत प्रदर्शन करते हैं।

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल: जम्मू-कश्मीर में शिकंजा, एक डॉक्टर के घर पर छापा, मोबाइल जब्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल की जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। जांच एजेंसी उन सभी सुरागों का पता लगाने में जुटी है जिसके तार पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों से जुड़े हैं। इसी सिलसिले में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक डॉक्टर के घर पर छापेमारी की। इस दौरान बरामद मोबाइल को जब्त कर फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया।

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल पर शिकंजा कसता जा रहा है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक डॉक्टर के आवास पर छापेमारी कर तलाशी ली। अधिकारियों ने एजेंसी को बताया कि सीआईके के अधिकारियों ने रात के समय अनंतनाग इलाके के मलकनाग में छापेमारी की।

उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान सीआईके कर्मियों को पता चला कि हरियाणा की रहने वाली एक महिला डॉक्टर उस घर में किरायेदार के तौर पर रह रही थी। अधिकारियों ने बताया कि सीआईके ने घर से एक मोबाइल फोन जब्त कर लिया और उसे फोरेंसिक जांच के लिए ले गया।

इस बीच अधिकारियों के अनुसार ड्राई फ्रूट विक्रेता बिलाल अहमद वानी ने काजीगुंड इलाके में खुद को आग लगाने की कोशिश की। उसे उसके बेटे जसीर बिलाल के साथ पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल मामले में पूछताछ के लिए पकड़ा था। हादसे के बाद बिलाल अहमद को इलाज के लिए अनंतनाग के जीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उसकी हालत स्थिर है।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा में शामिल हुए सीएम मोहन, धीरेंद्र शास्त्री के साथ खाया प्रसाद

महानगर टाइम्स संवाददाता

मथुरा/भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मथुरा में बागेश्वर बाबा की हिंदू एकता सनातन पदयात्रा में शामिल हुए। सीएम मोहन यादव के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा भी इस पदयात्रा में शामिल हुए और महाराज जी के साथ पैदल चले। इतना ही नहीं दोपहर का भोजन सीएम डॉ. मोहन यादव ने पं धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ जमीन पर बैठकर किया। इस दौरान पंडित धीरेंद्र शास्त्री सीएम मोहन को खुद खाना परोसते नजर आए। इस दौरान धार्मिक अनुशासन और सांस्कृतिक परंपराओं का संगम देखने को मिला।

'ओम क्रांति...',रामभद्राचार्य बोले- दिल्ली से कश्मीर तक निकाली जाएगी अगली यात्रा: सनातन हिंदू एकता पदयात्रा के अंतिम पड़ाव पर मंच से जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि अब ओम शांति बंद करो, ओम क्रांति क्रांति क्रांति शुरू करो। प्रत्येक हिंदू कन्या झांसी की रानी बनेगी। प्रत्येक हिंदू घर में तुलसी व द्वार पर गाय रखें। एक गाय के दर्शन से 99 करोड़ देवी देवताओं के दर्शन होते हैं। आगामी समय में दिल्ली से कश्मीर तक यात्रा की जाएगी। जिसमें वह स्वयं पूरे समय उपस्थित रहेंगे। कश्मीर को एक बार फिर से भारत का स्वर्ग बनाएंगे। प्रत्येक हिंदू हनुमान चालीसा का पाठ करे। नारी का सम्मान करें। नारी नरक की खाई नहीं हो सकती।

पदयात्रा में शामिल लोगों में से किसी के चेहरे पर थकान और सिकन नजर नहीं आ रही थी। हर कोई बागेश्वर बालाजी के जयकारे, जय श्रीराम के नारे लगाता हुआ नजर आ रहा था। दिल्ली से पदयात्रा में शामिल हुए रमेश ने बताया कि वह अपने पूरे परिवार संग यात्रा में शामिल हैं। वहीं

मध्य प्रदेश से एक पुलिसकर्मी पांच दिन की छुट्टी लेकर पदयात्रा में शामिल होने के बाद अपने पूरे परिवार संग आए हैं। राजस्थान के भरत ने बताया कि सनातन यात्रा में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

चारधाम मंदिर पर पहुंची यात्रा: जैंत के राधागोविंद मंदिर से पदयात्रा रविवार को छटीकरा स्थित चारधाम मंदिर पर पहुंच गई। यहां पदयात्रा का भव्य तरीके से स्वागत किया गया। यहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को लेकर पंडित धीरेंद्र शास्त्री मंच पर पहुंचे। काशी के ब्राह्मणों ने संतों की आरती उतारी।

सनातन एकता पदयात्रा का स्वागत के लिए घंटों इंतजार करने के बाद भक्तों को उस समय निराशा मिली जब जैंत क्षेत्र में पदयात्रियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने से रोक दिया गया। भक्तों का दावा है कि अधिकारियों ने पहले अनुमति दी, लेकिन स्वागत के दौरान मना कर दिया। पदयात्रा में शामिल होने के लिए मथुरा पहुंचे हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेश राठौर ने बताया कि उन्होंने व उनके साथियों ने जैंत क्षेत्र में पदयात्रा स्वागत के लिए विभिन्न इंतजाम किए थे। आसमान से पुष्पवर्षा करने के लिए 50 हजार रुपए में हेलिकॉप्टर बुक किया था। इसके साथ ही जैंत क्षेत्र में हेलिपैड भी बनवाया था। जैसे ही पदयात्रा जैंत क्षेत्र में पहुंची, उसी समय भक्त हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की तैयारी करने लगे। वहीं मौजूद अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने से रोक दिया। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की कोई पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। पदयात्रा में भीड़ अधिक थी, इसलिए पुष्पवर्षा से रोका गया।

सनातन एकता पदयात्रा के चलते मथुरा में रूट डायवर्जन लागू किया गया। छाता कस्बे के गोवर्धन चौराहे, बरसाना चौराहे, पुरानी पुलिस चौकी सहित विभिन्न मार्गों पर रूट डायवर्जन होने की वजह से जाम लगा हुआ है। इससे आवागमन में लोगों को दिक्कत हो रही है। छाता में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 स्थित पुरानी पुलिस चौकी से मथुरा की ओर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। इसके चलते सुबह से हाइवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई थीं।

पन्द्रह साल के निचले स्तर पर पहुंचे शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों का इन्वेस्टमेंट

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स और फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआई) ने शेयर मार्केट में अपना निवेश तेजी से घटाया है। 2025 में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए की भारी बिकवाली के बाद एफआईआई और एफपीआई की शेयर मार्केट में हिस्सेदारी 15 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। सितंबर तिमाही में भी यह गिरावट जारी रही। निफ्टी 50 और निफ्टी 500 दोनों इंडेक्स में एफपीआई की हिस्सेदारी क्रमशः 43 और 46 बेसिस पॉइंट कम होकर

24.1 फीसदी और 18 फीसदी रह गई, जो साफ दिखाता है कि विदेशी निवेशकों ने लार्जकैप और मिडकैप दोनों ही सेगमेंट में जोरदार बिकवाली की है।

एफपीआई इन्वेस्टमेंट में कमी का यह रुझान मार्च 2023 से लगातार जारी है। एफवाई26 की पहली छमाही में भी स्थिति नहीं बदली और एनएसई-लिस्टेड कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी 63 बेसिस पॉइंट गिरकर 16.9 फीसदी पर आ गई, जो 15 साल में सबसे कम स्तर है। यह गिरावट तिमाही के दौरान हुए 8.7 बिलियन डॉलर के नेट आउटफ्लो का नतीजा है। वैल्यू के मामले में भी एफपीआई होल्डिंग्स पर दबाव दिखा। 30 सितंबर 2025 तक एनएसई-लिस्टेड कंपनियों में विदेशी इन्वेस्टमेंट की वैल्यू तिमाही आधार पर 5.1 फीसदी गिरकर 75.2 लाख करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, लंबे समय के नजरिए से एफपीआई इन्वेस्टमेंट की टोटल वैल्यू पिछले 20 सालों में लगभग 17 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ती रही है। फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने फाइनेंशियल सेक्टर में अपना भरोसा बनाए रखा है। उन्होंने इस सेक्टर में निवेश पहले की तरह ही ज्यादा रखा।

इसके अलावा, उन्होंने कम्युनिकेशन सर्विसेज जैसे टेलीकॉम कंपनियों में भी निवेश बढ़ाया है। लेकिन एफपीआई अभी भी कुछ सेक्टर्स को लेकर सावधान हैं। इनमें कंज्यूमर स्टेपल्स, एनर्जी और मटेरियल्स जैसे कमोडिटी-बेस्ड सेक्टर्स शामिल हैं। इन सेक्टर्स में उन्होंने कम निवेश (अंडरवेट) बनाए रखा है। एफपीआईएस ने इंडस्ट्रियल सेक्टर को लेकर निगेटिव रुख अपनाया हुआ है। वहीं, आईटी सेक्टर में भी उनका भरोसा थोड़ा कमजोर पड़ा है और वे इस सेक्टर को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। अन्य सेक्टर्स जैसे कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर, यूटिलिटीज और रियल एस्टेट में एफपीआईएस का रुख ज्यादातर न्यूट्रल रहा।

हालांकि, जीएसटी में कुछ बदलावों के बाद उन्होंने कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी पर थोड़ा पॉजिटिव रुख भी दिखाया। डीएमएफएस का रुझान बिल्कुल अलग- लगातार 9वीं तिमाही में रिकॉर्ड निवेश जहां एफपीआईएस ने बिकवाली की है, वहीं डोमेस्टिक म्यूचुअल फंड्स ने सितंबर तिमाही में भी शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी जारी रखी। एफवाई 26 की दूसरी तिमाही में डीएमएफएस ने 1.64 लाख करोड़ रुपए का बड़ा निवेश किया। यह उनका लगातार 18वां क्वार्टर है जिसमें उन्होंने शेयर बाजार में पॉजिटिव फ्लो बनाए रखा है। डीएमएफएस के साथ-साथ भारत के अन्य घरेलू संस्थागत निवेशक जैसे बैंक, इंश्योरेंस कंपनियां और वित्तीय संस्थान ने भी लगातार निवेश बढ़ाया है। इसी वजह से डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की कुल हिस्सेदारी अब बढ़कर 18.7 फीसदी हो गई है।

राजभवन में हथियार होने के आरोप पर पलटवार

राज्यपाल आनंद बोस ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खोला परिसर

महानगर टाइम्स संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच राजनीतिक विवाद एक बार फिर गहरा गया है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राजभवन परिसर में हथियार और अवैध गतिविधियों के आरोप लगाए जाने के बाद राजभवन की ओर से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है।

राजभवन ने कहा है कि यदि सांसद द्वारा लगाए गए सार्वजनिक आरोप गलत साबित होते हैं, तो उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। साथ ही इन आरोपों को लेकर राजभवन लोकसभा सचिवालय से भी संपर्क करने की तैयारी में है, ताकि आरोपों की गंभीरता को देखते हुए आगे की कार्रवाई तय की जा सके। सांसद के आरोपों को 'भड़काऊ, झूठा और गैर-जिम्मेदाराना' करार देते हुए राज्यपाल ने रविवार सुबह राजभवन परिसर को सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खोल दिया। सुबह 5 बजे से ही नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों और पत्रकारों को परिसर का दौरा करने की अनुमति दी गई, ताकि लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच की जा सके। राज्यपाल ने कहा कि जब राजभवन की सुरक्षा में कोलकाता पुलिस तैनात है, ऐसे में परिसर में हथियार जमा होने या किसी अवैध गतिविधि का सवाल ही नहीं उठता।

कल्याण बनर्जी के आरोप

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने दावा किया था कि राजभवन में 'भाजपा से जुड़े अपराधियों को रखा जा रहा है। उन्हें हथियार और बम उपलब्ध कराकर तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमला करने भेजा जा रहा है।' उनके इन आरोपों से राज्य की राजनीति में हलचल मच गई। इस विवाद के बाद टीएमसी और राजभवन के बीच तनाव और बढ़ गया है। राजभवन ने सांसदों, पत्रकारों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को स्वयं निरीक्षण के लिए आमंत्रित कर स्पष्ट किया कि सत्य सबके सामने आ जाना चाहिए।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से 8 का बाजार पूंजीकरण 2.05 लाख करोड़ बढ़ा

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2,05,185.08 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं।

पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,346.5 अंक या 1.62 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 417.75 अंक या 1.64 प्रतिशत चढ़ गया। हाल की कमजोरी के दौर के बाद सप्ताह के दौरान बाजार में जोरदार उछाल आया और अंत में यह मजबूती के साथ बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 55,652.54 करोड़ रुपए बढ़कर

11,96,700.84 करोड़ रुपए हो गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बाजार हैसियत 54,941.84 करोड़ रुपए बढ़कर 20,55,379.61 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 40,757.75 करोड़ रुपए बढ़कर 11,23,416.17 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,834.35 करोड़ रुपए बढ़कर 9,80,374.43 करोड़ रुपए रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 10,522.9 करोड़ रुपए बढ़कर 8,92,923.79 करोड़ रुपए और इन्फोसिस की बाजार हैसियत 10,448.32 करोड़ रुपए बढ़कर 6,24,198.80 करोड़ रुपए हो गई। एचडीएफसी बैंक ने सप्ताह के दौरान 9,149.13 करोड़ रुपए जोड़े और इसका बाजार पूंजीकरण 15,20,524.34 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 2,878.25 करोड़ रुपए बढ़कर 5,70,187.06 करोड़ रुपए रही। इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 30,147.94 करोड़ रुपए घटकर 6,33,573.38 करोड़ रुपए पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार हैसियत 9,266.12 करोड़ रुपए घटकर 5,75,100.42 करोड़ रुपए रह गई।

ये रहीं टॉप कंपनियां

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

कौन सी कंपनियां नुकसान में रहीं?

इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 30,147.94 करोड़ रुपए घटकर 6,33,573.38 करोड़ रुपए पर आ गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय जीवन बीमा निगम की बाजार हैसियत 9,266.12 करोड़ रुपए घटकर 5,75,100.42 करोड़ रुपए रह गई।

सोना एक हफ्ते में 3060 महंगा

महानगर टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। देश में सोने की कीमत में वीकली बेसिस पर तेजी दर्ज की गई है। एक सप्ताह में 24 कैरेट गोल्ड का भाव 3060 रुपए मजबूत हुआ है। वहीं 22 कैरेट की कीमत 2800 रुपए बढ़ी है। 16 नवंबर को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव 125230 रुपए प्रति 10 ग्राम है। ऐसा माना जा रहा है कि सप्ताह के दौरान मजबूत वैश्विक संकेतों, डॉलर की कमजोरी और अमेरिकी सरकार के शटडाउन ने सोने की कीमतों को बढ़ावा दिया।

अब इस शटडाउन के खत्म होने के बाद जारी होने वाले आर्थिक आंकड़े, सोने के लिए अगला बड़ा बूस्ट साबित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आर्थिक डेटा कमजोर रहने का अनुमान ज्यादा है। शंघाई में सोने के भंडार में भारी बढ़ोतरी भी तेजी का एक कारण रहा।

श्रम मंत्री ने किया सब-बॉयलर कार्यालय का निरीक्षण

महानगर टाइम्स संवाददाता

आसनसोल। कुल्टी विधानसभा क्षेत्र के सीतारामपुर में वर्षों से बंद पड़े उप-बॉयलर कार्यालय में अब नई उम्मीद की किरण जगी है। पश्चिम बंगाल सरकार के श्रम एवं कानून मंत्री मलय घटक ने रविवार को इस पुराने एवं जर्जर पड़े कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उनके निरीक्षण के बाद स्पष्ट हुआ कि राज्य सरकार इस भवन में नई ईएसआई डिस्पेंसरी खोलने जा रही है। मंत्री मलय घटक ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रस्तावित 26 नई ईएसआई डिस्पेंसरी में से एक को सीतारामपुर के इस निष्क्रिय पड़े भवन में स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में 65 ईएसआई डिस्पेंसरी कार्यरत हैं और श्रमिकों की सुविधा बढ़ाने के लिए 26 नई डिस्पेंसरी खोली जानी हैं। उन्होंने कहा कि इस पुराने उप-बॉयलर कार्यालय की मुख्य प्रणाली अब आसनसोल स्थानांतरित हो चुकी है, जिसके बाद यह भवन खाली पड़ा था। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने माना कि यह स्थान स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए उपयुक्त है।

जिले में तीन नई डिस्पेंसरी की घोषणा

मंत्री ने बताया कि पश्चिम बर्धमान जिले में कुल्टी, जमुरिया और पानागढ़ में तीन नई ईएसआई डिस्पेंसरी स्थापित होंगी। सीतारामपुर में प्रस्तावित डिस्पेंसरी खुलने से क्षेत्र के हजारों श्रमिकों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं का सीधा लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री के साथ आसनसोल नगर निगम के मेयर परिषद सदस्य गुरुदास चट्टोपाध्याय, मेयर परिषद सदस्य इंद्राणी मिश्रा, बोरो चेयरमैन रबीलाल टुडू, पार्षद सुशांत मंडल, कुल्टी ब्लॉक-2 टीएमसी अध्यक्ष कंचन राय सहित पार्टी व निगम के कई अधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहकारिता के माध्यम से 'ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना' थीम पर सेमिनार आयोजित

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। 72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह (14 से 20 नवंबर तक) के आयोजन के अन्तर्गत जयपुर जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लि. द्वारा प्रधान कार्यालय भवन पर रविवार को सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार सहकारिता के माध्यम से 'ग्रामीण विकास को सुदृढ़ बनाना' की थीम पर आयोजित किया गया। जयपुर जिला सहकारी भूमि विकास बैंक की सचिव रजनी गुप्ता ने बताया कि सेमीनार में जिले के किसानों ने भाग लिया, जिन्हें बैंक की कार्यप्रणाली एवं वर्तमान में संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कृषकों के हितों के लिए राज्य

सरकार द्वारा जारी दीर्घकालीन सहकारी कृषि ऋणों पर एवं अकृषि उत्पादक ऋणों पर ब्याज अनुदान योजना 2025-26 के लिए 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान वितरित ऋण अवधिपार नहीं होने एवं योजना की शर्तों के अधीन देय होने सम्बन्धी जानकारी भी प्रदान की गई।

अमेरिकी टैरिफ के 50 फीसदी होने के बाद भारतीय खिलौना निर्यातकों पर बढ़ा दबाव

नए ऑर्डरों की थमी रफ्तार

नई दिल्ली (महानगर टाइम्स संवाददाता)। इस वित्त वर्ष की शुरुआत में भारतीय खिलौना निर्यात करने वालों को अच्छा कारोबार दिख रहा था। त्योहारों के लिए जल्दी शिपमेंट और अमेरिकी खरीदारों की एडवांस खरीदारी ने जोरदार शुरुआत दी। लेकिन अब नए ऑर्डर अचानक कम हो गए हैं। वजह है अमेरिका की तरफ से लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ। इससे अमेरिकी कस्टमर दूसरे देशों की तरफ मुड़ रहे हैं। भारतीय निर्यातक कीमतें घटाने और पैकेजिंग को सादा करने पर मजबूर हो गए हैं। एक रिपोर्ट में ये बातें सामने आई हैं।

शुरुआती पांच महीनों में थोड़ी बढ़ोतरी: अप्रैल से अगस्त तक उत्सव, कार्निवल और मनोरंजन वाली चीजों का निर्यात 4 फीसदी बढ़कर 101.9 मिलियन डॉलर हो गया।

भूमि विवाद के बीच पुलिस निगरानी में शव को अन्यत्र दफनाने की व्यवस्था की

हाई कोर्ट के आदेश पर कब्र से निकाला एक माह पुराना शव

महानगर टाइम्स संवाददाता

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के 1 नंबर ब्लॉक अंतर्गत चाकदा गांव में भूमि विवाद से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्रवाई शनिवार को पूरी की गई। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर एक माह पूर्व दफनाए गए एक महिला के शव को कब्र से बाहर निकाला गया और उसे पुनः अन्य स्थान पर दफनाने की व्यवस्था की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 'द मल्टीवर्सिटी अयाचक आश्रम' के नाम पर 1955 से संबंधित क्षेत्र की कुछ भूमि दर्ज है। आश्रम प्राधिकरण ने वर्ष 2011 में इसी के निकट अतिरिक्त 2 एकड़ भूमि क्रय की थी। इसी भूमि पर स्थानीय

मुस्लिम समाज के एक वर्ग की ओर से लंबे समय से शव दफनाए जाने का आरोप लगाया जा रहा था। हाल ही में एक महिला का अंतिम संस्कार भी उसी विवादित भूमि पर किया गया था, जिससे मामला और गहराया। आश्रम प्राधिकरण ने विवाद समाधान के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक स्तर पर कई बार प्रयास किए, लेकिन संतोषजनक समाधान न मिलने पर मामला कलकत्ता उच्च न्यायालय में दायर किया गया। उच्च न्यायालय ने 12 नवंबर को दिए अपने फैसले में आश्रम के पक्ष में निर्णय देते हुए प्रशासन को संबंधित भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने का निर्देश दिया। न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में शनिवार को स्थानीय पुलिस-प्रशासन की मौजूदगी में एक माह पुराने शव को कब्र से बाहर निकाला गया।

राजस्थान में मिर्गी के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय मिर्गी दिवस के मौके पर राजस्थान में मिर्गी (एपिलेप्सी) से जुड़ी हालिया चुनौतियां और हालात फिर चर्चा में हैं। शोध और स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक राज्य में मिर्गी की समस्या सिर्फ चिकित्सा नहीं, बल्कि सामाजिक कलंक और मानसिक स्वास्थ्य की बड़ी समस्या बन गई है। जयपुर जिले के एक समुदाय-आधारित अध्ययन में सक्रिय मिर्गी की दर लगभग 1.1 प्रति 1,000 आबादी पाई गई है। इस अध्ययन में पाया गया कि लगभग 18.8 फीसदी रोगियों में 'ट्रीटमेंट गैप' (उपचार अंतर) है यानी उन तक या तो दवाइयां नहीं पहुंचती हैं या वे नियमित इलाज नहीं ले पाते। मिर्गी से जुड़ी मानसिक चुनौतियां भी काफी गंभीर हैं। प्रदेश के आंकड़ों के मुताबिक मिर्गी रोगियों में 41 प्रतिशत तक को डिप्रेशन है, इसका मुख्य कारण सामाजिक उपेक्षा बताया गया है। साथ ही लगभग 28 प्रतिशत मरीज आज भी पारंपरिक झाड़-फूंक की ओर रुख करते हैं, जिससे सही और वैज्ञानिक इलाज तक पहुंच बाधित होती है। चूरू जिले में आयोजित निशुल्क मिर्गी निदान शिविर में 480 रोगियों की जा3च और मुफ्त दवाई वितरण किया गया था, जबकि जोधपुर में 325वें मिर्गी शिविर में 312 मरीजों को निशुल्क इलाज मिला। ये शिविर दर्शाते हैं कि स्थानीय स्तर पर सहायता और जागरूकता की पहल जरूरी है, लेकिन सभी जिलों में ऐसी सुविधाएं समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। मिर्गी विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य सरकार, स्वास्थ्य संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं को मिलकर एक जमीनी रणनीति बनानी चाहिए।

बियानी कॉलेज में डेटा साइंस सेमिनार एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी प्रेजेंटेशन कॉम्पिटिशन का आयोजन

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के आईटी विभाग द्वारा डेटा साइंस पर सेमिनार एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर प्रेज़ेंटेशन कॉम्पिटिशन का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य वक्ता एवं डेटा साइंटिस्ट विकास विजय, आयोजन प्रभारी सहायक निदेशक सीए अभिषेक बियानी, डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल, आईटी विभागाध्यक्ष डॉ. सचिन बागोरिया, एसोसिएट प्रोफेसर राहुल अग्रवाल और अन्य फैकल्टी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस दौरान मुख्य वक्ता विकास विजय ने डेटा एनालिस्ट, डेटा इंजीनियर, डेटा स्ट्रैटेजिस्ट, डेटा साइंटिस्ट और एम.एल. इंजीनियर जैसी प्रमुख भूमिकाओं के वास्तविक

कार्यों को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समझाया। उन्होंने बताया कि इन सभी प्रोफाइल्स की आधुनिक संगठनों में क्यों महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। साथ ही उन्होंने इंटरैक्टिव सेशन के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस के बीच का अंतर भी स्पष्ट किया। इसी क्रम में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पर आयोजित प्रेजेंटेशन कॉम्पिटिशन में कुल 10 टीमों ने भाग लिया। छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने विषय प्रस्तुत किए और नई तकनीकों पर अपनी समझ और रिसर्च को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीसीए की मानसी कुमावत और प्रेक्षा खंडेलवाल को मिला। वहीं द्वितीय स्थान श्वेता पारीक और प्रतीक्षा शर्मा ने जीता। तृतीय स्थान पूनम और ईशा चौधरी के नाम रहा।

सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने की नीतीश कुमार की प्रशंसा, तृणमूल खेमे में बढ़ी हलचल

महानगर टाइम्स संवाददाता

आसनसोल। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली बड़ी जीत के बाद आसनसोल लोकसभा क्षेत्र के तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सांसद ने अपने एक्स-हैंडल पर पोस्ट कर जेडीयू सुप्रीमो एवं मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की खुलकर तारीफ की, जिसने टीएमसी खेमे में हलचल तेज कर दी है।

सिन्हा ने अपनी पोस्ट में नीतिश कुमार को 'बिहार के सबसे योग्य, भद्र, भरोसेमंद और सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले सफल मुख्यमंत्री' बताया। उन्होंने लिखा 'बधाई! बिहार की जनता को उनके योग्य सरकार चुनने के लिए और सबसे प्रशंसित, सज्जन राजनेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर भरोसेमंद एवं निष्पक्ष शासन के लिए। लगता है वे लोगों की उम्मीदों पर पूरी तरह

खरे उतरे हैं। ईश्वर सबका भला करे। जय बिहार-जय हिंद।

सिन्हा की इस पोस्ट ने न सिर्फ राजनीतिक गलियारों में चर्चा बढ़ा दी है, बल्कि टीएमसी के भीतर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां बीजेपी और जेडीयू के रिश्तों व टीएमसी की विपक्षी राजनीति को देखते हुए इसे असामान्य माना जा रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में कोलकाता में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शत्रुघ्न सिन्हा को 'बंगभूषण' सम्मान से सम्मानित किया था।

संघ के सरसंघचालक ने 'युवा शोधार्थी संवाद : शाश्वत मूल्य, नए आयाम' कार्यक्रम में युवा शोधार्थियों से की चर्चा

शोध कार्य समाज से जुड़े तभी मिलेगा उसका वास्तविक लाभ : डॉ. भागवत

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि समाज किन बातों से लाभान्वित होता है, यह समझने के लिए शोधार्थियों और विश्वविद्यालयों को समाज से सीधा संवाद बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ विषय केवल ज्ञान के होते हैं, जबकि कई विषय समाज के उपयोग और उत्थान से जुड़े हुए होते हैं। इसलिए विश्वविद्यालयों का समाज से जुड़ाव मजबूत और निरंतर होना चाहिए। डॉ. भागवत रविवार को मालवीय नगर स्थित पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में आयोजित 'युवा शोधार्थी संवाद : शाश्वत मूल्य, नए आयाम' कार्यक्रम में युवा शोधार्थियों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

डॉ. भागवत ने कहा कि आज संघ के बारे में चर्चा बहुत होती है, इसमें संघ के हितैषी भी हैं और ऐसे भी हैं जो संघ के विरोधी भी हैं। हितैषी प्रचार-प्रसार में बहुत पीछे हैं, जबकि विरोधी इस काम में बहुत आगे हैं। उन्होंने एक झूठ का जाल बुन दिया है, इसलिए संघ के बारे में जानना है तो इसके मूल स्रोतों पर जाइए। संघ साहित्य में क्या है, इसे जमीन पर जाकर देखिए। इसी के आधार पर अपनी धारणा बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ को प्रत्यक्ष देखना है तो संघ की शाखा में जाइए। दायित्ववान स्वयंसेवकों का जीवन देखेंगे तो संघ समझ में आएगा। उन्होंने जीवन और कार्य दोनों को साधने के लिए शाखा को आवश्यक बताते हुए कहा कि शाखा से अनुशासन, सामूहिकता, स्वभाव सुधार और अहंकार नियंत्रण का संस्कार प्राप्त होता है। संघ का काम केवल व्यक्ति निर्माण का है और इसकी पद्धति शाखा है। संघ केवल शाखा चलाता है, जबकि स्वयंसेवक सब कुछ करते हैं। समाज परिवर्तन का काम स्वयंसेवक करते हैं। यही कारण है कि स्वयंसेवकों ने समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य खड़े किए हैं। स्वयंसेवकों के समर्पण से ही संघ कार्य चलता है। हमारे यहां किसी चीज का अभाव भी नहीं और प्रभाव भी नहीं इसलिए सब कुछ ठीक चलता है। डॉ. भागवत ने यह भी कहा कि यदि किसी कारण शाखा से जुड़ना संभव नहीं हो तो भी व्यक्ति अपने कार्य को उत्कृष्टता, निस्वार्थता और प्रामाणिकता से करे, यही राष्ट्र सेवा है। उन्होंने संघ के प्रति बाहरी छवि के आधार पर निर्णय नहीं लेने की अपील की।

'देश को श्रेष्ठता की दिशा में ले जाना संघ का उद्देश्य'

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन के आधार पर व्यवस्था परिवर्तन कर देश को श्रेष्ठता की दिशा में ले जाना है। उन्होंने कहा कि संघ आज बड़े स्वरूप में है और उसकी कीर्ति स्थापित है। फिर भी संघ का लक्ष्य कीर्ति अर्जन नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण है। यह काम अकेले संघ या किसी एक संगठन के प्रयास से नहीं हो सकता, इस काम के लिए पूरे समाज को साथ आना होगा। उन्होंने चेताया कि यदि संगठन संतुष्ट होकर ठहर जाए तो उसकी उपयोगिता धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है, इसलिए निरंतर सक्रियता आवश्यक है।

'देश का उत्थान हम सबका काम'

डॉ. भागवत ने कहा कि प्रश्न-उत्तर का क्रम अनंत है, लेकिन संगठन का मूल लक्ष्य देश का उत्थान है। यह केवल संघ का काम नहीं, हम सबका काम है। डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार हर किसी की तरह नियमित अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने शाखा को जीवन का रियाज बताते हुए कहा कि इसी से व्यक्ति अपने गुणों को श्रेष्ठतम रूप दे सकता है। संवाद कार्यक्रम में राजस्थान के 34 विश्वविद्यालयों से 260 शोधार्थी एवं अध्येतागण शामिल हुए हैं। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश चंद्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन प्रो. विनोद यादव ने किया।

राज्य जूनियर हैंडबॉल में जयपुर की लड़कियां चैंपियन, लड़कों में तीसरे स्थान पर रही टीम

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के तत्वावधान में जिला हैंडबॉल संघ करौली द्वारा आयोजित 42वीं राजस्थान राज्य जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका)-2025-26 में जयपुर बालिका वर्ग में चैंपियन रही। जबकि बालक वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। शुक्रवार को श्रीमहावीर जी (करौली) में संपन्न प्रतियोगिता में बालक वर्ग में श्रीगंगानगर विजेता, आरएसएससी बालक अकादमी जैसलमेर उपविजेता रही। वही बालिका वर्ग में श्रीगंगानगर उपविजेता तथा आरएसएससी बालिका अकादमी जयपुर तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट कम सुपर लीग के आधार पर खेली गई थी। जिसमें बालक वर्ग में श्रीगंगानगर, आरएसएससी बालक अकादमी जैसलमेर, जयपुर, बीकानेर तथा बालिका वर्ग में जयपुर, श्रीगंगानगर, आरएसएससी बालिका अकादमी जयपुर, हनुमानगढ़ ने सुपर लीग में प्रवेश किया था। अंकों के आधार पर विजेताओं का फैसला हुआ।

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बालक खिलाड़ी श्रीगंगानगर का दीक्षांत रहा एवं बालिका खिलाड़ी की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जयपुर की नोरती कुमारी मेवाडा, जिन्हें राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से स्व. लोकेंद्र सिंह गौड़ तथा स्व. इजि. तनराम मेघवाल की स्मृति में 2100-2100 रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक करौली लोकेश सोनवाल थे। जबकि अध्यक्षता राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी महेंद्र शर्मा, कृपा बाबा हैंडबॉल एकेडमी के अध्यक्ष कैप्टेन टीआर कसाना, थानाधिकारी गिरिराज प्रसाद उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम राजे ने अलका गुर्जर के पिता को दी श्रद्धांजलि

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर के पिता और सीमा सुरक्षा बल के पूर्व कमांडेंट हरभान सिंह पटेल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। वे शनिवार को जयपुर स्थित उनके निवास पर पहुंचीं और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

राजे ने शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाते हुए कहा कि पटेल अदम्य साहस और शौर्य के प्रतीक थे। अपने सेवाकाल में उन्होंने सीमा पर कई दुश्मनों को मार गिराकर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय सेना ने उनकी वीरता को कई बार सम्मानित किया। वे भारत-पाक युद्धों में भी सक्रिय रहे और सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व सैनिकों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत रहे।

अवैध बजरी खनन से सरकार को हो रहा करोड़ों का नुकसान

- लीज धारकों को खनन की मंजूरी शीघ्र दिए जाने का आग्रह

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष केसी घुमरिया ने प्रदेश में अवैध बजरी खनन व माफिया पर लगाम लगाने की सरकार से मांग की है। इसी के साथ एनओसी के इंतजार में लंबे समय से पर्यावरण विभाग में लंबित पड़ी फाइलों का निस्तारण कर लीज धारकों को खनन की मंजूरी शीघ्र दिए जाने का आग्रह किया है। घुमरिया ने कहा कि अवैध बजरी खनन का गौरखधंधा प्रदेशभर में धड़ल्ले से चल रहा है। इस ओर से सरकार व प्रशासन आंखें मूंदे हुए है, जिसके चलते हर माह करोड़ों के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

घुमरिया ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि अवैध बजरी खनन से जुड़े माफिया और इसके अवैध परिवहन के कारण राज्य में आए दिन हादसे भी हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बजरी माफिया, सरकार और पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से खुलेआम मौत के डंपर सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ये लोगों की जिंदगियां लील रहे हैं। राज्य में आए दिन हादसों में मौतें हो रही हैं, लेकिन सरकार सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त है।

घुमरिया ने कहा कि इस सरकार में तमाम मंत्री हर मुद्दे और हादसे पर हाथ खड़े कर देते हैं और बेतुके बयान देते हैं। इसी के साथ घुमरिया ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वह स्वयं आगे आकर इस मामले में संज्ञान लें और लोगों को राहत के साथ ही सरकार को हो रहे राजस्व के नुकसान पर अंकुश लगाएं।

इटैलियन डेलिगेट्स के लिए एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग संगोष्ठी

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जयपुर के सेंटर फॉर योगा, वेलनेस एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन द्वारा इटली के इकतालीस प्रतिनिधियों के लिए एक दिवसीय योग संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग' रखा गया।

कार्यक्रम की शुरुआत इटैलियन प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशीपूर्ण स्वागत से हुई। इसके बाद उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. एनडी सोनी, डीन एवं प्रिंसिपल, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने भी संबोधित किया। डॉ. ऐंटोनीएटा रोज्जी, प्रेसिडेंट, सर्व योगा इंटरनेशनल, इटली, विशिष्ट अतिथि रहीं। संचालन प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. ईश्वर वी. बसवरड्डी ने किया। कार्यक्रम में इटैलियन प्रतिनिधियों के समक्ष डॉ. एम एल स्वर्णकार ने आहार, विहार, आचार और विचार के सिद्धांतों पर श्रीमद्भगवद्गीता आधारित गहन और ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ये चार स्तंभ समग्र स्वास्थ्य की आधारशिला हैं और आधुनिक जीवन में भी समान रूप से प्रासंगिक हैं। संगोष्ठी में विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा कई महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए गए, जिनमें डॉ. मधुसूदन तिवारी, प्रिंसिपल, एमजी फिजियोथेरेपी कॉलेज; डॉ. भावना सिंघल, प्रिंसिपल, एमजी इंस्टिट्यूट ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेस अभिषेक जादौन, प्रिंसिपल, हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स; डॉ. सुनील शर्मा शामिल रहे।

राजकीय मूक-बधिर महाविद्यालय में 'दहेज अधिनियम-1986' विषय पर व्याख्यान

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। राजकीय मूक-बधिर महाविद्यालय में रविवार को प्राचार्य डॉ. सुनीता मीणा की अध्यक्षता में महिला नीति के तत्वावधान में व्याख्यान आयोजित किया गया। सवाई माधोपुर के राजकीय पीजी महाविद्यालयमें राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. अनीता मीणा ने 'दहेज अधिनियम-1986' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को दहेज से संबंधित विभिन्न कानूनों की जानकारी दी और बताया कि इन संशोधनों का उद्देश्य दहेज से संबंधित अपराधों की गंभीरता को बढ़ाने से रोकने के लिए है। प्राचार्य डॉ. सुनीता मीणा ने दहेज संबंधी आईपीसी की धारा को परिभाषित करते हुए कहा कि संशोधन में विवाह के 7 साल के भीतर दहेज की मांग से संबंधित क्रूरता के कारण यदि किसी महिला की मृत्यु हो जाती है तो उसे दहेज हत्या के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसके लिए दोषी को कम से कम 7 साल की कैद और आजीवन कारावास तक हो सकता है। समिति की संयोजक डॉ. सुशीला मीणा ने दहेज निषेध अधिनियम में जो कुछ संशोधन और अन्य प्रावधान किए गए हैं, उनके संबंध में बताया। समिति के अन्य सदस्यों डॉ. रेणू मीणा, डॉ. रेखा मिश्रा, राजेश्वरी देवी राठौड़ आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

नीलामी सूचना

श्रीमान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पं.स. श्रीमाधोपुर के आदेश क्रमांक सीबीईओ/श्रीमा./समग्र शिक्षा/2025-26/332 दिनांक 28.10.2025 की अनुपालना में इस विद्यालय में दिनांक 26.11.2025 बुधवार को आईसीटी लैब के अनुपयोगी/अप्रचलित सामान की नीलामी किया जाना प्रस्तावित है। उक्त तिथि को प्रातः 11.00 बजे विद्यालय परिसर में अप्रचलित सामान की बोली के इच्छुक जीएसटी धारक बोलीदाता (पंजीकृत फर्म) सामान का अवलोकन कर अमानत राशि जमा करवाने पर खुली निविदा में भाग ले सकते है। नीलामी निरस्त करने का अधिकार नीलामी कमेटी का सुरक्षित रहेगा। शेष शर्तें विद्यालय समय में कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

प्रधानाचार्य
श्री मो.ला.प.रा.उ.मा.वि.
मऊ, श्रीमाधोपुर, सीकर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक : जविप्रा/उपा/जोन-12/2025/डी-5829 दिनांक : 7.10.2025
सार्वजनिक सूचना
जोन- 12 में निम्न आवेदक द्वारा लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा हेतु आवेदन किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	श्रीमती संगीता शर्मा पत्नी श्री महावीर	श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री गुलाबचन्द	125	112.50 वर्गमीटर	जविप्रा	मूर्तिकला उद्योग नगर	लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा हेतु	एक से अधिक बार विक्रय पत्र होने से

उपरोक्त का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा हेतु जारी करने में किसी भी व्यक्ति/हितधारी/संस्था को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में जोन-12 कार्यालय में दर्ज करवाये, अन्यथा नियमानुसार उक्त भूखण्ड का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने की कार्यवाही आपेदक के पक्ष में कर दिया जावेगा।
उपायुक्त जोन-12, जविप्रा, जयपुर

मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर ने 12वां दीक्षांत समारोह मनाया

दो दिवसीय कार्यक्रम में 3,508 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधियां

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर (एमयूजे) ने 15 और 16 नवंबर को अपने 12वें दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया। जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के कुल 3,508 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। समारोह की शुरुआत आकर्षक शैक्षणिक शोभायात्रा और मणिपाल कुलगीत के सामूहिक गान के साथ हुई।

इस अवसर पर 3,007 स्नातक, 377 स्नातकोत्तर, और 124 डॉक्टरेट उपाधियां प्रदान की गईं। साथ ही इस वर्ष कुल 48 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह के समापन दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में वेंकटाचलम् अय्यर, एमडी एवं सीईओ, टाटा एआईए लाइफ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एमयूजे के चेयरपर्सन एस. वैथीश्वरन, कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा, प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. करुणाकर ए. कोटेगार, प्रोवोस्ट डॉ. नीतू भटनागर, कुलसचिव डॉ. अमित सोनी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. दासरी नागराजु और सभी डीन उपस्थित रहे।

अध्यक्ष एस. वैथीश्वरन ने स्नातकों को उपाधियां प्रदान कीं, जबकि मुख्य अतिथि अय्यर ने उनके साथ मिलकर स्वर्ण पदक और पीएचडी उपाधियां प्रदान कीं। प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. करूणाकर ए. कोटेगार ने स्वागत उद्बोधन दिया।

कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा ने विश्वविद्यालय की 14 वर्षों की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला। दीक्षांत समारोह का पहला दिन शनिवार को मुख्य अतिथि डॉ. एन. कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर तथा सचिव, डीएसआईआर की उपस्थिति में आयोजित हुआ। उन्होंने एमयूजे के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, उत्तम व्यवस्था और प्रभावशाली शैक्षणिक यात्रा की सराहना की तथा इसे तेजी से उभरते उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. दासरी नागराजु ने स्नातकों को शपथ दिलाई, जिसमें पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदार आचरण के पालन का संकल्प शामिल था। कुलसचिव डॉ. अमित सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सभी विशिष्ट अतिथियों, अकादमिक परिषद सदस्यों, डीन, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, छात्रों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू, जिला-जयपुर (राज.)
क्रमांक/न.पा.चा. /2025/5888 दिनांकः-15.11.2025
आपत्ति आमंत्रण सूचना : एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस नगर पालिका क्षेत्र में स्थित विभिन्न भूखण्डों की निम्नानुसार पत्रावली / प्रार्थना पत्र मय साइट प्लान राजस्थान नगरीय क्षेत्र कृषि भूमि के अकृषि उपयोग के अनुज्ञा एवं आवंटन नियम 2012 के तहत् निस्तारण हेतु विचाराधीन है :-

क्र. सं.	नाम	पिता/पति का नाम	पता	एरिया	विषय
1.	राजू लाल यादव	जगदीश नारायण यादव	दुकान नं. एसटी-41, संजीवनी रॉयल्स ब्लाक टीटी, चाकसू	55.70 वर्गमीटर	नियमन
2.	विशाल सैनी	लक्ष्मण कुमार सैनी	दुकान नं. एसटी-42, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक टीटी, चाकसू	55.70 वर्गमीटर	नियमन
3.	रमेश चन्द्र मीना	कोरया लाल मीना	भू.सं. आई-35, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक आई, चाकसू	66.92 वर्गमीटर	नियमन
4.	वैजंती	रामेश्वर लाल वर्मा	भू.सं. ईई-134, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक ईई, चाकसू	41.77 वर्गमीटर	नियमन
5.	कुनाल शर्मा	संजय कुमार शर्मा	भू.सं. बी-49, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	55.31 व.मी.	नियमन
6.	नीतू झांझरी	प्रदीप छाबडा	भू.सं. बी-18, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	93.67 व.मी.	नियमन
7.	गुलशन खान	इब्राहिम खान	भू.सं. ए-14, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	158.09व.मी.	नियमन
8.	संजय कुमार शर्मा	सत्य नारायण शर्मा	भू.सं. बी-19, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	93.72 व.मी.	नियमन
9.	पंकज पांडेय	जे.सी पांडेय	भू.सं. बी-46, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	92.96 व.मी.	नियमन
10.	अनमोल बंसल, प्रांजल बसल	कैलाश बंसल	भू.सं. बी-11, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	170.76 वर्गमीटर	नियमन
11.	मदनमोहन बंसल	रमन लाल बंसल	भू.सं. बी-2, संजीवनी सेंट्रल, चाकसू	185.63व.मी.	नियमन
12.	महेन्द्र कुमार	लहरी राम	भू.सं. बी-25, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	162.78 व.मी.	नियमन
13.	भूवनेश सिंघल	सुरेश चंद सिंघल	भू.सं. बी-1, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	194.53व.मी.	नियमन
14.	मयंक कुमार सिंघल	विशन लाल	भू.सं. आई-122, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक आई, चाकसू	200.82 वर्गमीटर	नियमन
15.	शुभम शर्मा	राम किशोर शर्मा	भू.सं. बी-16, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	85.39 व.मी.	नियमन
16.	रवि मिढा	प्रफुल कुमार मिढा	भू.सं. ए-15, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	83.69 व.मी.	नियमन
17.	विनीता शर्मा	मोहन शर्मा	भू.सं. एसएस-50, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक एसएस, चाकसू	66.92 वर्गमीटर	नियमन
18.	सरिता शर्मा	चन्द्र प्रकाश शर्मा	भू.सं. एसएस-2, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक एसएस, चाकसू	77.19 वर्गमीटर	नियमन
19.	नीलम कुमार बैस	अंकित सिंह	भू.सं. बी-40, संजीवनी सेण्ट्रल, चाकसू	70.33 व.मी.	नियमन
20.	मैसर्स केएम डिमांड रिसर्च एण्ड ब्राण्ड बिल्डिंग प्राईवेट लिमिटेड	जरिये निदेशक कृष्णमोहन अग्रवाल पुत्र बिसम्भर दयाल अग्रवाल	दुकान नं. एसटी-13, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक टीटी चाकसू	178.27 वर्गमीटर	नियमन
21.	रितिका ज्ञान चंदानी	कमलेश ज्ञान चंदानी	भू.सं. एसएस-24, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक एसएस, चाकसू	66.92 वर्गमीटर	नियमन
22.	गौरव पुरोहित	जोगेन्द्र पुरोहित	भू.सं. टीटी-77, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक टीटी, चाकसू	66.92 वर्गमीटर	नियमन
23.	हीरा वंती	श्री चन्द ज्ञान चन्दानी	भू.सं. ई-7, संजीवनी रॉयल्स ब्लॉक आई, चाकसू	41.77 वर्गमीटर	नियमन
24.	कमला देवी	लक्ष्मण नाथ	भू.सं. 52, कृष्णा सरोवर, चाकसू	33.73 व.मी.	नियमन
25.	कजोड मल माली	लूणाराम माली	आबदी एरिया, वार्ड नं. 18, नया 21, मोहल्ला मोडापाडा, चाकसू, जिला जयपुर	135.11 वर्गगज	69क पट्टा

उक्त भूमि के नियमन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति है तो वह आपत्ति को लिखित में इस सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अंदर-2 इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात् प्राप्त आपत्ति अंगीकार नहीं की जावेगी एवं तदानुसार प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा। उक्त सूचना आज दिनांक 15.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मुहर द्वारा प्रसारित किया गया।
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, चाकसू

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश स्थान खण्डेला, देशराज आदि विरुद्ध राजेन्द्र आदि वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा एक कादेशात्मक व्यापदेश
वाद सं. 59 सन 2024
बनाम हर आम एवं खास
वादीगण ने स्थाई विषेधाज्ञा एवं आदेशात्म चपदेश के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 28.11.2025 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साि ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाल सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद दिनांक 14.8.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
रीडर
सिविलि न्यायाधीशएवं न्यायिक मजिस्ट्रेट
खण्डेला, जिला सीकर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone-05/2025/D-25
आम सूचना
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 225390 दिनांक 03/06/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of (Lease/Free Hold) (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Urmila Singh Meena W/o Late Jaimal Singh Meena एवं Prateek Singh Meena S/o Late Jaimal Singh Meena	श्री गोपाल लाल वर्मा पुत्र श्री गुलाब चंद वर्मा	133	240.00 SQ. Yard	Cooperative	Vivek VIHAR Sector/ Block	Issue of (Lease/ Free Hold) Deed (E-Patta)	पंजीकृत मु.आम दिनांक 28.1.2004 व पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 24.09 2024 एवं पंजीकृत उपहार पत्र दिनांक 16.10.2024 के संबंध में

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of (Lease/Free Hold) (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त , जोन-5, जविप्रा, जयपुर

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आशियाना हाउसिंग लिमिटेड की प्रस्तावित आवासीय परियोजना ''आशियाना अनंतया'' खसरा संख्या 1428, 1429, 1430, 1431, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1413, 1414 ग्राम-भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर, राजस्थान, जिसका भूखण्ड क्षेत्रफल 45,500 वर्गमीटर तथा निर्मित क्षेत्रफल 1,34,248.27 वर्गमीटर है पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA) से पत्र संख्या RJ/25/SEAC2(06)/INFRA2/EC/0197 दिनांक 31.10.2025 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (SEIAA) के पास उपलब्ध है।
आशियाना हाउसिंग लिमिटेड

आम सूचना **जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर**
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 14/2025/D-55
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 251843 दिनांक 17/09/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृनि.स.स. /निजी खातेदारी जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिये आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	HIGHNOR INDIA PRIVATE LIMITED THROUGH DIRECTOR Rajesh Sharma S/o BRAJESH SHARMA एवं Sonu Sharma S/o Brajesh Sharma	श्री ओम प्रकाश लोयल पुत्र श्री भागीरथ मल लोयल	125	351.59 SQ YARD	Private	SANGUINE OFFICERS CAMPUS Sector/ Block-A	Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta)	निजी खातेदारी योजना सैंग्विन ऑफिसर्स कैम्पस के भू. सं. ए-125 क्षेत्रफल 351.59 व.ग. की लीजडीड क्रमांक 2523 दिनांक 19.09.2008 द्वारा श्री ओम प्रकाश लोयल पुत्र श्री भागीरथ मल लोयल, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 15.06.23, 24.06.24, 08.08.24

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आम सूचना दिनांक. 16.11.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री सत्यनारायण शर्मा पुत्र स्व. श्री सूरजनारायण शर्मा ने उनकी कृषि भूमि खसरा नम्बर 129 130 131 133 134 135 136, कुल किता 7 खसरा कुल रकबा 5.5282 वाके ग्राम हिम्मतपुरा, तहसील कालवाड़, जयपुर में से उनके हिस्से को वर्ष 2013 में हनुमान सहाय यादव उर्फ श्योजी राम यादव को विक्रय करने का करार किया था तथा साईपेटे की राशि प्राप्त की थी। बकाया विक्रय मूल्य राशि का भुगतान एक माह में किया जाना था। अवधि समाप्ति के बाद भी कई मौके देने के बाद जब विक्रय मूल्य की बकाया राशि नहीं दी गई तो मेरे अभिभाष्य ने केता को एक विधिक नोटिस दिनांक 20.10.2025 को जारी किया। जिसके बाद भी क्रेता ने बकाया विक्रय मूल्य राशि अदा नही की, जिस कारण वर्ष 2013 का इकरारनामा निरस्त हो गया है। जिसकी सूचना मेरे अभिभाष्य ने जरिये विधिक नोटिस द्वारा दिनांक 10.11.2025 को केता को दे दी। अब मेरे अभिभाष्य को उक्तभूमि को किसी अन्य को विक्रय करने का अधिकार प्राप्त है।
ABDUL HANIF KHAN
Mo.-9929655751

CFM thoughtful regeneration **सीएफएम एसेट रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड** CIN: U67100GJ2015PTC083994
पहली मंजिल, वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड, बैलार्ड एस्टेट, मुंबई -400038 ईमेलः ram-jaluka@cfmarc-in संपर्कः 022-40055282/8976862752
कब्जे की सूचना
"फिनोवा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने 21 मार्च 2025 के असाइनमेंट डीड के जरिए सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में ऋण सौंप दिया है। चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (सीएफएम एआरसी) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ताओं/ बंधककर्ताओं/गारण्टर को देय राशि चुकाने के लिए एक मांग नोटिस जारी किया है। उधारकर्ता और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमों की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधारकर्ता और व्यक्तिगत गारंटर विशेष रूप से और आम जनता को इस संपत्ति से कोई लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन सीएफएमएआरसी द्वारा नीचे उल्लिखित राशि के साथ-साथ उस पर अतिरिक्त ब्याज और लागत, शुल्क और व्यय आदि (मांग नोटिस जारी होने के बाद से भुगतान की गई राशि को घटाकर, यदि कोई हो) के अधीन होगा। उधारकर्ता और व्यक्तिगत गारंटर का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित आस्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है। LAN नंबर उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता /गारंटर मांग नोटिस की तिथि और राशि बंधक संपत्ति के कब्जे का विवरण।

ऋणी/सह-ऋणी एवं गारण्टर का नाम एवं पता	मांग नोटिस की तिथि और राशि	कब्जे की तिथि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
(ऋण खाता सख्या) 6007369, गिर्राज (ऋणी/ बंधककर्ता), उगन्ता (सहऋणी)	27.05.2025 Rs. 4,59,311/- चार लाख उनसठ हजार तीन सौ ग्यारह रूपये मात्र 31.03.2025 तक	15-नवम्बर-25	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित पट्टा नं. 21 का प्लॉट, ग्राम कबरा, तहसील एवं जिला टोंक, राज. 304001, क्षेत्रफल 500 वर्गफीट, पूर्वः स्वयं का बाडा, पश्चिमः स्वयं का बाडा, उत्तरः काशीराम का मकान, दक्षिणः रामनिवास का बाडा

दिनांकः 16.11.2025
स्थानः टोंक, राज.
प्राधिकृत अधिकारी
सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
[सीएफएमएआरसी ट्रस्ट – 159 के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत]

CFM thoughtful regeneration **सीएफएम एसेट रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड** CIN: U67100GJ2015PTC083994
पहली मंजिल, वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड, बैलार्ड एस्टेट, मुंबई -400038 ईमेलः ram-jaluka@cfmarc-in संपर्कः 022-40055282/8976862752
कब्जे की सूचना
"फिनोवा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने 31 दिसंबर 2024 के असाइनमेंट डीड के जरिए सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में ऋण सौंप दिया है। चूंकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (सीएफएम एआरसी) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे उल्लिखित उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ताओं/ बंधककर्ताओं/गारण्टर को देय राशि चुकाने के लिए एक मांग नोटिस जारी किया है। उधारकर्ता और आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमों की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधारकर्ता और व्यक्तिगत गारंटर विशेष रूप से और आम जनता को इस संपत्ति से कोई लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन सीएफएमएआरसी द्वारा नीचे उल्लिखित राशि के साथ-साथ उस पर अतिरिक्त ब्याज और लागत, शुल्क और व्यय आदि (मांग नोटिस जारी होने के बाद से भुगतान की गई राशि को घटाकर, यदि कोई हो) के अधीन होगा। उधारकर्ता और व्यक्तिगत गारंटर का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित आस्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है। LAN नंबर उधारकर्ता / सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता /गारंटर मांग नोटिस की तिथि और राशि बंधक संपत्ति के कब्जे का विवरण।

ऋणी/सह-ऋणी एवं गारण्टर का नाम एवं पता	मांग नोटिस की तिथि और राशि	कब्जे की तिथि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
(ऋण खाता संख्या) 5004660, रवि प्रकाश वर्मा (ऋणी), प्रेम देवी (सहऋणी), मुकेश वर्मा (सहऋणी)	02-मार्च-25 Rs. 1,36,634.00 एक लाख छत्तीस हजार छः सौ चौतीस रूपये मात्र 31-12-2024 तक	15-नवम्बर-25	रिहायशी/व्यावसायिक संपत्ति भूमि/बिल्डिंग/स्ट्रक्चर एवं फिक्सर के सभी अभिन्न अंग स्थित ग्राम निवाई में प्लॉट, रैगरों का मोहल्ला टोंक, राज. 304021, क्षेत्रफल 3098 वर्गफीट, पूर्वः 17,6 इंच बाबूलाल का प्लॉट, पश्चिमः 17, 6'' घनश्याम का प्लॉट, उत्तरः 10,6'' शिव मंदिर, दक्षिणः 10,6'' आम चौक

दिनांकः 16.11.2025
स्थानः टोंक, राज.
प्राधिकृत अधिकारी
सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
[सीएफएमएआरसी ट्रस्ट – 151 के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत]

नोरा फतेही ने ड्रग सिंडिकेट मामले पर तोड़ी चुप्पी, ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

‘मेरे नाम पर कीचड़ उछालना भारी पड़ेगा...’

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही का नाम इस वक्त काफी सुर्खियों में बना हुआ है। इंडस्ट्री के कई सेलेब्स के साथ नोरा का नाम भी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी ड्रग पार्टियों की जांच में सामने आया है। अंडरवर्ल्ड डॉन के साथ नाम जुड़ते ही नोरा लगातार सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। ऐसे में अब नोरा ने खुद इन खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

मेरी कोई पर्सनल लाइफ है ही नहीं

नोरा फतेही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस नोट में नोरा ने ट्रोलर्स पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने लिखा, ‘मैं पार्टियों में नहीं जाती। मैं लगातार काम कर रही हूं। मेरी कोई पर्सनल लाइफ है ही नहीं। मैं खुद के ऐसे लोगों से नहीं जोड़ती। अगर मैं छुट्टी लेती हूं, तो अपने दुबई वाले घर या फिर करीबी लोगों के साथ वक्त बिताना पसंद करती हूं..।’

मुझे लग रहा कि मेरा नाम आसान टार्गेट है

नोरा ने अपने नोट में आगे लिखा, ‘मुझे लग रहा कि मेरा नाम आसान टार्गेट है, लेकिन मैं ये सब फिर से नहीं होने दूंगी। लोगों ने मुझे बर्बाद करने की कोशिश की, झूठ बोले थे, लेकिन कुछ काम नहीं आया। जब लोग मेरे नाम पर कीचड़ उछाल रहे थे। मैं चुप रही थी, लेकिन अब मेरी फोटोज और नाम को ऐसे मामलों से दूर रखिए, जिनसे मेरा कोई लेना देना नहीं है। ये बहुत महंगा पड़ सकता है।’

नोरा फतेही का वर्कफ्रंट

नोरा फतेही के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार एक्ट्रेस आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म ‘थामा’ में ‘दिलबर की आंखों का’ नाम का एक डांस नंबर किया था। खबरें हैं कि अब एक्ट्रेस जल्द ही साउथ की हॉरर फिल्म ‘कंचना 4’ में नजर आने वाली हैं।

धर्मेंद्र की सेहत में सुधार, धूमधाम से मनाएंगे 90वां जन्मदिन

परिवार ने शुरू कर दी तैयारियां, अगले महीने होगा डबल सेलिब्रेशन

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की तबीयत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक, उनकी तबीयत पहले से बेहतर है और वे जल्दी ठीक होकर पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएंगे। परिवार और डॉक्टर टीम उनकी पूरी देखभाल कर रही है। धर्मेंद्र के चाहने वालों ने उनकी जल्द स्वस्थ होने और वापसी की दुआ की है।

8 दिसंबर 2025 को धर्मेंद्र का 90वां जन्मदिन है, जिसे वे अपने परिवार के साथ धूमधाम से मनाने वाले हैं। इस खास मौके पर देओल परिवार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उनके फैंस भी उत्सुक हैं कि वे स्वस्थ होकर फिर से मंच पर मुस्कुराते हुए लौटेंगे। बॉलीवुड के हीमैन के नाम से मशहूर धर्मेंद्र की इस साल एक बड़ी फिल्म भी रिलीज हो रही है, जो इस जश्न को डबल सेलिब्रेशन बनाएगी। अक्टूबर में सांस लेने में दिक्कत होने पर धर्मेंद्र को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन अब वे अपने जुहू निवास पर डॉक्टर्स की निगरानी में हैं और दिन-प्रतिदिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। उनकी पत्नी हेमा मालिनी और उनके करीबी सलमान खान, अमिताभ बच्चन भी उनकी जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्या नंदा की फिल्म ‘इक्कीस’ में धर्मेंद्र अगली बार नजर आएंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

‘सब बेकार हो गया...’

इवेंट से पहले लीक हुआ ‘वाराणसी’ का टीजर, एसएस राजामौली ने जताई नाराजगी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म वाराणसी का पोस्टर और टाइटल रिलीज किया, लेकिन इवेंट के दौरान गलती से इसका टीजर भी रिलीज हो गया, जिस पर एसएस राजामौली ने अपनी निराशा व्यक्त की है। यह घटना हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में टेक्निकल टेस्टिंग के दौरान घटी, जहां टीम शनिवार को होने वाली एक इवेंट की तैयारी कर रही थी। राजामौली ने कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे को संबोधित किया और खुलासा किया कि टीजर को ड्रोन का उपयोग करके अवैध रूप से रिकॉर्ड किया गया था, जब क्रू एक बड़े एलईडी सेटअप पर सीन्स को टेस्ट कर रहा था।

पहले से किया गया था सारा सेटअप

उन्होंने कहा, ‘हमने सब कुछ प्लान कर रखा था। ऑडियंस को फील देने के लिए प्रॉपर तरीके से विशाल एलईडी स्क्रीन और बेहतरीन एलईडी पैनल लागाए गए। इसे चलाने के लिए हमें 45 से ज्यादा जनरेटरों की जरूरत पड़ी। परीक्षण के दौरान, किसी ने ड्रोन से फुटेज लेना शुरू कर दिया और हमारे कंटेंट को सोशल मीडिया पर ऐसे अपलोड कर दिया, जैसे वह नेटफ्लिक्स से हो।’ फिल्म निर्माता ने आगे कहा कि लीक हुई क्लिप एक साल की कड़ी मेहनत का प्रतीक है, जिसमें हजारों घंटे की मेहनत और फाइनल इनवेस्टमेंट शामिल था। उन्होंने स्वीकार किया, ‘हम अपने वीडियो का ठीक से टेस्ट भी नहीं कर पाए। अब हमें डर है कि ये और लीक हो सकता है।’

हालांकि इतनी सब दिक्कतों के बावजूद हैदराबाद में ग्रैंड इवेंट में इसकी पोस्टर रिलीज किया गया। इस दौरान प्रियंका चोपड़ा भी नजर आईं। प्रियंका फिल्म में मंदाकिनी का कैरेक्टर निभाती नजर आएंगी, जबकि महेश बाबू के कैरेक्टर का नाम रुद्र है। उनके अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, नम्रता शिरोडकर और सितारा घट्टामनेनी भी इस इवेंट में मौजूद रहे। इसके अलावा कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रुति हासन ने एमएम कीरवानी द्वारा रचित फिल्म के अपने हाल ही में रिलीज हुए सिंगल से एक गाने पर लाइव परफॉर्म किया।

जब ट्रोल्स ने पार की हदें. लिखा...‘तुम मर क्यों नहीं जाती’ जेमी लीवर का दुखा दिल, बोलीं- जॉनी लीवर की बेटी...

कॉमेडियन जेमी लीवर ने अपनी अलग पहचान बनाई है। वो भले ही बॉलीवुड के वेटरन एक्टर और कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी हैं, लेकिन उन्होंने कभी पिता के नाम का सहारा नहीं लिया, बावजूद इसके वो नेपोटिज्म का प्रोडक्ट कहलाईं और उन्हें खूब ट्रोल किया गया। जेमी ने इस बारे में अपनी राय दी और कहा कि लोगों में इतनी नफरत है कि ऐसे भी कमेंट करते हैं जहां लिखा होता है- तुम मर क्यों नहीं जाती।

जेमी ने बताया कि कोविड के समय में उन्होंने रील्स बनाने की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे लोग उन्हें जानने लगे, लेकिन साथ ही ट्रोलिंग भी शुरू होने लगी। एक वक्त इस ट्रोलिंग ने उन्हें अंदर तक दर्द दिया। एक बातचीत में जेमी ने बताया कि वो बहुत कोशिश करती हैं, इसे इग्नोर करने की, लेकिन एक इंसान होने के नाते वो इस नफरत को कभी-कभी समझ नहीं पातीं।

जेमी ने कहा कि एक इंसान होने के नाते कोई मुंह पर भी बोल दे बुरा लग जाता है। फिर सोशल मीडिया तो एक ऐसी जगह है, जहां बिना नाम और चेहरे के लोग है। उनके लिए कुछ भी कहना आसान है। आप कोई वीडियो डालो तो बड़े सारे कमेंट्स आते हैं, उनमें से कोई एक-दो कमेंट ऐसा होता है, जो कह देगा- ‘तुम्हें तो कोई जानता भी नहीं है। अपने बाप के दम पर कर रही हो, तुम जॉनी लीवर की बेटी ना होती तो कोई देखता भी नहीं। तुम इन चीजों के लायक नहीं हो।’

‘लेकिन 99 अच्छे कमेंट्स में से कोई एक खराब होगा, तो मुझे लगता है कि क्या ये 99 लोग गलत सोच रहे हैं, तो किस पर विश्वास करना चाहिए, लेकिन वहीं कोई ऐसा कमेंट हो जो क्रिटिसिज्म में हो, तो मैं सही में ध्यान देती हूं कि ये लॉजिक सही था, लेकिन एक बार एक कमेंट आया, जिसमें किसी ने कहा- ‘तुम मर क्यों नहीं जाती।’ जेमी ने आगे बताया कि ‘उस कमेंट ने मुझे बहुत दर्द दिया, इसलिए कि किसी की नफरत इस हद तक हो सकती है। मैंने ऐसा क्या ही किया है। आपको नहीं पसंद आ रहा तो ब्लॉक कीजिए, मत देखिए, अनफॉलो कर दीजिए। क्या ही हो जाएगा।

बेटी-बेटे के बीच भेदभाव पर बोलीं कंगना रनौत ...

‘सबको पहले बेटा चाहिए, एशियन घरों और बॉलीवुड में तो यह आम बात’

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बयानों की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। एक बार फिर उनका एक बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बेटे की चाहत और एशियन घरों में बेटी-बेटे के बीच भेदभाव को लेकर खुलकर बात की है। इस बयान ने न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी है।

एक खबर के मुताबिक कंगना रनौत ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि एशियन समाज में बेटी के बाद बेटे की चाहत एक आम बात है। उन्होंने कहा, ‘हर एशियन घर से आप कनेक्ट कर सकते हो। एक तो आपकी एक बेटी होती है और उसके बाद में एक और बेटी होती है। हो सकता है कि जो ज्यादा एजुकेटेड हैं, वो दिखाना चाहें कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं बता दूं, सबको फर्क पड़ता है, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस, बड़ी फैमिलीज सबको।’ कंगना ने यह भी साफ किया कि पहली बेटी के बाद भेदभाव नजर नहीं आता, लेकिन दूसरी बेटी होने पर अक्सर यह बात सामने आ जाती है।

कंगना ने आगे कहा कि वह ऐसे लोगों को जानती हैं जो दावा करते हैं कि उन्हें बेटी या बेटे में कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वास्तविकता अलग है। उनका मानना है कि चाहे वह बॉलीवुड हो या राजनीति, बड़े घराने हों या आम घर, बेटे की चाहत और बेटी के बाद भेदभाव एक आम बात है। उन्होंने यह भी बताया कि यह बात बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी देखने को मिलती है, जहां बेटी के बाद बेटे की चाहत अक्सर ज्यादा नजर आती है।

कंगना रनौत का यह बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग इस बात पर अपनी राय दे रहे हैं कि आज भी बेटी-बेटे के बीच भेदभाव कितना आम है। कई लोगों ने कंगना के बयान का समर्थन किया है और कहा है कि यह बात सच है। वहीं, कुछ लोगों ने इस बात पर आपत्ति भी जताई है और कहा है कि आज के समय में ऐसी सोच बदल रही है।

कंगना रनौत का यह बयान न सिर्फ बॉलीवुड, बल्कि पूरे समाज के लिए एक झलक देता है कि आज भी बेटी-बेटे के बीच भेदभाव कितना आम है।

उनका यह बयान लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा है और इस बात पर बहस छेड़ रहा है कि क्या आज भी बेटी के बाद बेटे की चाहत एक आम बात है।

ग्रैमी अवॉर्ड्स में गूंजेगी ‘महाकुंभ की आवाज, कनिका कपूर के गाने को मिला नॉमिनेशन

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री की लोकप्रिय गायिकाओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें कनिका कपूर का नाम जरूर शामिल होता है। अपनी मधुर आवाज के दम पर किसी भी गीत में जान फूंकने वालीं कनिका ने सही मायनों में देश का नाम रोशन कर दिया था। सिंगर की साउंड्स ऑफ महाकुंभा एल्बम के गाने को अन्तरराष्ट्रीय स्तर के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार यानी ग्रैमी अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला है।

आने वाले 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए कनिका कपूर के महाकुंभ गीत को चुना गया है। इस मामले को लेकर गायिका ने अपनी पहली प्रतिक्रिया भी दी है।

इस साल की शुरुआत में प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन किया गया था, जो धार्मिका आस्था का प्रतीक माना गया। महाकुंभ मेले को मद्देनजर रखते हुए मशहूर गायिका कनिका कपूर ने उसी दौरान साउंड ऑफ महाकुंभा म्यूजिक एल्बम को अपनी जादुई आवाज दी। गायिका ने इस एल्बम के महाकुंभ सॉन्ग को गाया, जो सुपरहिट रहा। अब इस गाने को आने वाले ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 में नॉमिनेट किया गया।

दरअसल 68वें ग्रैमी अवॉर्ड्स में बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक एल्बम कैटेगरी में कनिका कपूर के महाकुंभ गाने को नॉमिनेशन मिला है। ये वाकई भारतीय संगीत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और खासतौर पर सिंगर कनिका के ॅकरियर के लिए ये अहम पड़ाव है। ग्रैमी अवॉर्ड्स में अपने गाने के नॉमिनेशन को लेकर कनिका कपूर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा है, ‘साउंड्स ऑफ कुंभ का हिस्सा बनना मेरे लिए काफी बड़ी बात है। इसके अलावा इस म्यूजिक एल्बम के टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज देना किसी बड़े सम्मान से कम नहीं है। ये गीत भारतीय संस्कृति और परंपराओं का एक तरह से प्रतीक है। ग्रैमी नॉमिनेशन सिर्फ मेरे लिए नहीं बल्कि इसके पीछे मौजूद पूरी टीम के लिए गर्व का पल है। मालूम हो कि कनिका कपूर की साउंड्स ऑफ महाकुंभ म्यूजिक एल्बम को सिद्धांत भाटिया ने प्रोड्यूस किया है। 68वें ग्रैमी पुरस्कार का आयोजन 1 फरवरी 2026 में होगा।

25 दिसंबर तक चलने वाले महोत्सव में एक लाख से अधिक जयपुरराइट्स विभिन्न खेलों में होंगे शामिल

सांसद खेल महोत्सव का सवाई मानसिंह स्टेडियम में आगाज आज

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, हिट इंडिया' की थीम पर हो रहे 'सांसद खेल महोत्सव' का आगाज सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में सुबह 10 बजे खेल एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ होगा। 25 दिसंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में एक लाख से अधिक जयपुरराइट्स विभिन्न खेलों में भाग लेंगे।

कार्यक्रम मुख्य की अतिथि उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी होंगी। वहीं अध्यक्षता खेल, युवा मामले, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। राज्यमंत्री (खेल एवं युवा मामले, उद्योग) अतिविशिष्ट अतिथि तथा सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, विधायक कालीसराफ, कैलाश वर्मा, बालमुकुंदाचार्य, भाजपा के विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चंद्र मनोहर बटवाड़ा और ओलंपियन गोपाल सैनी विशिष्ट अतिथि होंगे। जयपुर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि इस खेल महोत्सव में 10 से लेकर 60 साल के एक लाख से अधिक लोग विभिन्न खेलों में भाग लेंगे। इसमें वार्ड स्तर पर मौजूद ऐसी खेल प्रतिभाएं जिन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला है, ऐसे खिलाड़ियों को तलाशा और तराशा जाएगा। इसके साथ ही ऐसी खेल प्रतिभाओं को आगे लाया जाएगा, जो खेल के जरिए भारतमाता के मुकुट में चांद लगा सकें।

दिव्यांगों और महिलाओं पर विशेष जोर

सांसद खेल महोत्सव में बालक, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के छात्रों, निजी क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के साथ ही महिलाओं और दिव्यांग खिलाड़ियों को विशेष रूप से जोड़ा जाएगा। महिला और दिव्यांगों की अलग से टीमें बनाई जाएंगी। क्षेत्र के सांसद और विधायक भी दिव्यांगों से अलग से संवाद करके उनकी हौसला अफजाई करेंगे।

ग्रासरूट की प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

इस खेल महोत्सव में वार्ड स्तर तक के सभी लोगों को खेलों से जोड़ा जाएगा। यह खेल महोत्सव खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने, प्रतिभा निखारने के साथ ही ग्रासरूट लेवल की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ा मंच बनेगा। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि इस आयोजन के जरिए खिलाड़ियों में टीम बिल्डिंग के साथ ही राष्ट्रीयता की अलख जगाई जाएगी। उनका उद्देश्य केवल देश के लिए खेलना होगा।

ये खेल होंगे शामिल

तीरंदाजी, क्रिकेट, बास्केटबॉल, सितोलिया, वालीबॉल, हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, कुश्ती, खो-खो, कबड्डी, रस्साकसी, मलखंभ, व्यायाम और नींबू एवं चम्मच दौड़ आदि खेलों को शामिल किया गया है।

राजस्थान और वैश्विक प्रवासी समुदाय के रिश्तों को नया आयाम देगा प्रवासी राजस्थानी दिवस

माटी की महक से देश-विदेश से खिंचे चले आएंगे प्रवासी : भजनलाल शर्मा

'राजस्थान की समृद्ध विरासत और बदलते प्रदेश की दिखेगी झलक'

सीएम का मानना है कि प्रवासी राजस्थानी दिवस में राज्य की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, लोक-कला और परंपराओं के साथ-साथ आधुनिक और तेजी से विकसित होते राजस्थान की झलक भी दिखाई देगी। आयोजन में राजस्थान की लोक विरासत पर आधारित विशेष रंगारंग सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत की जाएगी, जो प्रवासियों को अपनी जड़ों से भावनात्मक रूप से जोड़ने का माध्यम बनेगी। साथ ही इस अवसर पर सेक्टोरल सेशंस के माध्यम से राज्य में ऊर्जा, पर्यटन, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संसाधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी, ताकि प्रवासी समुदाय प्रदेश की विकास यात्रा से परिचित हो सके।

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 10 दिसंबर को जयपुर के जेईसीसी में पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन करने जा रही है। यह कार्यक्रम देश और विश्वभर में बसे प्रवासी राजस्थानी समुदाय के लिए जड़ों से जुड़ने और अपनी मातृभूमि के लिए योगदान करने की दिशा में अनूठी पहल साबित होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन से प्रेरित होकर राजस्थान अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन को गति देने में प्रवासी राजस्थानियों की महत्ववपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य के विकास में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को और सशक्त करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें निवेश, नवाचार तथा सामाजिक योगदान के नए अवसरों से जोड़ने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। प्रवासी राजस्थानी दिवस के लिए पंजीकरण प्रारंभ होते ही देश-विदेश में बसे प्रवासी समुदाय में इस कार्यक्रम को लेकर बेहद उत्साह दिखाई दे रहा है और वे राजस्थान के विकास में अपनी भूमिका को लेकर सक्रिय रूप से आगे आ रहे हैं।

सेक्टोरल सत्रों में नए अवसरों पर गहन विमर्श

विविध विषयों पर होने वाले सेक्टोरल सत्रों में विशेषज्ञ राजस्थान के बदलते औद्योगिक एवं निवेश परिवेश और जुड़ाव की संभावनाओं पर विचार रखेंगे। पर्यटन सत्र में विशेषज्ञ राजस्थान के परंपरागत हेरिटेज टूरिज्म के साथ-साथ एडवेंचर और वॉटर बेस्ड पर्यटन के नए स्वरूपों पर अपने विचार रखेंगे। शिक्षा सत्र में शिक्षा जगत के विशेषज्ञों के साथ वे प्रवासी राजस्थानी भी शामिल होंगे, जिन्होंने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। स्वास्थ्य सत्र में चिकित्सा, फार्मा और हेल्थ टेक्नोलॉजी से जुड़े विशेषज्ञ राज्य में उभरती संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। जल संसाधन सत्र में नवीनतम जल संरचनाओं और पारंपरिक जल संरक्षण पद्धतियों पर विशेष जानकारी दी जाएगी। इन सत्रों का उद्देश्य प्रवासी समुदाय को प्रदेश में उपलब्ध अवसरों और संभावनाओं से अवगत कराना तथा उनके सुझाव शामिल करना है, जो राज्य के विकास की नीति-निर्धारण का आधार बनेंगे। विशेष एनआरआर ओपन हाउस सत्र इस कार्यक्रम का बड़ा आकर्षण रहेगा। राजस्थान फाउंडेशन के 26 चैप्टर्स से आए वे प्रवासी, जिन्हें 'प्रवासी राजस्थानी सम्मान' मिल चुका है, वे भी इस सत्र में अपने विचार रखेंगे।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए खुले सहभागिता के नए द्वार

राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की मातृभूमि के प्रति निष्ठा और योगदान की भावना को सम्मान देते हुए सहभागिता फ्रेमवर्क तैयार किया है। यह फ्रेमवर्क प्रवासी समुदाय को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक अवसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में योगदान करने का अवसर देता है। राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों के परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए 'सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टेक्ट' के रूप में सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

- कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रवासी राजस्थानियों को अपने गांव, कस्बे और क्षेत्र में जल संरक्षण के लिए जोड़ता है। इस अभियान के माध्यम से रेन वाटर हार्वेस्टिंग और भू-जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लिए प्रवासियों का सहयोग लिया जा रहा है, ताकि जल सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।
- विद्यालय की भामाशाह योजना-2025 के द्वारा प्रवासी एवं दानदाता सरकारी विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस योजना में आधुनिक अवसंरचना, आईसीटी सुविधाओं, स्वच्छता और डिजिटल संसाधनों के विकास में भागीदारी का अवसर है। बड़े योगदान पर विद्यालयों को दानदाता के नाम से पहचान देने का भी प्रावधान है।
- इसके साथ ही ऑनलाइन फंडिंग प्लेटफॉर्म ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से प्रवासी समुदाय अपनी पसंद की शिक्षा परियोजनाओं में ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं।
- राज्य सरकार ने सरकारी संस्थानों के नामकरण की नीति भी लागू की है, जिसके अंतर्गत दानदाताओं द्वारा निर्माण लागत के अनुरूप कॉलेज, अस्पताल, स्कूल या उनकी आंतरिक सुविधाओं का नामकरण किया जा सकता है।
- नंदीशाला जन सहभागिता योजना के माध्यम से राज्य सरकार और दानदाताओं के सहयोग से पंचायत समिति स्तर पर नंदीशालाओं के निर्माण की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें प्रवासी समुदाय महत्वपूर्ण भागीदार बन सकता है।

मुख्यमंत्री 27 नवंबर को पर्यटन विभाग की प्री-समिट में होंगे शामिल

आगामी 10 दिसंबर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में पर्यटन विभाग द्वारा प्री-समिट का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के निजी होटल में 27 नवंबर को प्रस्तावित इस प्री-समिट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शिरकत करेंगे।

पर्यटन विभाग की प्री-समिट में दो सत्र आयोजित किए जाएंगे। पहले सत्र में 'राजस्थान ए ईयर-राउंड टूरिस्ट डेस्टिनेशन' और दूसरे सत्र में 'राजस्थान राइजिंग-बिल्डिंग इंडियाज प्रीमियर एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन' विषय पर विशेषज्ञों द्वारा पर्यटन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसमें टूरिज्म, होटल तथा ट्रैवल सेक्टर्स के हितधारक और प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रवासी समुदाय और राज्य सरकार के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक बड़ा मंच उपलब्ध करवाएगा। इस दौरान विभिन्न सेक्टर्स जैसे उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं जल आदि पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। साथ ही प्रवासी राजस्थानियों को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित भी किया जाएगा।

लेन सिस्टम लागू, ट्रक चालक करने लगे नियमों का पालन

बगरू से दौलतपुरा टोल प्लाजा तक लेन सिस्टम से वाहन चलने का नियम कठोर होने के बाद ट्रक चालक भी इसका पालन करने लगे हैं। बगरू के पास एक लाइन में चलते ट्रक। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस की ओर से भी नियमों का पालन कराने पर जोर दिया जा रहा है। नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्रवाई की जाएगी। **फोटो : राजेश कुमार शर्मा**

जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने दिया बड़ी कार्रवाई को अंजाम

50 करोड़ की सरकारी जमीन को करवाया अतिक्रमण मुक्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने रविवार को 50 करोड़ रुपए की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

उपमहानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-14 विप्र विहार में जेडीए की आवासीय योजना में 50 करोड़ की 10 बीघा बेशकीमती सरकारी भूमि पर करीब 40 स्थानों पर बनाए गए टीनशेडनुमा कमरे, कोठरियां, चारदीवारी, लोहे के गेट सहित निर्माणों को हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-9 स्थित ग्राम गोनेर में गढ़ के सामने करीब 2 किमी एरिया तक दोनों तरफ रोड सीमा पर करीब 155 स्थानों पर अत्यधिक लंबाई में बनाए गए टीनशेड, ढाबा, भट्टी, पत्थर की पट्टियां, काउंटर, थड़ियां-ठेले, होर्डिंग, साइन बोर्ड, चारदीवारी, तिरपाल सहित अन्य अतिक्रमणों को हटाया गया। नगर निगम के साथ सामूहिक अभियान के तहत शिवदासपुरा थाने के सहयोग से यह कार्रवाई की गई। जोन-13 में स्थित सीकर रोड ग्राम मोटू का बास मुख्य हाईवे के पास भूमि पर किए गए 10 अवैध डूप्लेक्सों के निर्माण को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईंटों की दीवारों से चुनवाकर ताला, सील, चपड़ी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्रवाई की गई।

जयपुरवासियों ने लिया विशाल रक्तदान शिविर में भाग

जयपुर (महानगर टाइम्स संवाददाता)। जयपुर में रविवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रोटरी क्लब जयपुर और नारंग हॉस्पिटल, वैशाली नगर के संयुक्त तत्वावधान किया गया। शिविर में शहर के प्रख्यात चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में कई नामी डॉक्टर स्वयं रक्तदान के लिए पहुंचे, जिससे कार्यक्रम को एक प्रेरणादायक दिशा मिली। नारंग हॉस्पिटल के डॉ. राजीव नारंग ने कहा, 'रक्तदान महादान है। किसी व्यक्ति की जान बचाने से बढ़कर सेवा और कोई नहीं हो सकती। हर सक्षम व्यक्ति को साल में कम से कम दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए।' रोटरी क्लब पर्ल की अनुराधा शर्मा और रोटरी क्लब कोहिनूर के सीए धर्मेंद्र शेखर ने बताया कि ऐसे सामाजिक अभियानों को जारी रखा जाएगा। शिविर में युवाओं और महिलाओं ने उत्साह से भागीदारी की, जिससे आयोजन और भी प्रभावी रहा। शिविर के दौरान स्वास्थ्य जांच, हीमोग्लोबिन टेस्ट और काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

गौरन 2025 ने रचा इतिहास, एक साथ बने 3 रिकॉर्ड

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन के लिए कार्य करते हुए गौमाया पिछले काफी वर्षों से निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में अवारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गौमाया द्वारा विश्व इतिहास में पहली बार गौसंवर्धन के लिए गौरन आयोजित किया गया। इसे गौरन 2025 नाम दिया गया। यह मैराथन अल्बर्ट हॉल के दक्षिणी द्वार से प्रारंभ हुई। जहां संपूर्ण भारत से आए हजारों लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कार्यक्रम ने विश्व इतिहास में दर्ज होकर तीन रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। जिसमें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड एवं गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड प्राप्त हुए हैं। गौमाया के फाउंडर डॉक्टर सीताराम गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से पर्यावरण संरक्षण एवं गौसंवर्धन के प्रति जन जन तक चेतना को पहुंचाया जा सकेगा।

गौमाया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गौरन 2025 के चेयरमैन राजू मंगोड़ी वाला ने बताया कि गाय हमारी सनातन संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है तथा इसके बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। कार्यक्रम के संयोजक भारत सिंह राजपुरोहित ने इस अभियान में गौमाया के वर्ल्ड रिकॉर्ड पार्टनर बनने पर आभार जताया है। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के रिप्रेजेंटेटिव योगेश मित्तल एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड के रिप्रेजेंटेटिव राजा मुकीम ने रिकॉर्ड के मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किए। इस अवसर पर चीफ एडवाइजर डॉक्टर पीएम भारद्वाज, उपाध्यक्ष नवीन भंडारी, विशिष्ट सहयोगी अजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

फेस्टिवल | राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय 'जयपुर डांस कॉन्क्लेव' 22 नवंबर से

जयपुर में पहली बार होगा भारतीय नृत्य की विविधता का उत्सव

- फेस्टिवल में होंगी आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियां, कार्यशालाएं और चर्चाओं की रोमांचक श्रृंखला
- पद्मश्री माधवी मुद्गल, पद्मश्री लीला सैमसन और प्रेरणा श्रीमाली जैसे प्रख्यात कलाकार होंगे शामिल

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। जयपुर के सांस्कृतिक कैलेंडर में एक और अनूठा आयोजन 'जयपुर डांस कॉन्क्लेव' (जेडीसी) जुड़ने जा रहा है। यह फेस्टिवल 22 और 23 नवंबर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित होगा। यह राजस्थान में अपने प्रकार का यह पहला फेस्टिवल है, जो जयपुर के दर्शकों को भारत के विविध नृत्य रूपों से परिचित कराएगा।

इस फेस्टिवल में दर्शकों को देशभर के श्रेष्ठ नृत्य प्रदर्शन देखने, वरिष्ठ नृत्य गुरुओं के अनुभव सुनने, युवा कलाकारों से संवाद करने और नृत्य का उत्सव मनाने का अवसर मिलेगा। फेस्टिवल में देशभर के प्रसिद्ध कलाकारों और विशेषज्ञों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियां, कार्यशालाएं और चर्चाएं आयोजित की जाएंगी। इन प्रख्यात कलाकारों में पद्मश्री माधवी मुद्गल (ओडिसी), पद्मश्री लीला सैमसन (भरतनाट्यम) और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त प्रेरणा श्रीमाली (कथक) आदि शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि अमृता लाहिड़ी और मंजोत चावला द्वारा संकल्पित और क्यूरेट किया गया जेडीसी आर्टस्पॉट्स की पहल है। जयपुर डांस कॉन्क्लेव का उद्देश्य जयपुर के दर्शकों के बीच भारत की समृद्ध और विविध नृत्य परंपरा के प्रति जागरूकता और सराहना को बढ़ावा देना है।

दो रोचक सेमिनारों से होगी शुरुआत

जेडीसी की शुरुआत दो रोचक सेमिनारों से होगी, जिनमें 'डांस- द ऑल इन्क्लूसिव आर्ट फॉर्म' विषय पर पद्मश्री लीला सैमसन और मीता कपूर तथा 'द आर्ट्स ईकोसिस्टम-डायनेमिक्स एंड बैलेंस' पर दीप्ति शशिधरन, शान भटनागर, अखिला कृष्णमूर्ति और अदिति जेटली विचार साझा करेंगी। इसके बाद नृत्य प्रस्तुतियों और वर्कशॉप्स की श्रृंखला शुरू होगी, जिसमें चैना और राकेश की प्रस्तुति 'कशीदा फूल', प्रेरणा श्रीमाली की कथक वर्कशॉप और दौसा के मीणा एवं गुर्जर समुदाय की लोक प्रस्तुति 'कन्हैया दंगल' शामिल हैं। शाम को गौरी दिवाकर की 'हरि हो-गति मेरी' कथक और लीला सैमसन की 'प्रकाश्य' भरतनाट्यम प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेगी। दूसरे दिन कार्यक्रम में 'द वे फॉरवर्ड-न्यू डायरेक्शन इन कोरियोग्राफी एंड डांस पेडागोजी' विषय पर पैनल चर्चा, पुस्तक 'इंटरप्रेटिंग वाइल्ड वुमन' पर चर्चा एवं प्रस्तुति और 7-12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्राची साथी की वर्कशॉप 'वेन वॉल्स डांस' आयोजित होगी। लोकभाषा और संस्कृति पर विनोद जोशी और गौरी दिवाकर की सेमिनार, जयपुर कथक केंद्र की प्रस्तुति 'नृत्य तरंग' तथा 'मंथन' में कावड़ कथा और मोहिनीयट्टम का संगम प्रमुख आकर्षण रहेंगे। समापन में माधवी मुद्गल और उनकी मंडली ओडिसी नृत्य 'विस्तार' प्रस्तुत करेंगी।

एकादशी पर हुआ हरिनाम संकीर्तन, मंत्रमुग्ध भक्त

महानगर टाइम्स संवाददाता

जयपुर। आस्था के पावन केंद्र श्री अमरापुर स्थान जयपुर में शनिवार पवित्र एकादशी पर संतों ने हरिनाम संकीर्तन किया। एकादशी शनिवार की शाम गुरु गोविन्द के नाम जय जय राधा रमण हरि बो...., जय टेंऊरामा, दर्श दिखाना....राधे राधे श्याम मिला दे.... गुरुदेव सांवरिया मेरे - गोपाल सांवरिया मेरे.. गोविन्द बोलो हरि गोपाल बोलो.... सतनाम साक्षी मंत्र जाप... गोविन्द मेरो है- गोपाल मेरो है, श्री बांके बिहारी नंदलाल मेरो है....आदि प्रभु प्रिय हरि एवं हरि नामों के उच्चारण से अमरापुर धाम में गुरु गोविन्द का अनोखा रसमय कीर्तन में भक्तिमय माहौल बन गया। भक्त मंत्र मुग्ध हुए, संतों ने बताया कि सद्गुरु स्वामी टेंऊराम महाराज द्वारा रचित आध्यात्मिक प्रेम प्रकाश ग्रन्थ वाणी में भी कृष्ण राम की महिमा का गुणगान किया गया। संत कवियों ने स्वामी टेंऊराम महाराज की रचित आध्यात्मिक प्रेम प्रकाश ग्रन्थ वाणी के दोहे, पद, छंद,भजन, कवित आदि उनके द्वारा सत्संग सभा में वाचन गायन किया।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा 2, सहकार मार्ग, ज्योतिनगर, लालकोठी, जयपुर-15 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, जी-848, फेज-3, रीको सीतापुरा, जयपुर से मुद्रित। संपादक: गोपाल शर्मा, संपादकीय प्रभारी: जिज्ञासु शर्मा*। फोन: 0141-2741076, 2741077 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com * आर.एन.आई. 67873/97/ पोस्टल रजिस्ट्रेशन नम्बर-JaipurCity/008/2023-25